શુભ લાભ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सिद्धरामैया ने कुरुबा समुदाय को एसटी में शामिल करने की सिफारिश की @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 10 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-278

भारत-ब्रिटेन की साझेदारी वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति का आधार : मोदी

मुंबई, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और ब्रिटेन को स्वाभाविक साझेदार बताते हुए कहा है कि मौजूदा वैश्विक अस्थिरता के दौर में दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण आधार है।

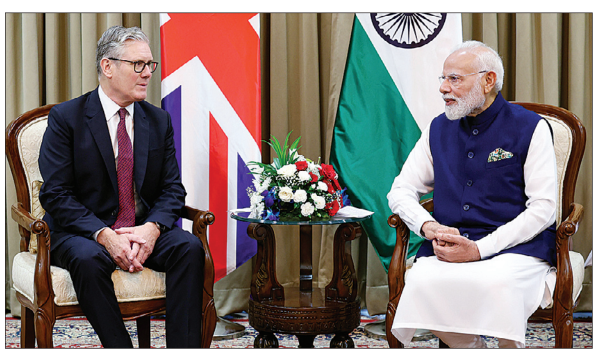

प्रधानमंत्री मोदी ने किया स्टारमर से खालिस्तानियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह

भारत यात्रा पर आये ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ गुरुवार को यहां राज भवन में व्यापक वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में श्री मोदी ने कहा कि श्री स्टारमर के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने खनिज क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, हमने महत्वपूर्ण खनिज पर सहयोग के लिए एक इंडस्ट्री गिल्ड और सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी की स्थापना का निर्णय लिया है। इसका सेटेलाइट कैंपस आई एस एम, धनबाद में होगा। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने सैन्य प्रशिक्षण के क्षेत्र में भी सहयोग का समझौता किया है। इसके तहत भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर ब्रिटिश वायु सेना में ट्रेनर के रूप में कार्य करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों की साझेदारी भरोसे, प्रतिभा और प्रौद्योगिकी पर आधारित है। उन्होंने कहा, हमारे संबंधों की नीव में लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के शासन जैसे मूल्यों में साझा विश्वास शामिल है। श्री मोदी ने कहा, मौजूदा वैश्विक अस्थिरता के दौर में, भारत और ब्रिटेन के बीच यह बढ़ती हुई साझेदारी वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण आधार बन रही है।

उन्होंने कहा कि आज बातचीत के दौरान दोनों देशों ने हिंद प्रशांत और पश्चिम एशिया में शांति तथा स्थिरता और यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पर भी विचार साझा किये। उन्होंने कहा, यूक्रेन कान्फ्लिक्ट और गजा के मुद्दे पर, भारत डायलॉग और डिप्लोमेसी से शांति की बहाली के सभी प्रयासों का समर्थन करता है।

उन्होंने कहा कि दोनों देश हिन्द प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और सहयोग बढ़ाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री स्टारमर के साथ आये शिक्षा क्षेत्र के अब तक के सबसे बड़े और प्रभावशाली प्रतिनिधिमंडल का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि अब ब्रिटेन की नौ यूनिवर्सिटी भारत में कैंपस खोलने जा रही हैं।

प्रधानमंत्री ने ब्रिटेन के स्टारमर से खालिस्तानी चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने कहा कि लोकतांत्रिक समाजों में कट्टरपंथ के लिए कोई जगह नहीं। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बताया कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी बैठक में खालिस्तानी उग्रवाद के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई। मिसरी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि लोकतांत्रिक समाजों में कट्टरपंथ और हिंसक उग्रवाद के लिए कोई जगह नहीं है और उन्हें समाज द्वारा प्रदत्त स्वतंत्रता का दुरुपयोग या दुरुपयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। दोनों पक्षों के पास उपलब्ध कानूनी ढाँचे के भीतर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

मिसरी ने इस यात्रा को वास्तव में लोगों के लिए साझेदारी बताया और इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत और ब्रिटेन दोनों देशों के नागरिकों के लाभ के लिए कई मोर्चों पर मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारत के विकसित भारत के दृष्टिकोण को समर्थन देगा और युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर पैदा करेगा। स्टारमर के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है, जिसमें ब्रिटेन के 125 सबसे प्रमुख व्यापारिक नेता, उद्यमी और शिक्षाविद् शामिल हैं ▶10पर

तेलंगाना के स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों को

42% आरक्षण देने वाले सरकारी आदेश पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

हैदराबाद, 09 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना हाई कोर्ट ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बी सी) को 42% आरक्षण देने के राज्य सरकार के फैसले पर रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश एपी सिंह और जीएम मोहिउद्दीन की खंडपीठ ने यह आदेश पारित किया।

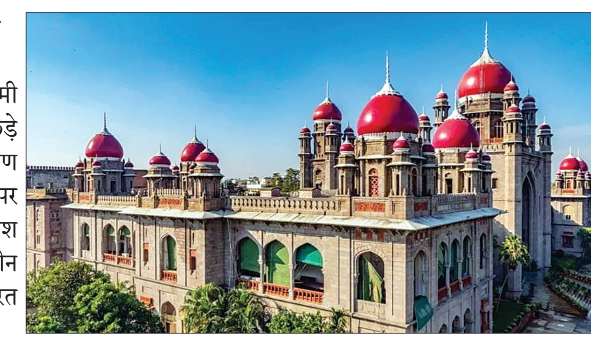

याचिकाकर्ता के वरिष्ठ अधिवक्ता बी. मयूर रेड्डी ने प्रस्तुत किया कि विवादित सरकारी आदेश दो कानूनों का उल्लंघन करते हैं- पहला उल्लंघन: संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत सर्वोच्च न्यायालय द्वारा के. कृष्णा मूर्ति बनाम भारत संघ मामले में निर्धारित कानून का उल्लंघन।

दूसरा उल्लंगन तेलंगाना पंचायत राज अधिनियम, 2018 की धारा 285ए के तहत वैधानिक प्रतिबंध का उल्लंघन।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित कानून के संबंध में, यह प्रस्तुत किया गया कि के. कृष्णा मूर्ति मामले के निर्णय का प्रभाव यह है कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के पक्ष में ऊर्ध्वाधर आरक्षण 50% से अधिक नहीं होना चाहिए। यह इंद्रा साहनी मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से निकलता है, जिसमें यह निर्धारित किया गया था कि संविधान के अनुच्छेद 15(4) और 16(4) के तहत आरक्षण के संबंध में 50% की अधिकतम सीमा लागू होगी।

वैधानिक कानून के उल्लंघन के संबंध में, यह प्रस्तुत किया गया कि अधिनियम संख्या 4 ऑफ 2019 के माध्यम से सम्मिलित तेलंगाना पंचायत राज अधिनियम, 2018 की धारा 285 ए में कहा गया है कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के अनुसरण में, स्थानीय स्वशासन के संदर्भ में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के पक्ष में 50 प्रतिशत ऊर्ध्वाधर आरक्षण की ऊपरी सीमा का उल्लंघन नहीं किया जाना चाहिए...।

यह भी प्रस्तुत किया गया कि उक्त प्रावधान यह भी अनिवार्य करता है कि पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित की जाने वाली सीटों और पदों का निर्धारण इस प्रकार किया जाएगा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के संबंध में आरक्षण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित सीटों/पदों की कुल संख्या संबंधित स्थानीय निकायों में कुल सीटों या पदों की संख्या के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी...।

▶10पर

तेलंगाना स्थानीय निकाय चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन शुरू

हैदराबाद, 09 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रिटर्निंग अधिकारियों ने 9 अक्टूबर से शुरू होने वाले जिला परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों (जेडपीटीसी), मंडल परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों (एमपीटीसी) के पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन आमंत्रित किए हैं।

राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, नामांकन शनिवार, 11 अक्टूबर तक सुबह 10:30 बजे से शाम 5:00 बजे के बीच दाखिल किए जा सकेंगे। इसकी जांच की जाएगी और उम्मीदवारों की सूची रविवार, 12 अक्टूबर को शाम 5:00 बजे के बाद जारी की जाएगी।

नामांकन अस्वीकृति के विरुद्ध अपील करने की अंतिम तिथि 13 अक्टूबर शाम 5 बजे तक है। सभी अपीलों का निपटारा 14 अक्टूबर शाम 5 बजे तक कर दिया जाएगा।उम्मीदवार 15 अक्टूबर को अपराह्न 3:00 बजे तक अपना नाम वापस ले सकेंगे तथा उसी दिन उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। ▶10पर

हमास छोड़ेगा बंधक, इजराइल रोकेगा हमला

गाजा सीजफायर समझौते के बाद नेतन्याहू का ऐलान

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इजराइल और हमास ने गुरुवार को सीजफायर और फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में इजराइली बंधकों को रिहा करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता गाजा में युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहल के पहले चरण का हिस्सा है।

मिस्र में दोनों पक्षों के अधिकारियों के बीच हुई बातचीत के बाद इस समझौते पर हस्ताक्षर की पुष्टि की। इस समझौते की घोषणा के बाद फिलिस्तीन और इजराइल को लोगों ने जश्न मनाया। यह दो साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने की दिशा में उठाया गया अब तक का सबसे बड़ा कदम है, जिसमें 67,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए।

मिस्र में दोनों पक्षों ने सीजफायर समझौते पर हस्ताक्षर किए

मोदी ने इजराइल-हमास शांति समझौते का किया स्वागत

इस समझौते के तहत सीजफायर लागू होगा। इजरायल गाजा से आंशिक रूप से पीछे हट जाएगा। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि सीजफायर उनकी सरकार की मंजूरी के बाद प्रभावी होगा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक इजरायली सरकार ने समझौते पर हस्ताक्षर की पुष्टि करते हुए कहा कि कैबिनेट बैठक के 24 घंटे के भीतर सीजफायर लागू हो जाएगा। गाजा में बंधक बनाए गए लोगों को 72 घंटे के भीतर रिहा कर दिया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक एक इजराइली अधिकारी ने कहा, 7 अक्टूबर, 2023 को हमले के दौरान हमास की ओर से पकड़े गए सभी 20 इजराइली बंधकों को रिहा कर दिया जाएगा। ये सभी बंधक गाजा में जीवित हैं। उन्होंने बताया कि इजराइल जिन फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ेगा उसमें मारवान बरगौती शामिल नहीं होगा।

एक फिलिस्तीनी अधिकारी ने बताया कि समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद भी रिहा किए जाने वाले लोगों की लिस्ट को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। यह समूह इजरायली जेलों में बंद कुछ सबसे प्रमुख फिलिस्तीनी दोषियों के साथ-साथ इजरायल पर हमले के दौरान हिरासत में लिए गए सैकड़ों लोगों की रिहाई की मांग कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अमेरिका और अन्य देशों की मध्यस्थता से इजरायल और हमास में हुए शांति समझौते का स्वागत किया।

एक सोशल मीडिया पोस्ट में श्री मोदी ने लिखा, हम राष्ट्रपति ट्रम्प की शांति योजना के पहले चरण पर बनी सहमति का स्वागत करते हैं। यह इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सशक्त नेतृत्व का भी प्रतिबिंब है। हमें आशा है कि बंधकों की रिहाई और गाजा के लोगों को मानवीय सहायता में बढ़ोत्तरी से उन्हें राहत मिलेगी और स्थायी शांति का रास्ता साफ मार्ग प्रशस्त होगा।

इस ऐतिहासिक समझौते ने मध्य पूर्व में शांति की नई उम्मीदें जगाई हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इसका कार्यान्वयन चुनौतीपूर्ण होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे महान जीत करार देते हुए कहा कि यह फेज-1 है और आगे के चरणों में स्थायी शांति सुनिश्चित की जाएगी। गाजा में मानवीय सहायता की आपूर्ति बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र की टीमें तैयार हैं, जबकि इजरायल ने सीमा पर सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। फिलिस्तीनी पक्ष ने इसे न्याय की दिशा में कदम बताया, लेकिन इजरायली कैबिनेट की मंजूरी का इंतजार कर रहा है।

समझौते के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने सराहना की है, लेकिन कुछ आवाजें उठ रही हैं कि यह युद्ध अपराधों की जवाबदेही को नजरअंदाज कर सकता है। इजरायल में विपक्षी दलों ने नेतन्याहू की तारीफ की, जबकि हमास ने अपने समर्थकों से संयम बरतने का आह्वान किया। ▶10पर

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी तंत्र लगभग समाप्त हो गया : अमित शाह

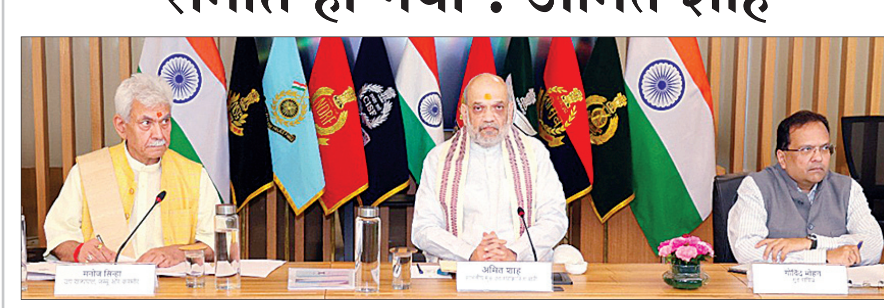

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली में जम्मू और कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे सुरक्षा बलों को क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को खतरा पहुंचाने के किसी भी प्रयास को नाकाम करने की पूरी स्वतंत्रता है। गृह मंत्री ने कहा कि सर्दियों में आतंकवादी बर्फबारी का फायदा उठाकर घुसपैठ नहीं कर सके, इसके लिए सुरक्षाबल को हर तरह से तैयार रहना होगा। बैठक में जम्मू और कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय गृह सचिव, निदेशक, आसूचना ब्यूरो, थल सेनाध्यक्ष, जम्मू और कश्मीर के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के महानिदेशक तथा भारत सरकार, सेना और जम्मू-कश्मीर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद-मुक्त जम्मू-कश्मीर के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केंद्र की मोदी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों के ठोस प्रयासों से जम्मू-कश्मीर में देश के दुश्मनों द्वारा पोषित आतंकवादी तंत्र लगभग समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि हमारे सुरक्षा बलों को क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को खतरा पहुंचाने के किसी भी प्रयास को नाकाम करने की पूरी स्वतंत्रता है।

बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की, जिसके परिणामस्वरूप जम्मू और कश्मीर के सुरक्षा परिदृश्य को मजबूत करने में मदद मिली है।

गृह मंत्री ने जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के खात्मे के लिए सभी सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सतर्क रहते हुए समन्वित तरीके से काम करने की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि सर्दियां आ रही हैं, आतंकवादी बर्फबारी का फायदा उठाकर घुसपैठ ना कर पाएं, इसके लिए हमारे सुरक्षा बल हर तरह से तैयार रहें।

हंगरी के लास्जलो क्रास्जनाहोरकाई को मिला साहित्य का नोबेल सम्मान

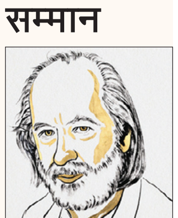

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

स्वीडिश एकेडमी ने गुरुवार को साहित्य के नोबेल पुरस्कार का ऐलान कर दिया। इन पुरस्कारों की घोषणा शाम 4:30 बजे की गई। इस बार साहित्य के नोबेल पुरस्कार से हंगरी के लास्जलो क्रास्जनाहोरकाई को सम्मानित किया गया है। यह अवॉर्ड उन लेखकों को मिलता है, जिन्होंने शानदार किताबें या कविताएं लिखकर साहित्य में खास योगदान दिया हो। 1954 में जन्मे हैं। एकेडमी ने पुरस्कार की घोषणा करते हुए बताया कि लास्जलो क्रास्जनाहोरकाई को उनकी रचनाएं बहुत प्रभावशाली और दूरदर्शी हैं। वे दुनिया में तबाही और डर के बीच भी कला की ताकत को दिखाती हैं। लास्जलो क्रास्जनाहोरकाई मध्य यूरोपीय परंपरा के एक महाकाव्य लेखक हैं, जो काफ्का से थॉमस बर्नहार्ड तक फैली हुई है, और उनकी विशेषता बेलौसपन है।

उनका पहला उपन्यास सैटानटैंगो 1985 में प्रकाशित हुआ था और हंगरी में उन्हें एक लेखक के तौर पर साबित करने में कामयाब रहा। यह उपन्यास, साम्यवाद के पतन से ठीक पहले, हंगरी के ग्रामीण इलाके में एक बंजर खेत पर रहने वाले बेसहारा निवासियों के समूह पर केंद्रित था। कमिटी ने बताया कि उनकी किताबों में दर्शन होता है। मानवता, अराजकता और आधुनिक समाज के संकटों का जिक्र बड़ी बेबाकी से किया जाता है। कुल मिलाकर लास्जलो डीप थिंकिंग वाली उदास कहानियां लिखने के लिए मशहूर हैं। ▶10पर

बिहार वोटर लिस्ट में काटे गए 3.66 लाख नाम जोड़ने के लिए चुनाव आयोग से अपील करें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को विशेष गहन पुनरीक्षण पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह अपने जिला-स्तरीय निकाय को अंतिम मतदाता सूची से बाहर किए गए 3.66 लाख मतदाताओं को चुनाव आयोग में अपील दायर करने में सहायता करे। सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि जो एफिडेविट प्रशांत भूषण ने वोटर लिस्ट से लोगों का नाम काटने वाला दिया है, वह गलत है। उन्होंने कहा कि यह एफिडेविट कोर्ट को गुमराह करने वाला है। जिस महिला का नाम काटने का दावा किया जा रहा है। उसका मसौदा सूची और अंतिम सूची में भी नाम है। साथ ही चुनाव आयोग ने कहा कि एक नाम का पर्चा बेचा जा रहा है कि यह नाम काटा गया है जबकि उनकी ओर से आवेदन ही नहीं किया गया है। द्विवेदी ने कहा कि एक तर्क यह था कि ड्राफ्ट मतदाता सूची में बड़ी संख्या में लोगों के नाम थे, लेकिन अचानक उनके नाम सूची से गायब हो गए।

चुनाव आयोग ने कहा कि अब तक तीन हलफनामे मिले हैं। हमने इसकी जांच की है। यह हलफनामा पूरी तरह से झूठा है। कृपया पैरा 1 देखें कि उन्होंने कहा है कि मैं बिहार का निवासी हूं और ड्राफ्ट मतदाता सूची में था। वह वहां नहीं थे। हकीकत ये है उन्होंने मतदाता गणना फॉर्म जमा नहीं किया था। यह झूठ है। फिर उन्होंने मतदाता पहचान पत्र संख्या दी, दिया गया मतदान केंद्र 52 है, लेकिन वास्तविक संख्या 653 है। द्विवेदी ने कहा कि आयोग ने निर्देश दिया था कि जिन नामों को सूची से बाहर रखा गया है, उन्हें बूथवार प्रकाशित करें। हमने इसे हर जगह लगा दिया है। उन्हें तब पूरी जानकारी थी। बीएलओ, बीएलए, राजनीतिक दल वगैरह, सब वहां मौजूद हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अब इसमें संदेह है कि ऐसा कोई व्यक्ति है भी या नहीं। ▶10पर

खुफिया सूचना पर कार्रवाई

दिल्ली से 28 अवैध बांग्लादेशी गिरफ्तार

पश्चिम बंगाल सीमा से हुई थी एंट्री

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दक्षिण पूर्वी दिल्ली पुलिस के बांग्लादेशी प्रकोष्ठ ने भारत में अवैध रूप से रह रहे 28 बांग्लादेशी प्रवासियों को गिरफ्तार किया है। यह अभियान गहन निगरानी के साथ शुरू हुआ, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न स्थानों से 28 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया। पूछताछ करने पर पता चला कि वे कई अन्य लोगों के साथ पश्चिम बंगाल की खुलना सीमा के रास्ते अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे।

पकड़े गए सभी 28 प्रवासियों को एक अस्थायी हिरासत केंद्र में रखा गया है, जहाँ उनके निर्वासन के लिए आगे की आवश्यक कानूनी औपचारिकताएँ सक्रिय रूप से चल रही हैं। अब तक, कुल 235 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को निर्वासित किया जा चुका है, और हाल ही में पकड़े गए 28 व्यक्तियों के निर्वासन की प्रक्रिया जारी है। प्रारंभिक प्रोफाइलिंग से पता चलता है कि ये व्यक्ति अधिकतर अकुशल हैं, जो कूड़ा बीनने, खेतिहर मज़दूरी करने या अन्य अनौपचारिक व्यवसाय करते हैं। इनमें से किसी के पास भी देश में रहने के लिए वैध दस्तावेज़ या प्राधिकरण नहीं था। ▶10पर

ज्ञान और चारित्र के संगम से बनता है सच्चा बहुश्रुत : साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी निर्मला जी के सान्निध्य में साध्वी उपासना जी ने उत्तराध्ययन सूत्र आराधना के ग्यारहवें और बारहवें अध्ययन का हृदयस्पर्शी एवं ज्ञानवर्धक विवेचन प्रस्तुत किया। साध्वी उपासना ने कहा कि जो व्यक्ति आत्मज्ञान प्राप्त करने के साथ अपने दोषों का निवारण करता है, वही सच्चे अर्थों में बहुश्रुत कहलाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चारित्रवान व्यक्ति अपने आचरण को निखारता है, जबकि ज्ञानवान दूसरों के जीवन में भी आलोक फैलाता है। क्रोधी, मानी (अहंकारी), प्रमादी, रोगी और आलसी व्यक्ति कभी भी बहुश्रुत नहीं बन सकते, क्योंकि ये पाँचों प्रवृत्तियाँ ज्ञान के मार्ग में बाधक हैं।

आलस्य शरीर से संबंधित है और प्रमाद मन से। इन दोनों सहित पाँच दोषों का त्याग करने वाला ही सच्चा ज्ञानी और आत्मार्थी बन सकता है। साध्वी जी ने आगे बताया कि बहुश्रुत के आठ लक्षण होते हैं मर्यादा में रहना, अधिक न हँसना, पर का मर्म प्रकाशित न करना, रसनेंद्रिय पर विजय पाना, पाँचों इंद्रियों पर संयम रखना, शांत स्वभावी होना, व्रतों की पालना करना और चारित्रवान रहना। इन गुणों का धारक ही बहुश्रुत कहलाता है, जिसे शास्त्रों में सोलह उपमाओं से विभूषित किया गया है।

बारहवें अध्ययन का विवेचन करते हुए उन्होंने कहा कि जैन धर्म में जाति नहीं, कर्म की प्रमुखता मानी जाती है। नीच कुल में जन्म लेने वाला भी अपने गुणों से पूजनीय बन सकता है, जबकि दुराचारी व्यक्ति उच्च कुल में जन्म लेकर भी तिरस्कृत होता है। उन्होंने उपस्थित श्रुद्धालुओं को संदेश दिया कि हम अपने कर्म पर विश्वास रखें, वही हमारे जीवन का सच्चा परिचय है।

साध्वी नंदिनी ने उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन किया और साध्वी ऋषिता ने स्तवन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मारेडपल्ली सिकंदराबाद से महावीर तातेड़, प्रदीप गांधी, संजय पोखरना, किशोर पोखरना, धीरेंद्र बोहरा व अन्य का अभिनंदन संघ अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने किया। अंत में साध्वी निर्मला ने उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को मंगलपाठ दिया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

हमारी आत्मा किस गति में जाएगी यह कर्मों पर निर्भर: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि हमारी जाति नहीं बल्कि कर्म और आचरण ही हमे उच्च और निम्न बनाते है। यदि कर्म श्रेष्ठ है तो चांडाल कुल में उत्पन्न होने वाला व्यक्ति भी श्रमण हो सकता है और केवल ज्ञान की प्राप्ति कर सकता है। इस दुनिया में जीना आसान नहीं है जीने के लिए हर कदम पर आदमी को बहुत जहर पीना पड़ता है। धर्मरूपी जलाशय में जिसने स्नान कर लिया उसकी कषायाग्नि शांत हो जाती है। संतों की सेवा करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। जिसके जीवन में दुर्गुण है वह पढ़ालिखा होकर भी विद्या से हीन है। मनुष्य जीवन की प्राप्ति होना दुर्लभ है। मानव जन्म मिला है तो उसे जिनवाणी श्रवण कर और धर्म साधना करके सार्थक बनाना चाहिए। हमारी आत्मा किस गति में जाएगी यह कर्म पर निर्भर करता है। कर्म से आत्मा भारी बनेगी तो नीचे की गतियों में जाएगी और आत्मा हल्की होगी तो उपर उठकर सिद्धशिला तक भी जा सकती है। साध्वी शीतल-गुणा ने कहा कि चींटियों का इकट्ठा किया हुआ अनाज, मधुमक्खियां का इकट्ठा किया हुआ शहद और इंसान का इकट्ठा किया हुआ धन हमेशा दूसरों के काम आता है, इसलिए कुछ अच्छे कर्म करें जो हमेशा आपके साथ जाएंगे। अंबालाल शाह ने बताया कि दादागुरुदेव राजेन्द्र सूरिश्वर गुरुदेव का 108 अभिषेक का लाभ सुआबाई शेषमल परिवार नेमीचंद शेषमल बंदामुथा परिवार ने लाभ लिया।

यह संसार एक रंगशाला: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उस धरती का सौभाग्य होता है, जहां संत पधारते हैं। संत गांव गांव नगर नगर विचरण करते हैं और अनुभव की जीवंत पुस्तक बन जाते हैं। वे विचरण करते हुए धर्म का और सत्य तत्व का प्रचार करते हैं। उपरोक्त विचार साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने मुनि जयमल चरित्र पर विश्लेषण करते हुए कहा कि मुनि जयमल जब बीकानेर पहुंचे तो वहां के यति वर्ग ने उनका घोर विरोध किया और 500 यतियों ने इक्कठे हो कर बीकानेर में प्रवेश नहीं होने दिया। यतियों ने ढोंग और पाखंड से स्थानीय जनों को डरा धमका रखा था। ऐसे में मुनि जयमल अनेक परिषहों को सहन करते हुए बीकानेर के बाहर छतरियों में बिना अन्न पानी के आठ दिन रुके।

उन्होंने धैर्य रखा कि संत और सूर्य सभी के होते हैं। मात्र उनकी परीक्षा होती हैं। आठ दिन पश्चात बीकानेर के जिम्मेदार व्यक्तियों को मुनि पदार्पण की जानकारी हुई। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी श्री रिद्धिप्रभा जी ने कहा कि यह संसार एक रंगशाला है। यहां कभी कर्म रुलाते है तो कभी हंसाते हैं। इस नाटक से मुक्त होने के लिए देव गुरु और धर्म की शरण ही श्रेष्ठ हैं। हम क्षणिक सुख के आगे शाश्वत सुख को भूल रहे हैं। आद्यात्म सही मार्ग है और त्याग के आगे चक्रवर्ती और देवता भी नमन करते हैं। महिला मंडल की अध्यक्ष आशा बाई बोहरा और दीपा बोहरा ने महिला शिविर के बारे में अपने अनुभव बताए। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा ने मंगल पाठ प्रदान किया।

विनयवान ही प्राप्त करते हैं मोक्ष मार्ग: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि प्रभु की अंतिम वाणी का स्वादन चल रहा है। भगवान का शासन पर अनंत उपकार है। उनके दिखाए मार्गों पर आज भी हजारों हजारों लोग चल कर जीवन का उद्धार कर रहे हैं। महावीर ने प्रत्येक मनुष्य को मोक्ष का मार्ग बतलाया है। जो उस पर चलते हैं उनको मोक्ष मिल जाता है। उनकी वाणी से मनुष्य अपने कर्मों के जंजीर को तोड़ सकता है। उन्होंने अपनी वाणी से गंभीर ज्ञान दिया है। भगवान ने लाखों लाखों प्राणियों का कल्याण किया। हजारों लोग संयम के मार्ग पर चल रहे है। बहुत सारे ऐसे लोग हैं जो गलत मार्ग पर चलते थे, वे भी सही मार्ग पर चलने लगे। बाकी सब धन लूट लिया जाता है, लेकिन ज्ञान का धन कोई छीन नहीं सकता है। इसको कोई लूट नहीं सकता है। अगर यह धन है तो अन्य धन की जरूरत ही नहीं है। विद्या धन सबसे महत्वपूर्ण होता है। इस धन को लेकर कोई तनाव नहीं होता है। इसका कोई बंटवारा नहीं होता है। ऐसे ज्ञान का धन भगवान ने जाते जाते मानव को दिया है।

उत्तराध्ययन सूत्र में इसका उल्लेख है। पहला अध्ययन विनय सूत्र होता है। विनय धर्म का मूल होता है। मूल है तो वृक्ष है। मूल ही नहीं है तो वृक्ष भी बनना संभव नहीं होगा। मूल के बिना पेड़, पत्ता, फल फुल संभव नहीं होगा। इस धर्म की आराधना करने वाला मानव संसार से पार हो जाता है। संसार के राग द्वेष से मुक्त मनुष्य विनय धर्म को सुने तो मोक्ष मिल जाएगा। जो संस्कारहीन है उसमें विनय धर्म नहीं होता है। जो विनय संपन्न नहीं है उसका तिरस्कार होता है। अविनीत असंस्कारी मानव बुराई की ओर भागता है। जो झुकता है उसको सब मिल जाता है। विनयवान के गुण अलग हो होते हैं। जब मानव को केवल ज्ञान प्राप्त होता है तो मानव सही और गलत की पहचान कर लेता है। केवल ज्ञान प्राप्त करने वाला अपने आप ही सही मार्ग पर बढ़ने लगता है। केवल ज्ञान अधूरा नहीं बल्कि पूरा ज्ञान होता है। यह सब विनय का ही गुण है। विनय में धर्म, चारित्र समेत सब गुण आ जाते है। बस जीवन में विनय का गुण आना चाहिए। विनय भाव से मानव कुछ भी बन सकता है। चार चीजें मानव को बहुत मुश्किल से मिलती है। अगर मिलता है तो उसका कद्र नहीं करता है। मानवता मिलना मुश्किल है। मनुष्य तो है लेकिन मनुष्य नहीं बन पा रहे हैं। मानव नहीं बल्कि मानवता पूंजी जाती है। मानव भव हाथ में हीरे जैसा है। मिला है तो समझ कर कमाई करलो। दौलत काम नहीं आएगा। धन को देख कर लालच करने की जरूरत नहीं। सब मिल सकते हैं, लेकिन संत मिलना भगवान की वाणी मिलना बहुत मुश्किल है। अगर ऐसा मौका मिला है तो जीवन को सुधार लेना चाहिए। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

दपरे के आरपीएफ ने सितंबर 2025 में ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' के तहत 12 लड़कियों सहित 51 बच्चों को बचाया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) रेलवे संपत्ति, यात्री क्षेत्रों और यात्रियों की भलाई की सुरक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता में अडिग है। यह बल यात्रियों को सुरक्षित, संरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहा है। आरपीएफ यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा और आराम सुनिश्चित करता रहेगा। साथ ही भारतीय रेलवे को अपने ग्राहकों को विश्वसनीय माल परिवहन सेवाएँ प्रदान करने में भी सहायता करेगा। सितंबर 2025 के दौरान, आरपीएफ ने अपने द्वारा चलाए गए कई अभियानों के तहत कुछ सराहनीय उपलब्धियाँ हासिल की। मिशन 'नन्हे फरिश्ते' के तहत, आरपीएफ ने देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले 51 बच्चों (39 लड़के, 12 लड़कियां) को उनके परिवारों से मिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ये बच्चे विभिन्न कारणों से अपने परिवारों से बिछड़ गए थे और आरपीएफ ने अथक प्रयास करके उन्हें बचाया और एनजीओ, पुलिस को सौंप दिया। ऑपरेशन डिग्निटी अभियान के तहत देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले छह बुजुर्गों (1 पुरुष और 5 महिलाएँ) को बचाया गया और उचित सत्यापन के बाद उनके परिवारों या एनज-ीओ को सौंप दिया गया। महिला यात्रियों का सशक्तिकरण - मेरी सहेली' पहल के तहत आरपीएफ कर्मियों ने अकेली और अकेली महिला यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की। उनकी सीट और बर्थ का विवरण वास्तविक समय की निगरानी और सहायता के लिए स्टेशन आरपीएफ टीमों के साथ साझा किया गया। गंतव्य स्टेशनों पर प्रतिक्रिया एकत्र की गई। वर्तमान में, इस पहल के अंतर्गत 32 ट्रेनें शामिल हैं। दलालों पर नकेल कसना (ऑपरेशन उपलब्ध) के तहत वास्तविक यात्रियों को ट्रेन टिकटों की उचित उपलब्धता सुनिश्चित करने और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए, कर्नाटक और गोवा में विभिन्न ट्रैवल एजेंसियों और स्थानों पर गहन जाँच की गई। इन अभियानों के दौरान, रेलवे अधिनियम की धारा 143 के अंतर्गत 35 मामलों में 46 दलालों को गिरफ्तार किया गया।

कुल 96 चालू टिकट जिनकी कीमत 1,19,956.85 थी और 140 प्रयुक्त टिकट जिनकी कीमत 2,02,045.95 थी, जब्त किए गए। इसी प्रकार अन्य अभियानों के जरिए यात्रियों की सेवा की गई है।

महाप्रबंधक, मुकुल सरन माथुर ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के उन कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने अथक परिश्रम किया और प्रत्येक यात्री की सुरक्षा के प्रति अपनी साझा जिम्मेदारी की भी पुष्टि की।

कांग्रेस नेताओं ने आई लव अंबेडकर अभियान चलाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष मंजूनाथ गौड़ा के नेतृत्व में, सैकड़ों युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बेंगलूरु के शांति नगर स्थित बीएमटीसी मुख्यालय के सामने सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई पर हुए हमले की निंदा करते हुए 'आई लव अंबेडकर' अभियान चलाया।

इस अवसर पर, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव चेल्ला कुमार, सूरज हेगड़े, विधान परिषद के मुख्य सचेतक सलीम अहमद, बीएमटीसी अध्यक्ष वी. एस. आराध्या और कार्यकर्ताओं ने अभियान में भाग लिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री श्रृंगेरी शंकर मठ शंकरपुरम में आयोजित कार्यक्रम में महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अपने वक्तव्य में कहा हमें अपनी सनातन संस्कृति पर गर्व है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

शरद पूर्णिमा पर पूनम मेला आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शरद पूर्णिमा के पावन दिवस का पूनम मेला दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ, अरसीकेरे के प्रांगण पर बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। अहमदाबाद निवासी केशवलाल नरोत्तमकुमार प्रजापत परिवार संपूर्ण मेला भराने से लाभान्वित हुए। सेवा पूजन हेतु दिन भर दर्शनार्थियों की तांत लगी रही। तुषार गुरुजी ने शुद्ध मंत्रोच्चार से पूजन की विधि करवाई। वहीं सुर सम्राट दिलखुश बाफणा के साथ रिंकु बाफणा, प्रकाश राठोड, प्रेमलता, कलिंगा कवाड एवं स्थानीय हेमा कोठारी ने अपने आवाज से एकत्रित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। संभव संगीत मंडल का संगीत परिसर को संगीत भरा भक्तिमय बनाया। पार्श्व भैरव महापूजन, भैरवदेव को छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवं तेल चढाना विविध लाभार्थियों द्वारा संपन्न हुआ। 108 दीपक की आरती का लाभ अहमदाबाद निवासी एवं वहां के अपोलो अस्पताल के डाक्टर सतीश ने लिया। अहमदाबाद से पधारे टीना मुकेश एवं आशा प्रकाश ने राजस्थानी नृत्य का प्रदर्शन दिया। मेला लाभार्थी परिवार का सम्मान बहुमान ट्रस्ट अध्यक्ष अशोक कुमार सुराना ने किया। इस अवसर पर ट्रस्टी पारसमल वेद मुथा, डॉ. विजय कुमार सुराना, ज्ञानेश मेहता, रमेश कटारिया के साथ रायचंद पटवा अंचलेश्वर, महावीर पीपाडा राणीबेन्नुर, चेतन बलगट, चेतन मेहता सहित अनेक भक्त उपस्थित रहे।

दीपावली उत्सव के लिए बेंगलूरु-चेन्नई के बीच विशेष एक्सप्रेस ट्रेन सेवाएँ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आगामी दीपावली उत्सव को देखते हुए और यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण पश्चिम रेलवे ने केएसआर बेंगलूरु और डॉ. एमजीआर चेन्नई संेट्रल स्टेशनों के बीच विशेष एक्सप्रेस ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 06255 केएसआर बेंगलूरु-पुरात्ची थलाइवर डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस स्पेशल 18, 21 और 25 अक्टूबर को सुबह 8.05 बजे केएसआर बेंगलूरु से रवाना होगी और उसी दिन दोपहर 2:45 बजे पुरात्ची थलाइवर डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल पहुँचेगी। रास्ते में, यह ट्रेन यशवंतपुर, कृष्णराजपुरम, बंगारपेट, जोल-ारपेट्टई, काटपाडी, अरक्कोणम, तिरुवल्लूर और पेरम्बूर स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 06256 पुरात्ची थलाइवर डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल - केएसआर बेंगलूरु एक्सप्रेस स्पेशल 18, 21 और 25 अक्टूबर को चेन्नई सेंट्रल से शाम 4:30 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन रात 10:45 बजे केएसआर बेंगलूरु पहुँचेगी। रास्ते में, यह ट्रेन तिरुवल्लूर, अरक्कोणम, काटपाडी, जोलारपेट्टई, बंगारपेट, कृष्णराजपुरम और यशवंतपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में 19 डिब्बे होंगे जिनमें 11 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 वातानुकूलित कुर्सीयान, 1 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का डिब्बा, 4 द्वितीय श्रेणी सिटिंग डिब्बे और 2 एसएलआरडी डिब्बे शामिल हैं।

सिद्धरामैया ने कुरुबा समुदाय को एसटी में शामिल करने की सिफारिश की: बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि सिद्धरामैया की पिछली सरकार के दौरान केंद्र को कुरुबा समुदाय को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने का प्रस्ताव दिया गया था। हमारे कार्यकाल में एक वंशावली अध्ययन रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। वर्तमान कांग्रेस सरकार ने इसकी समीक्षा की और 20 जुलाई, 2023 को केंद्र सरकार को इसकी अनुशंसा की। बेंगलूरु में मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया की पिछली सरकार के दौरान केंद्र को कुरुबा समुदाय को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने का प्रस्ताव दिया गया था। यह वंशावली अध्ययन के लिए वापस आया था। गठबंधन सरकार ने वंशावली अध्ययन का आदेश दिया था। हमारे कार्यकाल में एक वंशावली अध्ययन रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। हमारी सरकार ने इस पर सहमति व्यक्त की। चुनाव आने पर हमारी सरकार चली गई। वर्तमान कांग्रेस सरकार ने इसकी समीक्षा की और 20 जुलाई, 2023 को केंद्र सरकार को इसकी अनुशंसा की। सरकार को दस्तावेज लेने और देखने दीजिए। अब यह सिद्धरामैया के हाथ में है और देखना होगा कि वह क्या निर्णय लेते हैं। वाल्मीकि समुदाय

और कुरुबा के बीच कोई समस्या नहीं होगी। अहिंदा नेता सिद्धरामैया वहाँ मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि आरक्षण बढ़ाना इतना आसान नहीं है। बिग बॉस का मामला स्टूडियो मालिकों और अधिकारियों के बीच का है, और क्या कार्रवाई की जाए, इसके लिए एक कानूनी प्रक्रिया है। इस बीच, कुछ लोग डीसीएम की पहले कही गई बातों को इसमें जोड़ रहे हैं। यह महत्वपूर्ण नहीं है। ऐसा लगता है कि कुछ गड़बड़ हो रही है। हमें देखना होगा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पास कुछ भी बंद करने का अधिकार है या नहीं। एक तरफ मनोरंजन उद्योग चलना चाहिए, और दूसरी तरफ प्रदूषण को रोकना चाहिए। यह समस्या कब से है? सवाल उठता है कि यह कार्रवाई अब क्यों की गई है। इकोनॉमिक्स का मतलब है कि अर्थव्यवस्था चलनी चाहिए और पर्यावरण संरक्षित होना चाहिए। इस राज्य में यही गलत हो गया है। राज्य में सब कुछ गड़बड़ हो गया है। ऐसा लगता है कि जो हुआ वही सही है। जब ऐसा होता है, तो इस तरह की घटनाएं होती हैं। डीसीएम डी.के. शिवकुमार ने बिग बॉस शो को अनुमति देकर यह साबित करने की कोशिश की थी कि इसमें उनकी कोई भूमिका नहीं है। राज्य कांग्रेस में नवंबर में होने वाली क्रांति के बारे में पूछे गए एक सवाल पर उन्होंने कहा कि नवंबर में जो कुछ भी होगा, वह कांग्रेस का आंतरिक मामला है। हालाँकि, कुछ लोग कह रहे हैं कि मैं स्पष्ट शासन देने के अलावा मुख्यमंत्री बना रहूँगा। कांग्रेस विधायकों और मंत्रियों में काफी असमंजस की स्थिति है। हालाँकि वे कहते हैं कि अनुशासनहीनता होने पर कार्रवाई करेंगे, लेकिन विधायक आश्वस्त नहीं हैं। आलाकमान भी इस बारे में स्पष्ट नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया अपनी पृष्ठभूमि और छवि के बारे में सोच रहे हैं। डीसीएम शिवकुमार ने एक पार्टी बना ली है और वह उसके बारे में सोचकर कोई निर्णय नहीं ले पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि नवंबर या दिसंबर में क्रांति होगी। कांग्रेस नेताओं द्वारा केंद्र से राज्य को मिलने वाले धन में भेदभाव के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा नरेंद्र मोदी सरकार ने 15वें वित्त और अन्य परियोजनाओं के तहत पाँच गुना ज्यादा धन दिया है। 15वीं वित्त योजना में, इसने 14वें वित्त आयोग से एक लाख करोड़ ज्यादा दिए हैं। यूपीए काल में, राज्य की रेल परियोजनाओं के लिए पाँच वर्षों में कुल 7,000 करोड़ रुपये मिले थे। अब, हर साल सात हजार करोड़ रुपये मिल रहे हैं। 6,000 किमी. राजमार्ग बनाए जा रहे हैं। केंद्र के धन से राज्य में परियोजनाएँ क्रियान्वित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास पैसा नहीं है। सौजन्य मामले के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि उसे न्याय मिलना चाहिए। सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण बच्चों और शिक्षकों के साथ बहुत बड़ा अन्याय कर रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण पूरे पैमाने पर ठीक से नहीं किया जा रहा है। बहुत से लोग घर पर नहीं हैं। वे सहयोग नहीं कर रहे हैं, इसलिए इस सर्वेक्षण का कोई महत्व नहीं रह गया है। उत्तरी कर्नाटक में आई बाढ़ के लिए राज्य सरकार द्वारा उचित मुआवजा न दिए जाने के बारे में पूछे गए एक सवाल पर, उन्होंने कहा येदियुरप्पा के कार्यकाल में, बाढ़ आने पर 63 नए गाँव बनाए गए थे। जब दूसरी बार बाढ़ आई, तो हमने लगभग तीन लाख घरों को 5 लाख रुपये का मुआवजा दिया। जब मैं मुख्यमंत्री था, तब हमने केंद्र सरकार द्वारा दिए जाने वाले मुआवजे से दोगुना मुआवजा दिया। हमने शुष्क खेती के लिए 13 हजार रुपये, सिंचाई के लिए 18 हजार रुपये और बागवानी फसलों के लिए 25 हजार रुपये का मुआवजा दिया। हमने प्रति एकड़ मुआवजा दिया। हमने लगभग सात लाख किसानों को मुआवजा दिया। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार तुरंत किसानों को दोगुना मुआवजा दे।

उपद्रवी की घातक हथियारों से हत्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कनकपुरा ग्रामीण पुलिस थाना क्षेत्र के भद्रेगौड़नडोड्डी में पुरानी रंजिश के चलते एक बदमाश की घातक हथियारों से बेरहमी से हत्या कर दी गई। बेंगलूरु के केंगेरी के पास हेमिगेपुरा गाँव का चिरंजीवी (25) मारा गया बदमाश था। उसने एक साल पहले तलघट्टापुरा पुलिस थाना क्षेत्र में एक हत्या के मामले में सजा काट ली थी और दो महीने पहले ही जमानत पर रिहा हुआ था। वह अपनी पत्नी के पैतृक गाँव, हरोहल्ली तालुका के पिचनकेरे गाँव में रह रहा था, इस डर से कि जहाँ वह रहता था, वहाँ उसकी जान को खतरा था। पिछले हफ्ते, जब वह अपनी दादी के गाँव भद्रेगौड़नडोड्डी गया, तो हेब्बिदारमेट्टीलु और पास के चिक्कालकलबालु गाँव के युवकों के साथ उसका झगड़ा हो गया। चार लोगों ने रात में घातक हथियारों से उसकी बेरहमी से हत्या कर दी और भाग गए। जिला पुलिस अधीक्षक श्रीनिवास गौड़ा, सहायक पुलिस अधीक्षक रामचंद्रप्पा, सुरेश, उप पुलिस अधीक्षक गिरि, सर्किल इंस्पेक्टर विकास, ग्रामीण थाना प्रभारी आकाश ने हत्या स्थल का निरीक्षण किया।

भाई नंदीश ने शिकायत दर्ज कराई कि चिक्कलबालू निवासी प्रज्वल, पवन और बेंगलूरु निवासी मोहन और चेतन ने शिकायत में कहा कि पुरानी रंजिश के चलते यह कृत्य किया गया। शिकायत के आधार पर ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

कोडागु के एक निजी आवासीय स्कूल में आग लगने से 7 वर्षीय बच्चे की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एक दुखद घटना में, गुरुवार सुबह मदिकेरी के पास कटागेरी गाँव के एक निजी आवासीय विद्यालय में आग लगने से सात वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान चेट्टीमनी गाँव निवासी और स्कूल में कक्षा 2 के छात्र पुष्पक (7) के रूप में हुई है। आग का पता तब चला जब छात्र अपने कमरे में सो रहे थे। कई बच्चे स्कूल स्टाफ की मदद से सुरक्षित भागने में कामयाब रहे, लेकिन पुष्पक कथित तौर पर समय पर भागने में असफल रहा और झुलस गया। कुछ ही देर बाद

उसकी मौत हो गई। लड़के के लापता होने का पता चलने पर, स्कूल स्टाफ अंदर गया और घटना का पता लगाया। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के कर्मियों ने स्थानीय निवासियों की सहायता से आग पर काबू पा लिया। उपायुक्त वेंकटराजू, डीडीपीआई बसवराज और मदिकेरी पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। खबर सुनते ही अभिभावक स्कूल पहुँच गए। आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है।

हसनम्बा मंदिर के द्वार खुले, श्रद्धालु आज से कर सकेंगे दर्शन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के आदि देवता हसनम्बा मंदिर के द्वार, जो हर साल दर्शनार्थियों को दर्शन का अवसर प्रदान करते हैं, गुरुवार को औपचारिक रूप से खोल दिए गए और शुक्रवार से भक्तों को दर्शन की अनुमति होगी।

अश्विजा माह के प्रथम गुरुवार को दोपहर 12.21 बजे, राजा के वंशज नंजराजा अरस (केला) ने द्वार काटा और पीठासीन पुजारी नागराजू द्वारा द्वार पर पूजा-अर्चना के बाद, डॉ. गी निर्मलानंदनाथ स्वामीजी, सिद्धगंगा मठ पीठाध्यायश्री श्री सिद्धलिंग स्वामीजी, जिला प्रभारी मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा, सांसद श्रेयस पटेल, विधायक स्वरूप प्रकाश, जिला कलेक्टर लताकुमारी, जिला परिषद सीईओ पूर्णिमा, एसपी मोहम्मद सुजीता और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में भव्य तरीके से द्वार खोले गए। मंदिर के गर्भगृह की सफाई की गई और होम और हवन सहित विभिन्न धार्मिक कार्य किए गए। हसनंबा

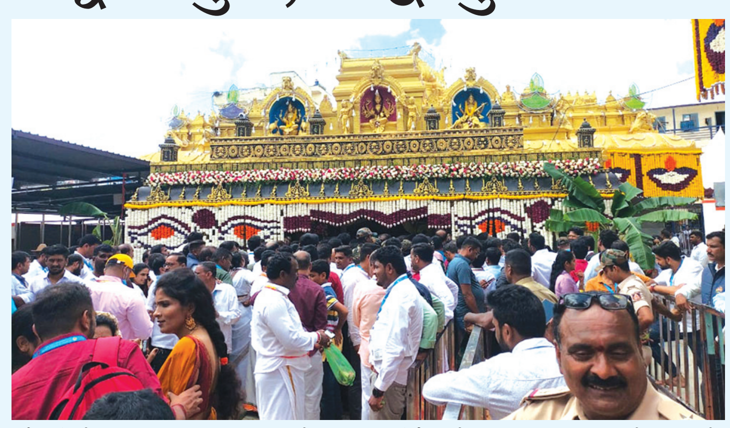

और सिद्धेश्वर स्वामी का जात्रा महोत्सव गुरुवार से 23 तारीख तक चलेगा और 23 तारीख को, यानी कपाट बंद होने के दिन, आम जनता को दर्शन की अनुमति नहीं होगी। भक्तों को शुक्रवार सुबह 6 बजे से दर्शन की अनुमति होगी। 24 घंटे दर्शन होंगे और दोपहर 2 से 3 बजे तक और सुबह 2 से 5 बजे तक दैनिक प्रसाद और श्रृंगार के लिए आम जनता को दर्शन की अनुमति नहीं होगी। 22 अगस्त को शाम 7 बजे आम जनता के लिए प्रवेश वर्जित रहेगा। 23 अगस्त को पूजा के साथ महोत्सव का शुभारंभ होगा। पिछले वर्ष यह महोत्सव 24 अगस्त से 3 नवंबर तक चला था। इस दौरान 20 लाख से अधिक भक्तों ने देवी के दर्शन किए और शुद्धि प्राप्त की। गर्भगृह के द्वार 3 नवंबर को बंद हुए थे और आज खोले गए। इस बार 25 लाख से अधिक भक्तों के आने की उम्मीद है और जिला प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। धर्मदर्शन और 300 रुपये, तथा 1000 रुपये के टिकट प्राप्त करने वालों को तीन अलग-अलग पंक्तियों में दर्शन की अनुमति दी गई है। विधायकों, मंत्रियों, न्यायाधीशों, उच्च अधिकारियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को अपने आगमन की तिथि के बारे में जिला कलेक्टर कार्यालय को पहले से सूचित करना होगा। गणमान्य व्यक्तियों को केवल सुबह 10.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक ही प्रवेश की अनुमति होगी। इस बार लोक कला, सांस्कृतिक कार्यक्रम, हेलीकॉप्टर यात्रा, पुष्प प्रदर्शनी और प्रदर्शनियों सहित कई कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। जिला प्रभारी मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने पहले ही जिला आयुक्त और पुलिस अधीक्षक तथा विभिन्न जिला स्तरीय विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें इस भव्य हसनंबा जात्रा महोत्सव को उचित ढंग से आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इस संदर्भ में, जिला प्रशासन ने भी कई संशोधनों के साथ सभी तैयारियाँ कर ली हैं और जात्रा महोत्सव को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए तैयार है।

कामकाजी महिलाओं के लिए एक दिन का सवेतन मासिक अवकाश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य सरकार ने कामकाजी महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान हर महीने एक दिन का सवेतन अवकाश देने का एक बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में मासिक धर्म अवकाश नीति 2025 पर गंभीर चर्चा हुई और राज्य भर के सरकारी कार्यालयों, परिधान, बहुराष्ट्रीय कंपनियों, सूचना प्रौद्योगिकी और अन्य निजी औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को एक दिन का सवेतन अवकाश देने का निर्णय लिए जाने की संभावना है। सरकारी कर्मचारियों के लिए यह अवकाश नीति 1992 से ही लागू है। केरल में, ओडिशा सरकार ने 2023 से सरकारी और निजी क्षेत्रों के शैक्षणिक संस्थानों में इस अवकाश नीति को लागू किया है। यह नीति अधिकांश राज्यों में लागू की जा चुकी है, और कुछ जगहों पर इसे सरकारी कर्मचारियों पर भी लागू किया गया है। लेकिन राज्य सरकार सभी क्षेत्रों की सभी महिलाओं को सार्वभौमिक रूप से मासिक धर्म अवकाश की सुविधा प्रदान करने का निर्णय ले रही है।

इस मुद्दे पर शैलेंद्र त्रिपाठी द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई थी। तत्कालीन सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़, जिन्होंने सुनवाई की, ने सलाह दी कि यह नीतिगत मामला है और सरकारों को कार्रवाई करनी चाहिए। राज्य सरकार ने तदनुसार कार्रवाई की है। कैबिनेट में कर्नाटक श्रम कल्याण निधि संशोधन विधेयक पर भी चर्चा हुई। कर्नाटक भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों के लिए दूसरे चरण में 405 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से ग्यारह श्रमिक आवासीय विद्यालयों के निर्माण को प्रशासनिक स्वीकृति देने पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री सिंचाई योजना 2.0 के तहत, राज्य के 14 तालुकों में 15 परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जाएगा और 90 करोड़ रुपये की लागत से 39413 हेक्टेयर क्षेत्र को जलग्रहण क्षेत्र में शामिल किया जाएगा। आंतरिक आरक्षण के कारण सरकारी नियुक्तियों में देरी हुई है, और यह पहले ही घोषित किया जा चुका है कि आयु सीमा से अधिक आयु के उम्मीदवारों को 3 वर्ष की छूट दी जाएगी। कैबिनेट बैठक में इस निर्णय को पूर्वव्यापी स्वीकृति दी जा रही है। सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण के दौरान व्यक्तिगत डेटा लीक होने का डर एक बड़ी चिंता का विषय था। इस संबंध में न्यायालय में एक याचिका भी दायर की गई थी और उच्च न्यायालय ने डेटा लीक न हो, इसके लिए सख्त आदेश जारी किए हैं।

इस संदर्भ में, कर्नाटक राज्य डेटा केंद्र में सुरक्षा संचालन केंद्र को उन्नत करने और साइबर सुरक्षा को मजबूत करने हेतु 38.33 करोड़ रुपये की परियोजना को प्रशासनिक स्वीकृति मिलने की संभावना है। बेंगलूरु उत्तर तालुक के माचोहल्ली गाँव के आरक्षित वन क्षेत्र में 78 एकड़ भूमि वन विभाग से राजस्व विभाग को हस्तांतरित कर दी गई है, जिसमें विभिन्न संगठनों को भूमि आवंटित की गई थी। सरकार सभी आद-शों को वापस लेने की दिशा में आगे बढ़ रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पुलिस विभाग के लिए कंप्यूटर खरीदने और प्रशिक्षण हेतु 89.22 करोड़ रुपये की परियोजना तैयार की है, जिसके लिए राज्य सरकार द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति दिए जाने की संभावना है। मुख्य रूप से, राज्य में कई स्थानों पर पुलों के पुनर्निर्माण की आवश्यकता है, और इस परियोजना के लिए 2,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता है, और पहले चरण में 8,000 करोड़ रुपये का उपयोग 39 प्रमुख पुलों के पुनर्निर्माण के लिए किया जाएगा। बीदर जिले में औराध नगर पंचायत को नगरपालिका में अपग्रेड करने की संभावना है।

सर्वेक्षण राहुल गांधी जितना ही भ्रामक है: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा किया जा रहा शैक्षिक और सामाजिक सर्वेक्षण उतना ही

अव्यवस्थित और भ्रामक है जितना कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी। उन्होंने इस बारे में एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह कोई सर्वेक्षण नहीं है। यह त्रुटियों का सर्वेक्षण है, और कर्नाटक के बच्चे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की सत्ता से चिपके रहने की हरकतों की कीमत चुका रहे हैं। कर्नाटक में जाति सर्वेक्षण की कोई तैयारी नहीं है। कोई योजना नहीं है। कोई स्पष्ट उद्देश्य नहीं है। यह बिल्कुल राहुल गांधी जैसा है। अब कांग्रेस सरकार ने दशहरा की छुट्टियां बढ़ा दी हैं। शिक्षक इस अव्यवस्था से तंग आ चुके हैं। गणना करने वालों को समझ नहीं आ रहा कि क्या पूछना है, शिक्षकों को कक्षा से दूर रखा जा रहा है। छात्रों को अंधेरे में छोड़ दिया गया है। अशोक ने आलोचना की है कि यह सब राजनीति से प्रेरित है जो केवल कांग्रेस की विभाजनकारी वोट-बैंक की राजनीति को बढ़ावा देता है।

शिवकुमार के हस्तक्षेप के बाद बिग बॉस कन्नड़ स्टूडियो खुला, फिल्मांकन फिर शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के हस्तक्षेप के बाद, बेंगलूरु दक्षिण जिला प्रशासन ने गुरुवार तड़के बिग बॉस कन्नड़ के 12वें संस्करण की मेजबानी कर रहे वेल्स स्टूडियोज एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड पर लगी सील हटा दी। पर्यावरण मानदंडों का उल्लंघन करने के आरोप में स्टूडियो को मंगलवार को सील कर दिया गया था। शिवकुमार ने बुधवार को बेंगलूरु दक्षिण जिला प्रशासन को वेल्स स्टूडियोज एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड पर लगी सील हटाने का निर्देश दिया। शिवकुमार ने एक पोस्ट में कहा मैंने बेंगलूरु दक्षिण जिला उपायुक्त को बिदादी स्थित जॉलीवुड परिसर, जहाँ बिग बॉस कन्नड़ की शूटिंग हो रही है, पर लगी सील हटाने का निर्देश दिया है। बिग बॉस कन्नड़ के मौजूदा संस्करण के भविष्य को लेकर अनिश्चितता को खत्म करने की कोशिश करते हुए, उन्होंने स्पष्ट किया हालाँकि पर्यावरण अनुपालन सर्वोच्च प्राथमिकता है, स्टूडियो को कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार उल्लंघनों को दूर करने के लिए समय दिया

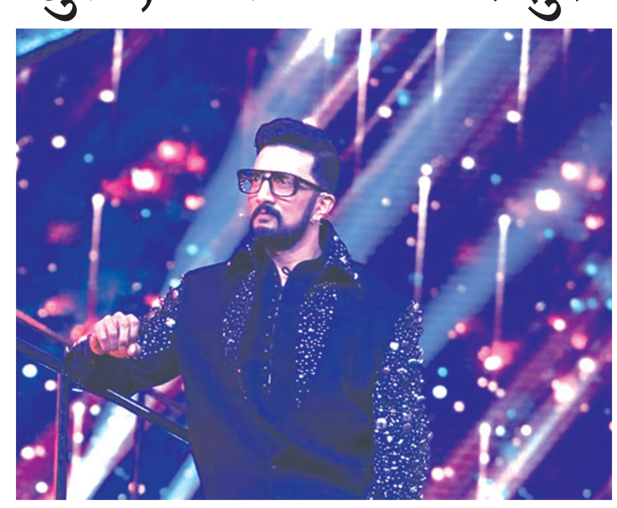

जाएगा। शिवकुमार ने कहा मैं कन्नड़ मनोरंजन उद्योग का समर्थन करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। सूत्रों के अनुसार, जिला अधिकारी, कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी और पुलिसकर्मियों की एक टीम के साथ गुरुवार सुबह लगभग 3 बजे स्टूडियो पहुँचे और उसे खोला। बिग बॉस कन्नड़ के एंकर, अभिनेता किच्चा सुदीपा ने शिवकुमार को उनके हस्तक्षेप के लिए धन्यवाद दिया। कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देश पर जिला अधिकारियों ने परिसर को बंद कर दिया था। बोर्ड का कहना था कि स्टूडियो आवश्यक लाइसेंस प्राप्त किए बिना ही संचालित हो रहा था और सर्वोच्च न्यायालय और राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा निर्धारित पर्यावरण मानदंडों का उल्लंघन कर रहा था। स्टूडियो के बंद होने से बिग बॉस कन्नड़ के मौजूदा सीजन के भविष्य पर बड़ा सवालिया निशान लग गया था। बंद होने के बाद, सभी प्रतिभागियों को वहाँ से बाहर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। अनिश्चितता के माहौल में, आयोजकों ने सभी को बेंगलूरु दक्षिण जिले के बिदादी स्थित एक निजी रिसॉर्ट में स्थानांतरित कर दिया।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

शिवकुमार ने मंत्रियों के लिए सीएम के रात्रिभोज का बचाव किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार समेत कई लोगों ने सिद्धरामैया द्वारा अपने कैबिनेट मंत्रियों के लिए आयोजित डिनर पार्टी का बचाव किया है। कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने के उपलक्ष्य में, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को अपने आवास पर डिनर पार्टी का आयोजन किया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा डिनर करने में क्या बुराई है? उस समय चर्चा करना कोई अपराध नहीं है।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि मुख्यमंत्री आमतौर पर मंत्रियों को बार-बार डिनर पर आमंत्रित करते हैं। विधायकों को भी कई बार डिनर पार्टियों में आमंत्रित किए जाने के उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रियों के साथ दो-तीन बार डिनर पार्टी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि डिनर के बाद सभी को विश्वास में लेने की जरूरत नहीं है, सभी को मुख्यमंत्री पर भरोसा है। मंत्री शिवराज, रामलिंगा रेड्डी और अन्य ने डिनर मीटिंग का बचाव किया है। मंत्री चेलुवरायस्वामी ने कहा कि उन्हें कोई जानकारी नहीं है। हाल ही में, मंत्रियों के बीच समन्वय की कमी देखी गई है। लिंगायत वीरशैव समुदाय को अल्पसंख्यक का दर्जा दिए जाने को लेकर मंत्रियों के बीच ही विरोधाभासी बयान सुनने को मिल रहे हैं। मंत्री एम.बी. पाटिल और ईश्वर खंड्रे आपस में ही भिड़ गए हैं। इसके अलावा, सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण को लेकर भी अंदरूनी तौर पर कई आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं। ऐसे में, मंत्रियों के बीच समझौता कराने के लिए यह डिनर पार्टी अहम बताई जा रही है। यह भी पता चला है कि इस दौरान मंत्रिमंडल विस्तार पर भी चर्चा होगी। चर्चा है कि बिहार विधानसभा चुनाव के बाद मंत्रिमंडल का विस्तार होगा और बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल छोड़ने वाले मंत्रियों को मनाने के लिए यह डिनर पार्टी आयोजित की है। सरकार अगले ढाई साल तक बिना किसी विवाद के सुचारू रूप से चल सके, इसके लिए यह बैठक बेहद अहम मानी जा रही है।

राजनीतिक हलकों में भी यह कई तरह की चर्चाओं का विषय रही है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शिक्षा, सामाजिक मामलों और सर्वेक्षण से संबंधित सभी मंत्रियों को विश्वास में लेने की पहल की है और कहा जा रहा है कि बैठक के माध्यम से असंतोष को दूर करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

कोटेपुर में मछली खाद्य प्रसंस्करण इकाई के गोदाम में लगी भीषण आग

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कोटेपुर स्थित एक मछली खाद्य प्रसंस्करण इकाई के गोदाम में भीषण आग लग गई, जिससे लाखों रुपये का नुकसान हुआ। स्थानीय लोगों का आरोप है कि 14 मछली मिलों के चालू होने के बावजूद, एम्बुलेंस और दमकल गाड़ियों जैसे बुनियादी सुरक्षा उपाय नदारद थे, जिससे आम जनता को खतरा था।

शाम को खादर के स्वामित्व वाले एमएपी मछली खाद्य गोदाम में आग लग गई। आग की लपटें तेजी से गोदाम के अंदर और बाहर तक फैल गईं, जिससे स्थानीय निवासियों को आग पर काबू पाने के लिए पानी से आग बुझानी पड़ी।

काफी देर के बाद, मेंगलूरु से दमकल की गाड़ियाँ पहुँचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। उल्लाल पुलिस मौके पर मौजूद थी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इलाके में चल रही 14 मछली खाद्य और तेल मिलें सुरक्षा मानदंडों का पालन नहीं करती हैं। मौके पर न तो एम्बुलेंस और न ही दमकल की गाड़ियाँ उपलब्ध हैं। जब ऐसी घटनाएँ होती हैं, तो आपातकालीन प्रतिक्रिया में देरी आस-पास के हजारों निवासियों के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है।

घटनास्थल के पास से ऊपर से गुजरने वाले उच्च-तनाव वाले बिजली के तार भी गुजरते हैं, जिससे खतरा और बढ़ जाता है। निवासियों ने कहा कि सुरक्षा उपायों की कमी मालिकों की लापरवाही को उजागर करती है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून समाप्त, उत्तर-पूर्वी बारिश तटीय कर्नाटक के किसानों के लिए उम्मीद लेकर आई

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून ने तटीय क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है, और अब भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने अनुमान लगाया है कि उत्तर-पूर्वी मानसून भी इस क्षेत्र में अच्छी बारिश लाएगा – यह किसानों के लिए एक अच्छी खबर है। हालांकि दक्षिण-पश्चिम मानसून आधिकारिक तौर पर सितंबर के अंत तक समाप्त हो गया था, लेकिन तट पर रुक-रुक कर बारिश जारी है। आमतौर पर, उत्तर-पूर्वी मानसून अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में शुरू होता है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि उत्तर-पूर्वी वर्षा की तीव्रता अक्सर दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रदर्शन पर निर्भर करती है, और चूँकि इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून अनुकूल रहा, इसलिए आने वाले महीनों में भी ऐसी ही स्थिति रहने की उम्मीद है। हालाँकि, तापमान में गिरावट से वर्षा के स्तर पर थोड़ा असर पड़ सकता है। सुपारी की व्यापक खेती के लिए प्रसिद्ध तटीय क्षेत्र को आगामी बारिश से बेहतर फसल पैदावार के साथ लाभ होने की उम्मीद है। इस वर्ष, मानसून जल्दी आया, मई के अंत में, कुछ समय के लिए कमजोर हुआ, और बाद में फिर से सक्रिय होकर क्षेत्र में सामान्य बारिश हुई। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि चक्रवाती प्रणालियाँ भी मानसून के बाद की वर्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पिछले साल, नवंबर की शुरुआत में बंगाल की खाड़ी में बने एक निम्न-दबाव तंत्र के कारण भारी बारिश हुई थी, जिसके बाद दिसंबर में 'फेंगल' चक्रवात आया जिससे तेज बारिश हुई। पिछले दो वर्षों में, तटीय जिलों में औसत से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। 2023 में 6 प्रतिशत ज्यादा और 2024 में 51 प्रतिशत ज्यादा। अब तक, पूर्वोत्तर मानसून के एक हफ्ते बाद, दक्षिण कन्नड़ में 65 प्रतिशत और उडुपी जिले में 48 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। भारतीय मौसम विभाग के एक अधिकारी सी. एस. पाटिल ने कहा हालाँकि दक्षिण-पश्चिम मानसून औपचारिक रूप से वापस चला गया है, लेकिन यह तंत्र अभी पूरी तरह से साफ नहीं हुआ है। पूर्वोत्तर मानसून जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है और इस मौसम में अच्छी बारिश होने की संभावना है।

परिवहन कर्मचारी 15 अक्टूबर से राज्य भर में पाँच दिवसीय भूख हड़ताल करेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

संयुक्त कार्रवाई समिति ने घोषणा की है कि परिवहन कर्मचारी इस महीने की 15 तारीख से राज्य भर में पाँच दिवसीय भूख हड़ताल करेंगे। उनका आरोप है कि राज्य सरकार निर्धारित समय सीमा के भीतर उनकी विभिन्न माँगों को पूरा करने में विफल रही है। यह भूख हड़ताल बेंगलूरु, हुब्बल्ली और कलबुर्गी में हो रही है।

समिति ने बताया कि 1 जनवरी, 2020 से 15 प्रतिशत वेतन वृद्धि के बाद 38 महीने के बकाया भुगतान और 25 प्रतिशत वेतन वृद्धि की माँग को लेकर यह विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इसके कारण, दिवाली के दौरान अपने परिवार के साथ अपने गृहनगर जाने वाले यात्रियों के लिए सरकारी बसों पर निर्भर रहने के बजाय दोगुने किराए पर निजी बसों में यात्रा करना अनिवार्य होगा। अगर सरकार संबंधित पक्षों से बातचीत करके तब तक कोई समझौता कर लेती है, तो समस्या का समाधान हो जाएगा, अन्यथा, यात्रियों की जेब कटेगी। इससे पहले, केएसआरटीसी, बीएमटीसी, केकेआरटीसी और एनडब्ल्यूकेआरटीसी के सदस्यों वाली एक संयुक्त कार्रवाई समिति ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान किया था। उस समय, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने स्वयं आश्वासन दिया था कि उनकी माँगें पूरी की जाएँगी। कई महीने बीत जाने के बाद भी, किया गया वादा पूरा नहीं हुआ है। इसलिए, हड़ताल निश्चित है। कर्मचारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि हड़ताल को रोकना मुख्यमंत्री के हाथ में है। कैशलेस स्वास्थ्य सेवा योजना को चारों निगमों में एक साथ लागू किया जाए, निगम में इलेक्ट्रिक बसों का प्रबंधन निजी ठेकेदारों को देने की व्यवस्था को समाप्त किया जाए और निगम के कर्मचारियों और स्टाफ को बनाए रखा जाए।

श्रमिक नेता एच.वी. अनंत सुब्बाराव ने कहा कि परिवहन कर्मचारियों की माँग है कि आउटसोर्स के आधार पर ड्राइवरों, तकनीकी और सुरक्षा कर्मियों की भर्ती बंद की जाए। कर्मचारियों को वर्तमान में मिल रहे विभिन्न भत्तों में पाँच गुना वृद्धि की जाए, सभी कर्मचारियों को 1000 रुपये प्रति माह दिए जाएँ।

मुफ्त दवाओं के साथ-साथ बाह्य रोगी उपचार खर्च के लिए हर महीने 2,000 रुपये दिए जाएं, कर्मचारियों के मूल वेतन का 4.5 प्रतिशत और ईएसआई मॉडल पर कर्मचारियों से 0.5 प्रतिशत अंशदान लेकर मल्टीस्पेशलिटी अस्पतालों में मुफ्त इलाज की योजना बनाई जाए और मुफ्त इलाज के लिए एक ट्रस्ट बनाया जाए।

परिवहन कर्मचारियों की मांग है कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके जीवनसाथी व बच्चों के लिए एक स्वास्थ्य योजना उपलब्ध कराई जाए।

मधु बंगारप्पा ने सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण पर विपक्ष के रुख पर सवाल उठाए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा ने राज्य के सामाजिक-आर्थिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण का विरोध करने वालों की आलोचना करते हुए पूछा आप किस मुँह से इसका विरोध कर रहे हैं?

वे बुधवार को मेंगलूरु में आयोजित कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस ओबीसी नेताओं की एक बैठक में बोल रहे थे। शिवमोग्गा जिले के प्रभारी मंत्री और राज्य कांग्रेस ओबीसी विंग के अध्यक्ष मधु बंगारप्पा ने चल रहे सर्वेक्षण के खिलाफ विपक्षी नेताओं की टिप्पणियों की निंदा की। उन्होंने घोषणा की सर्वेक्षण पूरा करने की समय सीमा 18 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। मंगलवार रात 8.30 बजे तक, राज्य भर में औसतन 81 प्रतिशत सर्वेक्षण पूरा हो चुका था, जिसमें बेंगलूरु में 38 प्रतिशत, दक्षिण कन्नड़ में 68 प्रतिशत और उडुपी में 62 प्रतिशत सर्वेक्षण पूरा हो चुका था। उन्होंने आगे कहा कि दशहरा उत्सव के कारण मैसूरु में प्रगति में देरी हुई। बंगारप्पा ने आश्वासन दिया कि सर्वेक्षण कार्य में लगे शिक्षकों को उचित अवकाश समायोजन के साथ मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अनुसार, 220 शिक्षण दिवस आवश्यक हैं। हमारे पास वर्तमान में 240 दिन उपलब्ध हैं, इसलिए यदि अवकाश भी दिया जाता है, तो इसका शैक्षणिक कैलेंडर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। भाजपा नेताओं प्रह्लाद जोशी, प्रताप सिम्हा, तेजस्वी सूर्या, अश्वथ नारायण और आर अशोक पर निशाना साधते हुए, बंगारप्पा ने कहा हमने संविधान के तहत शपथ ली है।

जब वही संविधान सरकार को ऐसा सर्वेक्षण करने की अनुमति देता है, तो विपक्षी नेता, जो स्वयं भी उस शपथ से बंधे हैं, इसका विरोध कैसे कर सकते हैं? वरिष्ठ नेताओं बी एस येदियुरप्पा और एच डी देवेगौड़ा का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा उनके जैसे अनुभवी नेताओं ने सर्वेक्षण के खिलाफ कुछ नहीं कहा है। मेरा मानना है कि वे इसके पीछे की असली मंशा समझते हैं। सरकार के कदम का बचाव करते हुए, मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह सर्वेक्षण किसी जाति या धर्म के विरुद्ध नहीं है। उन्होंने बताया यह डॉ. बी.आर. अंबेडकर के संवैधानिक दृष्टिकोण के अनुरूप, मानवीय मूल्यों पर आधारित समानता प्राप्त करने की दिशा में एक कदम है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान के इस प्रयास का नेतृत्व कर रहे हैं। बंगारप्पा ने यह भी बताया कि दक्षिण कन्नड़, उडुपी और बेंगलूरु में तकनीकी समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं, जहाँ लगभग 15,000 से 18,000 निवासी विदेश में या घर से दूर होने के कारण उपलब्ध नहीं थे। उन्होंने आगे चेतावनी दी कि सर्वेक्षण प्रक्रिया में सहयोग न करने वालों के खिलाफ सरकारी नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

बिग बॉस कोई बड़ी फैक्ट्री नहीं है: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्रवाई पर अप्रत्यक्ष रूप से असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि बिग बॉस कोई बड़ी फैक्ट्री नहीं है। अगर कोई छोटी-मोटी खामियाँ हैं, तो उन्हें सुधारा जाना चाहिए।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने मंगलवार रात बेंगलूरु दक्षिण के जिला कलेक्टर को फोन किया और उन्हें एक मौका देने का निर्देश दिया। हमारे देश में उद्योगों का विकास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई छोटी-मोटी खामियाँ हैं, तो उन्होंने उनके पास आने वाली कंपनियों को उन्हें सुधारने और पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियमों का पालन करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि बिग बॉस कोई बड़ी फैक्ट्री नहीं है, अगर नियमों का उल्लंघन होता है, तो वे उसे सुधारेंगे। मंत्रिमंडल विस्तार के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। पार्टी जो भी फैसला लेगी, हम उसका पालन करेंगे। इस अवसर पर डी.के. शिवकुमार ने चेतावनी दी कि कोई भी अनावश्यक बयानबाजी करके भ्रम पैदा न करे। इस बारे में उनसे किसी ने चर्चा नहीं की है। उन्होंने कहा कि अगर आलाकमान उन्हें बुलाएगा, तो वे सलाह देंगे।

अनुसूचित जनजाति आरक्षण के लिए भी वर्गीकरण आवश्यक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आंतरिक आरक्षण पर आए ऐतिहासिक फैसले में कहा गया था कि अनुसूचित जातियों के साथ-साथ अनुसूचित जनजातियों का भी वर्गीकरण होना चाहिए। लेकिन कर्नाटक सरकार ने आंतरिक आरक्षण कार्यान्वयन प्रक्रिया केवल अनुसूचित जातियों के लिए ही लागू की है। बेंगलूरु स्थित विधायक भवन में आयोजित आदिवासी नेताओं की एक बैठक में मांग की गई है कि अनुसूचित जनजातियों को भी आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएँ। बैठक के बाद, आदिवासी नेत-ाओं ने समाज कल्याण मंत्री डॉ. एच. सी. महादेवप्पा, कानून मंत्री एच. के. पाटिल और सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश से मुलाकात की और एक याचिका प्रस्तुत की। अनुसूचित जातियों की तुलना में अनुसूचित जनजातियों में आरक्षण लागू करने में अधिक समस्या है। छोटी

जनजातियों, संवेदनशील जनजातियों, कमजोर जनजातियों और शक्तिशाली समुदायों को एक ही थाली में खिलाया जा रहा है। इस प्रकार, कई जनजातियाँ सरकारी आरक्षण व्यवस्था से बाहर रह जाती हैं। सरकार को तत्काल इसकी निगरानी करनी चाहिए और अनुसूचित जनजाति आरक्षण के वैज्ञानिक वितरण के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों का एक आयोग बनाना चाहिए। याचिका में मांग की गई है कि राज्य सरकार सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय पर गंभीरता से विचार करे कि यदि समान और असमान एक ही समूह में हों, तो आरक्षण अंतिम व्यक्ति के लिए मृगतृष्णा बन जाता है। विधान परिषद सदस्य शांताराम सिद्धि, सोलीगारा के प्रोफेसर डॉ. जडेय गौड़ा, डॉ. गणेश बेट्टाकुरुबा, हसलारा के मुथप्पा, कुडियारा के मिट्टू रंजन, शिवराज येरवा, राजू इरुलिगा, हक्कीपिक्की कामराज, त्यागराजू, मराठी नायक समुदाय के एचवी चंद्रशेखर, एसएन अशोक, केएस महेश, गौडलू चेतन, एमसी योगीश और समाधि वेदिके के वादिराज ने बैठक में भाग लिया।

आजाद कश्मीर टी-शर्ट पहनने पर छात्र पर मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ज्ञानभारती पुलिस ने हाल ही में एक 20 वर्षीय छात्र के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसका 'आजाद कश्मीर' चिन्ह वाली टी-शर्ट पहने एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। दर्शकों ने कानूनी कार्रवाई की मांग की थी।

23 सितंबर को, निजी कॉलेज का द्वितीय वर्ष का यह छात्र दोपहिया वाहन पर पीछे बैठा था, तभी एक राहगीर ने वीडियो रिकॉर्ड कर लिया और उसे सोशल मीडिया पर डाल दिया। मीडिया निगरानी प्रकोष्ठ के पुलिस उप-निरीक्षक मोहन कुमार ने घटना का संज्ञान लिया और आगे की जाँच के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की धारा 196 (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य को बढ़ावा देना और सद्भावना बनाए रखने के लिए हानिकारक कार्यों में लिप्त होना) के तहत उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने उसकी बाइक के पंजीकरण नंबर के आधार पर आरोपी का पता लगाया और उसे पूछताछ के लिए उपस्थित होने का नोटिस जारी किया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसके एक रिश्तेदार ने उसे यह टी-शर्ट उपहार में दी थी और उसने इसके दुष्परिणामों की जानकारी के बिना इसे पहन लिया।

राजौरी में आतंकियों की तलाश जारी

लापता दो कमांडो भी नहीं मिले

जम्मू, 09 अक्टूबर (ब्यूरो)।

प्रदेश में एलओसी से सटे राजौरी में जिन आतंकियों से मंगलवार को मुठभेड़ हुई थी वे अभी तक नहीं मिल पाए हैं। उनकी आज तीसरे दिन भी तलाश जारी है। जबकि अनंतनाग में एक ऑपरेशन के दौरान लापता हुए दो सैन्य कमांडो भी अभी तक नहीं मिल पाए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि राजौरी जिले में मंगलवार शाम सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ के बाद एक बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियान तीसरे दिन भी जारी रहा। अधिकारियों के अनुसार, कंडी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत बीरंथूब इलाके में उस समय मुठभेड़ शुरू हो गई जब विशेष अभियान समूह (एसओजी) की एक टीम और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई।

अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार शाम करीब 7 बजे शुरुआती गोलीबारी के बाद, सेना, पुलिस और सीआरपीएफ के अतिरिक्त बल तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए। पूरे इलाके की तुरंत घेराबंदी कर दी गई और छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया।

मंदिर गाला, बीरंथूब, पंजनारा और सकरी सहित प्रमुख स्थानों को सील कर दिया गया है क्योंकि सुरक्षा बलों ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन अपने तलाशी अभियान को तेज कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों का पता लगाने में जमीनी टीमों की सहायता के लिए हवाई निगरानी का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

इस बीच अधिकारियों ने यहां बताया कि जम्मू के अनंतनाग जिले में दो लापता सैनिकों का पता लगाने और उन्हें बचाने के लिए तलाशी अभियान गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। उन्होंने बताया कि घनी वनस्पति, उबड़-खाबड़ जमीन और खराब मौसम लगातार प्रयासों में बाधा बन रहे हैं।

ये दोनों सैनिक, एक विशिष्ट पैरा यूनिट के कमांडो, मंगलवार को कोकरनाग इलाके में एक तलाशी अभियान के दौरान लापता हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों के एक समूह के छिपे होने की सूचना मिलने के बाद, यह अभियान दो दिन पहले अहलान गडोले इलाके में शुरू किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, दोनों सैनिक संचार लाइन के बंद हो जाने के बाद लापता हो गए। कमांडो का पता लगाने के लिए हेलीकाप्टरों को हवाई टोही अभियान में लगाया गया। श्रीनगर स्थित सेना की चिनार कोर ने कहा कि सोमवार रात आपरेशनल टीम एक भयंकर बर्फीले तूफान में फंस गई थी। चिनार कोर ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा था कि 6 और 7 अक्टूबर की दरम्यानी रात को, किश्तवाड़ रेंज में एक ऑपरेशनल टीम को दक्षिण कश्मीर के पहाड़ों में एक भयंकर बर्फीले तूफान और बर्फीली स्थिति का सामना करना पड़ा। तब से, दो सैनिकों का संचार टूट गया है।

जम्मू कश्मीर के सत्ता गलियारे में आकंठ भ्रष्टाचार

10 राजनेता, 90 जेकेएएस और आईएएस अधिकारी

जम्मू, 09 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर के सत्ता गलियारे में भ्रष्टाचार आकंठ व्याप्त है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने खुलासा किया है कि 10 नेताओं, एक आईएएस अधिकारी और जम्मू कश्मीर प्रशासनिक सेवा (जेकेएएस) के 89 अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

इन नेताओं में एक मौजूदा सांसद और एक विधानसभा सदस्य भी शामिल हैं, जबकि एफआईआर में दर्ज दो नेताओं का निधन हो चुका है, जिससे इन कथित अनियमितताओं की स्थायी प्रकृति का पता चलता है। एसीबी के आधिकारिक रिकार्ड के अनुसार, हाल के वर्षों में भ्रष्टाचार के कुल 515 मामले दर्ज किए गए हैं। विभाग का वर्ष वार ब्यौरा प्रवर्तन और जवाबदेही में उतार-चढ़ाव की एक जटिल तस्वीर पेश करता है।

2019 में, ब्यूरो ने 73 मामले दर्ज किए, जिनमें से 30 का चालान किया गया और चार में दोषसिद्धि हुई।

अगले वर्ष 71 मामले दर्ज किए गए, 48 चालान किए गए और केवल दो मामलों में दोषसिद्धि हुई। 2021 में इसमें भारी गिरावट आई और केवल नौ मामले दर्ज किए गए, हालांकि 52 मामलों में चालान किए गए और तीन में दोषसिद्धि हुई। 2022 में, मामलों की संख्या बढ़कर 128 हो गई, जिनमें 51 मामलों में चालान किए गए, लेकिन केवल दो मामलों में दोषसिद्धि हुई। 2023 में, 62 मामले दर्ज किए गए, 80 मामलों में चालान किए गए और आठ मामलों में दोषसिद्धि हुई।

चालू वर्ष में अब तक 87 मामले दर्ज किए जा चुके हैं और 31 मामलों में चालान किए गए हैं, हालांकि अभी तक किसी भी मामले में दोषसिद्धि की सूचना नहीं मिली है।

नेताओं और एक आईएएस अधिकारी सहित वरिष्ठ अधिकारियों की संलिप्तता ने जनता की चिंता को बढ़ा दिया है और कड़ी निगरानी तथा सख्त जवाबदेही उपायों की मांग को बढ़ावा दिया है। इन चुनौतियों के अलावा, एसीबी को कर्मचारियों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। विभिन्न रैंकों के 846 स्वीकृत पदों में से, वर्तमान में केवल 483 ही भरे हुए हैं, जिससे 363 पद रिक्त हैं, जो लगभग 43 प्रतिशत की कमी है। यह कमी महत्वपूर्ण जांच, तकनीकी और लिपिकीय पदों पर है।

25 नवंबर को अयोध्या में ध्वजारोहण करेंगे पीएम मोदी

पूरे विश्व को देंगे राम मंदिर पूरा होने का संदेश

अयोध्या, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को अयोध्या में 21 फीट का ध्वजा फहराएंगे। इसके साथ ही राम मंदिर निर्माण पूरा होने की घोषणा की जाएगी। राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि राम मंदिर सिर्फ राष्ट्र मंदिर नहीं है बल्कि अंतरराष्ट्रीय राम मंदिर बने। राम मंदिर के ध्वजारोहण के साथ प्रधानमंत्री पूरे विश्व को राम मंदिर निर्माण कार्य पूरा होने का संदेश देंगे।

ध्वज का स्वरूप कैसा होगा, रंग कैसा और प्रतीक चिन्ह कौन सा होगा, इसके लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पांच अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर का भूमि पूजन किया था। 22 जनवरी 2024 को रामलला भव्य महल में विराजमान हुए थे। प्रधानमंत्री मुख्य यजमान थे। प्रधानमंत्री के हाथों विराजमान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई थी। मंदिर निर्माण पूरा होने के बाद 25 नवंबर को प्रधानमंत्री ध्वजारोहण करेंगे। राम विवाह पंचमी की शुभ तिथि पर ध्वजारोहण किया जाएगा। ध्वजारोहण के साथ मंदिर निर्माण पूरा होने का विश्व को संदेश दिया जाएगा। 21 नवंबर से 25 नवंबर तक पांच दिवसीय अनुष्ठान चलेगा। वैदिक आचार्यों की मौजूदगी में अयोध्या और काशी के विद्वान अनुष्ठान कराएंगे।

मुख्य न्यायाधीश पर हमला दलितों को डराने की साजिश : केजरीवाल

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आम आदमी पार्टी(आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई के ऊपर कोई वस्तु फेंकने और उसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर दी जा रही धमकियों के पीछे दलितों तथा पूरी न्यायपालिका को दबाने एवं डराने की साज़िश करार दिया है।

श्री केजरीवाल ने गुरुवार को एक्स पर एक वीडियो जारी कर कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर कोई वस्तु फेंकने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इसके बाद सोशल मीडिया पर मुख्य न्यायाधीश को मारने-पीटने और विभिन्न तरह की हिंसा की धमकियां दी जाने लगी। उनका अपमान भी किया गया। प्रशासन ने नो उस व्यक्ति के खिलाफ कोई कार्रवाई की और न ही धमकियां देने और अपमान करने वालों के खिलाफ कोई कदम उठाया। ऐसा लगा कि जैसे यह सब एक सुनियोजित षड्यंत्र है।

उन्होंने कहा कि घटनाक्रम के जरिए इन लोगों ने दलित समाज और न्यायपालिका को कड़ा संदेश देने की कोशिश की है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई दलित समाज से आते हैं। इन लोगों को यह बिल्कुल बर्दाश्त नहीं हो रहा है कि एक दलित का बेटा अपनी मेहनत और लगन से न्यायपालिका के सर्वोच्च पद तक कैसे पहुंच गया। क्या इनकी ये हरकतें दलित समाज को डराने और अपमानित करने की कोशिशें नहीं हैं? इसके बाद एक आम दलित किससे न्याय की उम्मीद करेगा? क्या इससे दलितों पर अत्याचार करने वालों और उनसे नफरत करने वालों के हौसले बुलंद नहीं होंगे?

आप नेता ने कहा इस पूरे घटनाक्रम से देश की न्यायपालिका को यह संदेश गया है कि अगर देश के मुख्य न्यायाधीश पर हमला करने वाले पर कोई कार्रवाई नहीं होती है, तो दूसरे जजों को कौन बचाएगा? इस घटना के बाद कोई भी जज न्याय के हक में फैसला देते हुए इन ताकतों के खिलाफ बोलने से घबराएगा। उसे लगेगा कि इसी तरह उसके ऊपर भी हमला हो सकता है, उसके परिवार को सोशल मीडिया पर धमकियां और अपमान झेलना पड़ सकता है और कोई बचाने वाला नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि मुख्य न्यायाधीश को धमकियां देने और उनका अपमान करने वालों को ऐसी सख्त सजा दी जाए कि भविष्य में कोई न्यायपालिका के खिलाफ खिलवाड़ करने की हिम्मत न कर सके। उन्होंने इसे व्यापक संदर्भ में रखते हुए कहा कि चुनाव आयोग, मीडिया और विपक्ष के बाद अब न्यायपालिका की आवाज को दबाकर ये लोग पूरे लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। न्यायपालिका की स्वतंत्रता हमारे देश के अस्तित्व के लिए अहम है। यह अपमान न केवल देश के संविधान का अपमान है, बल्कि बाबा साहब डॉ. अंबेडकर का भी अपमान है।

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने एक्स पर कहा कि जस्टिस गवई पर हुआ हमला सिर्फ़ एक व्यक्ति पर हुआ हमला नहीं, बल्कि पूरे दलित समाज और पूरी न्यायपालिका को डराने और बाबा साहेब के संविधान का अपमान करने की कोशिश है। सत्ता में बैठे अहंकारी लोगों को ये बर्दाश्त नहीं हो रहा कि दलित समाज से एक व्यक्ति पढ़-लिखकर देश के मुख्य न्यायाधीश पद तक कैसे पहुंच गया।

विरोधियों को निशाना बनाने से पहले दिशानिर्देशों पर ध्यान दें राजनीतिक दल : आयोग

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों को प्रतिद्वंद्वी दलों तथा उम्मीदवारों को निशाना बनाकर तैयार वीडियो में एआई के उपयोग को आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुये सभी दिशानिर्देशों का पालन करने को कहा है।

आयोग ने गुरुवार को यहां एक बयान में कहा कि 06 अक्टूबर को बिहार विधान सभा के आम चुनाव और 08 विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गयी है। ये प्रावधान उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों द्वारा सोशल मीडिया सहित इंटरनेट पर पोस्ट की जा रही सामग्री पर भी लागू होंगे।

निर्वाचन आयोग ने कहा है कि आदर्श आचार संहिता के प्रावधान अन्य दलों की आलोचना, उनकी नीतियों, कार्यक्रमों, पिछले रिकॉर्ड और कार्य तक ही सीमित रहेंगे। दलों और उम्मीदवारों को अन्य दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं के निजी जीवन के उन सभी पहलुओं की आलोचना करने से बचना चाहिए जो सार्वजनिक गतिविधियों से संबंधित न हों। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को असत्यापित आरोपों या विकृति के आधार पर अन्य दलों या उनके कार्यकर्ताओं की आलोचना से बचना चाहिए।

आयोग ने चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए राजनीतिक दलों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सूचनाओं को विकृत करने या गलत सूचना फैलाने वाले डीप फेक वीडियो बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित उपकरणों का दुरुपयोग नहीं करने की सलाह दी है।

आयोग ने कहा कि सभी राजनीतिक दल और उनके नेता, उम्मीदवार और स्टार प्रचारक, अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से या विज्ञापनों के रूप में प्रचार के लिए साझा की जा रही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सामग्री को डिजिटल रूप से संवर्धित जैसे स्पष्ट प्रतीकों का उपयोग कर प्रमुखता से चिह्नित करने के लिए आवश्यक उपाय करेंगे।

चुनाव आयोग ने कहा है कि चुनावी माहौल को खराब नहीं होने देने के लिए सोशल मीडिया पोस्ट पर कड़ी नजर रखी जा रही है। आयोग ने आदर्श आचार संहिता के दिशानिर्देशों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्था की है। इन दिशानिर्देशों के किसी भी उल्लंघन से सख्ती से निपटा जाएगा।

राममंदिर में श्रृंगार आरती में शामिल हुईं सीतारमण

अयोध्या, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार सुबह छह बजे अपने परिजनों के साथ राममंदिर में श्रृंगार आरती में शामिल हुई और रामलला का दर्शन पूजन अर्चन किया। अपने अयोध्या दौरे के दूसरे दिन सुबह 5:30 बजे केंद्रीय वित्त मंत्री का काफिला सुरक्षा घेरे में राममंदिर के लिए रवाना हुआ। रामपथ से होते हुए उनवल क्रॉसिंग से रंगमहल मंदिर बैरियर पहुंचा जहां क्रॉसिंग दो पर उनका स्वागत राममंदिर का प्रबंधन का कार्य देख रहे गोपाल राव ने किया।

रामलला के श्रीचरणों में पूजन अर्चन के बाद निर्मला सीतारमण कुबेर टीला पहुंची जहां उन्होंने विधिविधान के साथ कुबेरेश्वर महादेव पर जलाभिषेक एवं दुग्धाभिषेक किया। केंद्रीय वित्त मंत्री की बैठक श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपतराय एवं अन्य सदस्यों व निर्माण कार्य में लगी एजेंसियो के प्रमुखों के साथ हुई जिसमें विस्तार से राममंदिर निर्माण के बारे में उनको जानकारी दी गई। उनके साथ प्रदेश के प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद थे।

रामलला का दर्शन पूजन करने के बाद उनका काफिला सिविल लाइन होटल पहुंचा। ठीक 10 मिनट बाद होटल से उनका काफिला गुप्त हरि घाट पहुंचा जहां उन्होंने परिजनों के साथ मां सरयू का आचमन किया और राघव सरकार के मंदिर में माथा टेका। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ सूबे के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना एवं जनपद के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बुधवार को अयोध्या पहुंची थी जहां उन्होने वृहस्पति कुंड में दक्षिण भारतीय संगीतज्ञों पुरंदर दास, त्यागराज एवं अरुणाचल कवि की प्रतिमाओं का लोकार्पण बटन दबाकर किया था जबकि शाम को वित्त मंत्री सपरिवार मां सरयू की आरती में शामिल हुयीं थीं।

छपरा में पति ने इंस्टाग्राम पर फोटो डालने से रोका तो पत्नी ने कर ली आत्महत्या

(सारण) , 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आज के समय में लोगों पर इंटरनेट मीडिया क नशा इस कदर हावी हो गया है लोग इसके दुष्परिणाम के बारे में भी नही सोच रहे है। इसकी एक बानगी गुरुवार को पानापुर थाना क्षेत्र के सोनवर्षा गांव में देखने को मिली जहां पति द्वारा इंस्टाग्राम पर पत्नी को फोटो अपलोड करने से रोकना भारी पड़ गया। पति की सख्ती से नाराज पत्नी ने फांसी लगाकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। मृत महिला सोनवर्षा गांव निवासी मुसरफ आलम की 22 वर्षीया पत्नी गुलशन खातून बतायी जा रही है।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि बंगलुरु में रह रहे मृतका के पति को पत्नी का इंस्टाग्राम पर फोटो अपलोड करना अच्छा नहीं लगा, जिस कारण नाराज होकर उसने पत्नी का मोबाइल नंबर ब्लैक लिस्ट में डाल दिया था।

इस बीच बुधवार को अपने मायके मढ़ौरा थाना क्षेत्र के कोल्हुआ से ससुराल सोनवर्षा पहुंची गुलशन ने ससुर के मोबाइल से अपने पति से बात की एवं गुरुवार की दोपहर फांसी लगाकर जान दे दी।

घटना की सूचना मिलते ही अपर थानाध्यक्ष राजा कुमार पूरे दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे एवं शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेज दिया। घटना के बाद मृतका के ससुराल वाले घर छोड़कर फरार हैं। वहीं, पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

स्वतंत्र और समृद्ध हिन्द प्रशांत के लिए क्षेत्रीय भागीदारों के साथ सहयोग बढायेंगे भारत और आस्ट्रेलिया

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत और आस्ट्रेलिया ने स्वतंत्र, खुले, शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय भागीदारों के साथ सहयोग बढ़ाने के महत्व को दोहराते हुए क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप नौवहन की स्वतंत्रता और निर्बाध व्यापार के प्रति वचनबद्धता व्यक्त की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरूवार को आस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में आस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ पहले आस्ट्रेलिया-भारत रक्षा मंत्री संवाद के दौरान इस बारे में व्यापक चर्चा की।

दोनों मंत्रियों की वार्ता के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है, मंत्रियों ने एक स्वतंत्र, खुले, शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बनाए रखने में मदद के लिए क्षेत्रीय भागीदारों के साथ सहयोग बढ़ाने के महत्व पर ज़ोर दिया। मंत्रियों ने नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता, क्षेत्र में निर्बाध व्यापार, और अंतर्राष्ट्रीय कानून विशेष रूप से 1982 के संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन के अनुरूप समुद्र के अन्य वैध उपयोगों के लिए अपने दृढ़ समर्थन पर ज़ोर दिया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी बातचीत के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने सीमा पार आतंकवाद और साझा क्षेत्रीय स्थिरता पर ऑस्ट्रेलिया के दृढ़ समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर स्वतंत्र, खुले और लचीले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए सहयोग को और प्रगाढ करेंगे।

श्री सिंह ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ एक सार्थक बैठक हुई। हमने रक्षा उद्योग, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय चुनौतियों सहित भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा सहयोग के संपूर्ण आयाम की समीक्षा की। हमने अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के महत्व की पुनः पुष्टि की। मैंने भारत के रक्षा उद्योग के तीव्र विकास और वैश्विक स्तर पर उच्च-गुणवत्ता वाली रक्षा तकनीक के एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला। हमने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा उद्योग में गहरी साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा की। मैं सीमा पार आतंकवाद और साझा क्षेत्रीय स्थिरता पर ऑस्ट्रेलिया के दृढ़ समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूँ। हम सब मिलकर एक स्वतंत्र, खुले और लचीले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए सहयोग को और गहरा करेंगे।

सपा मुखिया को संत सांप्रदायिक दिखते हैं और दंगाई शांतिदूत : योगी

जालौन को मिली 1900 करोड़ की 305 विकास परियोजनाएं

जालौन, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जालौन की धरती पर समाजवादी पार्टी और उनके नेताओं को खूब धोया। सपा मुखिया अखिलेश यादव उनके निशाने पर रहे। सीएम ने बताया कि आज सपा मुखिया के बयान को पढ़ रहा था, उन्हें भारत के सामाजिक न्याय के पुरोधाओं और संत परंपरा में सांप्रदायिकता दिखती है और दंगाइयों में शांति के दूत नजर आते हैं, लेकिन डबल इंजन सरकार ने दंगा-फसाद करने वाले शांति के कथित दूतों, बेटियों व व्यापारी के सामने सुरक्षा का संकट खड़ा करने वालों की जगह बता दी है। यह भी तय कर दिया गया है कि दंगा और दंगाई, अपराध-अपराधियों के साथ खड़े होने वालों की जगह कहां होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को 1900 करोड़ से अधिक की 305 विकास परियोजनाओं की सौगात जालौनवासियों को दी। साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित भी किया। सीएम ने दीपावली से पहले इन योजनाओं के लिए जालौन वासियों को शुभकामनाएं दीं। सीएम ने कहा कि प्रदेश में त्योहार चल रहे हैं। कुछ लोगों को गलतफहमी हुई। उन्हें लगा कि जैसे सपा सरकार के समय उनके द्वारा उत्सव-त्योहारों के पहले दंगा किया जाता था, हिंदुओं के उत्साह पर पानी फेरने का कार्य होता था, यही कार्य वे अब भी कर लेंगे, लेकिन वे भूल गए कि यह भाजपा की डबल इंजन की सरकार है। यह सरकार दंगाइयों के सामने नाक नहीं रगड़ती, बल्कि दंगाइयों को नाक रगड़वाकर त्योहारों के उत्साह को सुरक्षा व सम्मान के साथ आगे बढ़ाती है। 2017 के पहले त्योहारों में दंगाई उत्साह को भंग करते थे। सीएम ने कहा कि सपा को सामाजिक न्याय के पुरोधाओं के स्मारक अच्छे नहीं लगते थे। वे इन्हें तोड़ने की बात करती थी। समाजवादी पार्टी ने सत्ता में आते ही सामाजिक न्याय व दलित उत्थान से जुड़े महापुरुषों के नाम पर बने स्मारकों को समाप्त करने की घोषणा की थी। समाजवादी पार्टी ने 2012 में सत्ता में आते ही प्रदेश में एक जनपद, एक माफिया पैदा करके अराजकता फैलाना प्रारंभ कर दिया था। यह लोग नौजवानों के रोजगार पर डकैती और बेटी की सुरक्षा पर सेंध लगाते थे। उस समय इनके नेता कहते थे कि लड़के हैं, गलती कर देते हैं। सीएम योगी ने कहा कि जिस समाजवादी आंदोलन को डॉ. राम मनोहर लोहिया, आचार्य नरेंद्र देव, जनेश्वर मिश्र, मोहन सिंह जैसे चिंतकों ने ऊंचाई दी थी,

वह सपा आज गुंडे, पेशेवर माफिया व अपराधियों का जमावड़ा बन गई है। 2017 के पहले भी लोग कहते थे कि देख सपाई, बिटिया घबराई। यह भी कहते थे कि जिस गाड़ी में सपा का झंडा, देखो होगा सपा का गुंडा। यह लोग गरीबों को लूट रहे थे। राशन, मकान, शौचालय, राहत कार्य, विकास, रोजगार नहीं मिल रहा था। डबल इंजन सरकार को आपने समर्थन दिया तो प्रदेश में गरीब उत्थान के अनेक कार्य हुए। सीएम ने डबल इंजन सरकार की विभिन्न योजनाओं के आंकड़े भी गिनाए। एमएसएमई में दो करोड़ से अधिक नौजवानों को रोजगार प्राप्त हुआ तो बड़े निवेश के माध्यम से 60 लाख नौजवानों को रोजगार व नौकरी की गारंटी मिली है।

सीएम ने कहा कि किसी किसान, गरीब, वंचित, कमजोर, बेटी, किसान, व्यापारी का शोषण- अत्याचार किया तो ऐसी कार्रवाई करेंगे कि कई पीढ़ियां याद करेंगी। जिस सपा ने पहचान का संकट दिया था। अराजकता का माहौल पैदा किया था। उसकी गुंडागर्दी की हरकतों से सावधान होइए। यह लोग जातीय संघर्ष की स्थिति पैदा करते हैं। आपस में लड़ाने की चेष्टा करते हैं। इनकी मंशा सफल न होने दीजिए। सीएम ने दोहराया- बंटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। जातिवादी मानसिकता के लोगों के चक्कर में नहीं पड़ना है। अन्याय-अत्याचारियों के खिलाफ लड़ना है।

कानपुर धमाका : पटाखों से हुआ था विस्फोट, सारे सीसीटीवी फुटेज मिले

कानपुर, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कानपुर के बिसातखाना मार्केट में बुधवार शाम दो स्कूटियों में जोरदार धमाका हुआ। प्रारंभिक जांच में कारण लो एक्सप्लोसिव/पटाखे बताए जा रहे हैं, लेकिन एटीएस और मिलिट्री इंटेलिजेंस की टीमें साजिश के एंगल पर भी जांच कर रही हैं। कानपुर में मेस्टन रोड स्थित बिसातखाना में हुए धमाके की जांच पुलिस, एलआईयू, एटीएस के साथ मिलिट्री इंटेलीजेंस भी कर रही है। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि घटना की प्रारंभिक जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि यह मामला अवैध पटाखों के भंडारण से संबंधित है। घटना में किसी भी प्रकार की आतंकी गतिविधि या संगठन विशेष की संलिप्तता का कोई प्रमाण नहीं मिला है। यह पूर्णतः अवैध पटाखों से संबंधित स्थानीय घटना है। एटीएस और फॉरेंसिक टीम ने कई जगह से साक्ष्य बरामद किए हैं।

पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि 8 अक्टूबर की रात को थाना मूलगंज क्षेत्रान्तर्गत मेस्टन रोड स्थित मिश्री बाजार में एक खिलौने की दुकान के सामने दो स्कूटी में ब्लास्ट की घटना हुई। घटना में लगभग आठ व्यक्ति घायल हुए है। इनमें से चार व्यक्तियों को गंभीर अवस्था में तत्काल लखनऊ रेफर किया गया तथा शेष चार व्यक्तियों में से दो को मामूली चोटें आईं, जिनका प्राथमिक उपचार कर घर भेज दिया गया, जबकि दो अन्य का उपचार चिकित्सालय में जारी है।

घटना की प्रारंभिक जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि यह मामला अवैध पटाखों के भंडारण से संबंधित है। जिस दुकान के सामने विस्फोट हुआ, उसके समीप से भी पर्याप्त मात्रा में पटाखे बरामद किए गए हैं। साथ ही लगभग 25 मीटर की दूरी पर एक गोदाम मिला है, जिसमें अत्यधिक मात्रा में विस्फोटक पदार्थ पाए गए हैं, जो पटाखों के निर्माण में प्रयुक्त होते हैं।

इस संबंध में बिना लाइसेंस पटाखे रखने वालों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है। अब तक घटना में सम्मिलित 12 व्यक्तियों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। दो स्कूटी घटनास्थल से बरामद की गई हैं, जिनमें से एक स्कूटी सवार को गंभीर अवस्था में लखनऊ रेफर किया गया है, जबकि दूसरी स्कूटी चोरी की पाई गई है। जांच के दौरान लापरवाही पाए जाने पर एसएचओ सहित पांच पुलिस कर्मियों को निलंबित किया गया है तथा सम्बन्धित सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है।

मूलगंज, कोतवाली, अनवरगंज, बादशाहीनाका थाने का फोर्स मौके पर पहुंचा था। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था आशुतोष कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त क्राइम विनोद कुमार सिंह, डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता, डीसीपी हेडक्वार्टर, एडीसीपी एलआईयू महेश कुमार, एडीसीपी महिला अपराध डॉ. अर्चना सिंह समेत अन्य अधिकारी पहुंचे। कुछ ही देर में घटनास्थल को सील कर दिया गया गया था। विस्फोट के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी मौके पर पहुंचीं। विस्फोट बिसातखाना की दुकानों के बाहर खड़ी दो स्कूटी में हुआ था। दोनों में चाबियां लगी हुई थीं। यह धमाका इतना अधिक तेज था कि पटाखे वाली बंदूकें, खिलौने, सामने की दुकान में रखे सजावटी सामान व फूल दुकान से बिखकर कर बाहर आ गए। कई पटाखे और खिलौने वाली बंदूके बिजली की तारों में जाकर लटक गईं। कुछ देर बाद डॉग स्क्वॉड की टीम भी मौके पर आ गए। फॉरेंसिक टीम ने स्कूटी और दुकानों के बाहर फैले बारूद के निशान से साक्ष्य लिए।

खेलों से आत्मनिर्भर और सशक्त होगा नया उत्तर प्रदेश: मुख्यमंत्री

झांसी में विद्या भारती द्वारा आयोजित 36वें क्षेत्रीय खेलकूद का समापन समारोह

झांसी, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी की ऐतिहासिक धरती से प्रदेश के खिलाड़ियों को आत्मनिर्भरता और सफलता का मंत्र दिया। विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 36वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह में पहुंचे सीएम योगी ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर ही धर्म और राष्ट्र निर्माण का आधार है। इस अवसर पर उन्होंने भानी देवी गोयल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मिनी स्टेडियम निर्माण की घोषणा की और कहा कि खेल अब केवल शौक नहीं, बल्कि जीवन को संवारने का सशक्त माध्यम बन चुका है।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य और पराक्रम की धरती पर विद्या भारती के 36वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। विद्या भारती देश में भारतीय परंपरा, संस्कृति और राष्ट्रीयता के प्रति श्रद्धा जगाने वाली अग्रणी संस्था है। 1952 में गोरखपुर में नानाजी देशमुख द्वारा स्थापित इस संस्था ने आज देशभर में 25,000 से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भारतीय मूल्यों को बढ़ावा दिया है। उन्होंने विद्या भारती के प्रथम छात्र देवेंद्र सिंह को सम्मानित करते हुए कहा कि यह संस्था बिना सरकारी सहयोग के राष्ट्रीय आदर्शों को जीवंत रखने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि झांसी की यह धरती राष्ट्रीयता और शौर्य की प्रेरणा देती है। विद्या भारती के प्रयास देश को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

समारोह में सांस्कृतिक रंग भी देखने को मिला। बुंदेली राई नृत्य की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। खेलों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले शीलू यादव, आदेश सिंह, शहंशाह, बसंत कुमार गोला और संध्या राजपूत को मुख्यमंत्री ने

सम्मानित किया। कार्यक्रम में अनुशासन ट्रॉफी गोरक्ष प्रांत ग्रामीण की टीम को प्रदान की गई, जबकि ओवर ऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी काशी प्रांत नगरीय की टीम ने अपने नाम की।

सीएम योगी ने विद्या भारती की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि आज यह संस्था भारत की परंपरा और संस्कृति को मजबूत करने वाली अग्रणी शक्ति बन चुकी है। 1952 में गोरखपुर की धरती पर राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख द्वारा बोए गए बीज से आज देशभर में 25,000 से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में सेक्युलर दिखाने की होड़ ने भारतीय मूल्यों को हाशिए पर धकेला, लेकिन विद्या भारती ने बिना सरकारी सहयोग के गाँव से शहर और वनवासी क्षेत्रों तक शिक्षा का राष्ट्रीय मॉडल खड़ा किया।

सीएम योगी ने कहा कि आज इस वीरभूमि में पहुंचकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। रानी लक्ष्मीबाई ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में मेरी झांसी गुलाम नहीं होगी का संदेश

दिया और 23 वर्ष की आयु में बलिदान दे दिया। मेजर ध्यानचंद ने हॉकी में भारत को दो बार ओलंपिक स्वर्ण पदक दिलाया। आज उनके नाम पर भारत सरकार ने खेल रत्न पुरस्कार और प्रदेश सरकार ने मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित की है। उन्होंने कहा कि विद्या भारती से जुड़े खिलाड़ियों ने कॉमनवेल्थ, एशियन गेम्स, ओलंपिक और पैरालंपिक तक में पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया है। ओलंपियन पद्मश्री सुधा सिंह, ओलंपियन निषाद कुमार, शैली सिंह, आदेश सिंह जैसे खिलाड़ी इसी संस्थान से निकले हैं।

सीएम योगी ने खेल को सर्वांगीण विकास का माध्यम बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए स्वस्थ और सशक्त नागरिक जरूरी है। 'शरीर माध्यम खलु धर्म साधनम्' का मंत्र हमारे ऋषियों ने दिया। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य था, लेकिन पिछले 8.5 वर्षों में यह देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है और जल्द ही नंबर एक बनेगा। सीएम योगी ने कि आज उत्तर प्रदेश के नागरिकों को पहचान का संकट नहीं है। अब जब कोई कहता है कि वह यूपी से है, तो सामने वाले के चेहरे पर गर्व और सम्मान की चमक दिखती है। यह नया उत्तर प्रदेश है, जो अपनी विरासत का भी सम्मान करता है और विकास की राह पर भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही है। हर गांव में खेल मैदान, विकासखंड में मिनी स्टेडियम, जनपद में स्टेडियम और नगरों में ओपन जिम बनाए जा रहे हैं। खेलो इंडिया, फिट इंडिया और सांसद खेलकूद प्रतियोगिताएं युवाओं को प्रोत्साहित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में 500 खिलाड़ियों को सीधे सरकारी नौकरियों से जोड़ा गया है। आगामी भर्तियों में डिप्टी एसपी, तहसीलदार, कानूनगो और खेल अधिकारी जैसे पदों पर सीधी नियुक्तियां की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने अब तक 500 खिलाड़ियों को सीधे सरकारी नौकरी दी है। उन्होंने खेल पदक विजेताओं के लिए इनामी राशि का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अब खेल को समय और धन का अपव्यय नहीं समझा जाना चाहिए। आज खेल आत्मनिर्भरता और प्रेरणा का माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी चाहे पदक जीते या न जीते, उसका जज्बा ही उसे आगे सफलता की ओर ले जाता है। उन्होंने भानी देवी गोयल सरस्वती विद्या मंदिर के प्रांगण की सराहना करते हुए कहा कि यहां मिनी स्टेडियम बनाया जाएगा, ताकि भविष्य में खेल आयोजनों को और बेहतर ढंग से आयोजित किया जा सके। सीएम योगी ने विद्या भारती के 49 जनपदों से आए 450 प्रतिभागियों के जज्बे की प्रशंसा की और कहा कि हार-जीत से परे एक खिलाड़ी का हौसला उसे विजयश्री दिलाता है।

रैली में मायावती ने अखिलेश यादव पर जमकर साधा निशाना

सपा ने कांशीराम स्थल से आया पैसा दबा लिया था

लखनऊ, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) के लोगों का दोहरा चरित्र है। जब सत्ता में होते हैं तो इन्हें न तो कांशीराम की याद आती है और न ही पीडीए की। यहां तक कि कांशीराम के नाम पर बने जिले का नाम भी बदल दिया और कांशीराम स्थल पर दर्शनार्थियों से आया पैसा भी दबा लिया।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने लखनऊ में आयोजित रैली में यूपी की मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा और कहा कि सपा ने कांशीराम जी की याद में बने इस स्मारक स्थल की समय से मरम्मत नहीं करवाई और टिकट से आया सारा पैसा दबा लिया था और अब दलितों-पिछड़ों का हितैषी बनने का ढोंग कर रहे हैं। मायावती बृहस्पतिवार को लखनऊ के कांशीराम स्थल पर रैली को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने सपा, कांग्रेस और भाजपा तीनों को निशाने पर लिया।

मायावती ने अपने भाषण में कहा कि आज बसपा के जन्मदाता और संस्थापक

कांशीराम जी की पुण्यतिथि है। आपको मालूम है कि कांशीराम जी के सम्मान में बने इस स्थल के कुछ हिस्सों की मरम्मत ना होने से लोग अपने पुष्प कांशीराम जी को अर्पित नहीं कर पा रहे थे। आज आपने भीड़ के मामले में अपना खुद का रिकॉर्ड तोड़ते हुए कांशीराम जी को श्रद्धासुमन अर्पित करने पहुंचे जिसकी पार्टी आभारी है। हम राज्य सरकार के आभारी हैं क्योंकि यहां आए लोगों के टिकट का पैसा पूर्व की सपा सरकार की तरह दबा के रखने की जगह बसपा पार्टी के कहने पर यहां मरम्मत के लिए खर्च किया है।

उन्होंने कहा कि हमने ये व्यवस्था की थी कि यहां आए लोगों के टिकट से मिला पैसा स्थल के रखरखाव पर खर्च किया जाएगा। सपा ने ये पूरा पैसा दबा के रखा, बाकी स्थलों, पार्कों की हालत खराब हो गई थी तब मैंने यूपी के सीएम को पत्र लिखा कि भले ही दूसरे मद का पैसा यहां ना लगाओ लेकिन टिकट का जो पैसा जमा है उससे मरम्मत करवाओ। जिस पर भाजपा सरकार ने मुझसे वादा किया कि हम टिकट का पैसा मरम्मत में लगवाएंगे। सपा ने यहां का पैसा दबाया, मरम्मत नहीं कराई और अब कांशीराम जी के सम्मान में संगोष्ठी की बात कर रहे लेकिन जब वो सरकार में रहते हैं तो ना पीडीए याद आता है, ना कांशीराम जी।

उन्होंने कहा कि मैं सपा मुखिया अखिलेश यादव से पूछना चाहती हूं कि कांशीराम जी का इतना सम्मान था तो उनके नाम पर रखे कासगंज जिले का नाम उन्होंने क्यों बदल दिया। उनके नाम पर चल रही सारी योजनाएं बंद करना इनका दोगला चरित्र नहीं है तो क्या है। सत्ता में रहते इन्हें पीडीए याद नहीं आता। ऐसे दोगले लोगों से आपको बहुत सावधान रहने की जरूरत है।

मायावती ने कहा कि कांशीराम जी ने बाबा साहब के अधूरे कारवां को पूरा करने में अपना जीवन लगा दिया। बाबा साहब ने कहा था के सत्ता की मास्टर चाभी हमें अपने हाथ में लेनी है। कांशीराम जी के देहांत से पहले उनकी दिली तमन्ना थी के दलितों की संख्या के हिसाब से यहां उन्हें एकजुट होकर अपनी खुद की सरकार बनानी चाहिए। दुख की बात है कि उनके जीते जी ये सपना पूरा नहीं हो सका था। मेरे और मेरे परिवार को जानबूझकर फर्जी केस में फंसा कर छवि धूमिल करने का प्रयास किया था। हमारी इकलौती सरकार बनाना सपा, भाजपा, कांग्रेस किसी को अच्छा नहीं लगा। हमारी पार्टी की रही सरकार ने दलितों और उपेक्षितों का ध्यान रखा, आरक्षण का लाभ दिया।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने जाति और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर कानून व्यवस्था के लिए काम किया। अन्याय, अपराध और भयमुक्त वातावरण हमने बनाया था। केंद्र की सरकार की तरह हमने इन्हीं के टैक्स के पैसे से इन्हें थोड़ा मुफ्त का राशन देकर अपना गुलाम नहीं बनाया है। समाजवादी पार्टी अपने राजनीतिक स्वार्थ में पीडीए की बात पर इन्हें गुमराह करने में लगी है।

वेलिंगबोरो के मेयर ने रामलला के किए दर्शन

यूपी में करेंगे 2500 करोड़ का निवेश

तीन हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

अयोध्या, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रामनगरी अयोध्या पहुंचे इंग्लैंड के वेलिंगबोरो शहर के मेयर राज मिश्र ने बृहस्पतिवार को रामलला के दर्शन करके आशीर्वाद लिया। इस मौके पर अयोध्या के महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी और पार्षदों ने उनका भव्य स्वागत किया। राज मिश्र के साथ इंग्लैंड से 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी पहुंचा है। दर्शन के बाद पत्रकारों से बातचीत में मेयर राज मिश्र ने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे सौभाग्यपूर्ण क्षण है। जब से अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है, तब से वह रामलला के दर्शन की प्रतीक्षा कर रहे थे। देर से आने पर उन्होंने भगवान रामलला से क्षमा भी मांगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सिर्फ भारत के नहीं, बल्कि विश्व के नेता हैं। उन्होंने जिस दूरदृष्टि से अयोध्या का विकास कराया है, वह वाकई काबिले-तारीफ है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था सुधार करके पर्यटन को नई दिशा दी है।

राज मिश्र ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश में 2500 करोड़ रुपए का निवेश करने जा रहे हैं। यह निवेश एआई डेवलपमेंट सॉल्यूशन प्रोजेक्ट के तहत होगा। इसके माध्यम से तीन हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। एक हजार प्रत्यक्ष और दो हजार लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। कहा कि भारत और इंग्लैंड के बीच संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। विदेशों में बसे भारतीयों के लिए अयोध्या आना अब गर्व का विषय बन गया है। बता दें कि राज मिश्र मूल रूप से प्रदेश के मिर्जापुर जिले के निवासी हैं।

संपादकीय

बंगाल में कैसा लोकतंत्र?

यह कैसा लोकतंत्र है? नहीं, यह लोकतंत्र नहीं हो सकता। यह कैसी कानून-व्यवस्था है? निर्वाचित सरकार के हाथ-पांव खून में सने हैं! केंद्रीय गृह मंत्रालय क्या कर रहा है? क्या उसने पश्चिम बंगाल की ओर आंखें मूंद रखी हैं? क्या सरकार से रपट तलब करना ही पर्याप्त है? क्या पुलिस कमिश्नर का तबादला कर उसे दंडित नहीं किया जा सकता? प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और उनकी सरकार 2014 से ही देख रही है कि बंगाल की फाइल लहूलुहान हो रही है, पंचायत चुनाव हों अथवा विधानसभा, लोकसभा चुनाव हों या सामान्य दिन हों, बंगाल में एक तबका लगातार हत्याएं कर रहा है। प्रवर्तन निदेशालय और अन्य सरकारी एजेंसियों के अफसरों पर हमले किए जाते रहे हैं। हिंदूवादी समर्थकों की हत्याओं के साथ-साथ उनके घर जलाए जा रहे हैं। पीट-पीट कर घायल किया जा रहा है अथवा मार ही देता है। ऐसी सैकड़ों हत्याएं की जा चुकी हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बार-बार राज्य सरकार और पुलिस को फटकार लगाई है। केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात करने पड़े हैं। अदालत ने सरकार के खिलाफ फैसले भी सुनाए हैं, लेकिन प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सिर्फ बयानबाज बनकर रह गए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, क्योंकि उससे ममता और उनकी पार्टी-तृणमूल कांग्रेस-को राजनीतिक लाभ हो सकता था। तो क्या फिर गरीब, कमजोर, पिछड़े, दुर्भाग्य से हिंदू समर्थक मरते रहें? अब तो हिंदू-विरोधियों ने सांसद और विधायक तक को नहीं छोड़ा है। करीब 14-15 लाख लोगों का संसदीय प्रतिनिधि, भाजपा सांसद खगेन मुर्मू बाल-बाल बच गए हैं। वह अस्पताल के बिस्तर पर पड़े हैं। बीमार नहीं हैं। मधुमेह सामान्य विकृति हो गई है। गुंडे-मवालियों ने पत्थरों से सांसद और विधायक पर जानलेवा हमला किया था। उत्तरी बंगाल में भीषण बाढ़ और भयानक भू-स्खलन ने विनाशकारी माहौल बना दिया था। 30-35 मौतें भी हुई हैं। घर 'मिट्टी-मलबा' हो गए, रास्ते टूट गए। यदि एक जन-प्रतिनिधि उस माहौल का जायजा लेने और राहत-सामग्री बांटने उस विनाश-भूमि तक जाना चाहता था, तो उस पर जानलेवा हमला कर लहूलुहान कर दिया जाएगा? बेशक लोग सांसद से नाराज हों, तो उन पर इतना घातक हमला कर दिया जाएगा कि उनके चेहरे की हड्डी ही टूट जाए? सांसद खून से लथपथ हो जाएं? गनीमत है कि उनके साथ कुछ सुरक्षाकर्मी थे, जिन्होंने उनकी जान बचाई और तुरंत अस्पताल तक ले गए। भाजपा विधायक शंकर घोष पर भी हमला कर उन्हें घायल क्यों किया गया? अफसोस है कि मंगलवार शाम तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई, क्योंकि पुलिस को 'ऊपर' से ऐसे ही आदेश थे। पुलिस मूकदर्शक और निष्क्रिय बनी रही। जब भाजपा और राज्यपाल आनंद बोस का दबाव बढ़ा, तो 8 आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। गौरतलब यह होगा कि पुलिस कितनी ठोस कार्रवाई करती है! शायद राज्य भाजपा उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करेगी! लेकिन बंगाल में जो रक्तरंजित फाइल सामने आई है, उससे लगता है कि बंगाल में संभ्रांत नहीं, गुंडे-हत्यारों का राज है। वे तृणमूल के नेता, कार्यकर्ता हो सकते हैं अथवा घुसपैठिए बांग्लादेशी या रोहिंग्या हो सकते हैं! भाजपा सांसदों और आम सक्रिय कार्यकर्ताओं ने एनआईए जांच की मांग की है। राष्ट्रपति शासन की भी मांगें उभरी हैं। बंगाल में अप्रैल-मई, 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। संभव है कि सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के हिंदूवादी ध्रुवीकरण के मुकाबले में ऐसे हमलों पर उतर आई हो! बेशक भाजपा ने बंगाल में हिंदू समर्थकों की ताकत के बूते एक अच्छा-खासा जनाधार तैयार कर लिया है। उसके 12 लोकसभा सांसद चुने गए हैं। जो पार्टी मात्र 3 विधायकों के साथ एक क्षीण-सी शक्ति होती थी, आज उसके विधायक दल का नेता प्रतिपक्ष का नेता है। यानी सत्ता की चौखट पर दमदार दस्तकें दी जा रही हैं। लेकिन बंगाल में ममता के 14 साला कार्यकाल के दौरान ऐसा हिंसक माहौल बन गया है, जो खुद ममता ने वाममोर्चा की सरकार के दौरान झेला था। यकीनन यह शर्मनाक, निंदनीय और खतरनाक दौर है। लिहाजा हमने शुरुआत में ही लोकतंत्र और व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। बंगाल का खूबसूरत इतिहास रहा है। उसे यूं विनष्ट नहीं किया जा सकता।

प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और उनकी सरकार 2014 से ही देख रही है कि बंगाल की फाइल लहूलुहान हो रही है, पंचायत चुनाव हों अथवा विधानसभा, लोकसभा चुनाव हों या सामान्य दिन हों, बंगाल में एक तबका लगातार हत्याएं कर रहा है। प्रवर्तन निदेशालय और अन्य सरकारी एजेंसियों के अफसरों पर हमले किए जाते रहे हैं। हिंदूवादी समर्थकों की हत्याओं के साथ-साथ उनके घर जलाए जा रहे हैं। पीट-पीट कर घायल किया जा रहा है अथवा मार ही देता है। ऐसी सैकड़ों हत्याएं की जा चुकी हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बार-बार राज्य सरकार और पुलिस को फटकार लगाई है। केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात करने पड़े हैं। अदालत ने सरकार के खिलाफ फैसले भी सुनाए हैं, लेकिन प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सिर्फ बयानबाज बनकर रह गए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, क्योंकि उससे ममता और उनकी पार्टी-तृणमूल कांग्रेस-को राजनीतिक लाभ हो सकता था। तो क्या फिर गरीब, कमजोर, पिछड़े, दुर्भाग्य से हिंदू समर्थक मरते रहें? अब तो हिंदू-विरोधियों ने सांसद और विधायक तक को नहीं छोड़ा है।

पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार बिहार का चेहरा बने हुए हैं और यह चुनाव भी अलग होता नहीं दिख रहा

बदलाव एवं विकास की राह ताकता बिहार चुनाव

ललित गर्ग

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। मतदान की तिथियों की घोषणा के साथ ही लोकतंत्र का यह महायज्ञ आरंभ हो चुका है, जिसमें करोड़ों मतदाता दो चरणों में दिनांक 6 और 11 नवंबर को अपने मत के माध्यम से राज्य की दिशा और दशा दोनों तय करेंगे। इस बार का चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि विचार और व्यवस्था परिवर्तन का चुनाव है। बिहार लंबे समय से जिस पिछड़ेपन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अराजकता की बेड़ियों में जकड़ा रहा है, उससे मुक्ति का यह अवसर है। 14 नवंबर को मतगणना के साथ बिहार में नई सरकार की तस्वीर सामने होगी, लेकिन राज्य में सियासत जिस तरह आकार ले रही है, मतदान तक कई उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। बिहार के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो यह धरती कभी बुद्ध की करुणा और चाणक्य की नीति की जननी रही है, लेकिन आज वही बिहार कानून व्यवस्था की विफलताओं, जातिवाद की जंजीरों और विकासहीनता की विवशताओं से जूझ रहा है। सड़कें टूटी हैं, शिक्षा व्यवस्था जर्जर है, चिकित्सा तंत्र कमजोर है, और रोजगार की तलाश में हर साल लाखों युवा अपनी मातृभूमि छोड़ने को विवश हैं। ऐसे में यह चुनाव एक सामाजिक जागृति का अवसर भी है, जब मतदाता केवल चेहरे नहीं, चरित्र और चिंतन को वोट देंगे। राजनीतिक दल अपनी-अपनी घोषणाओं, वादों और दृष्टि-पत्रों के साथ मैदान में हैं। कोई "नया बिहार" बनाने का नारा दे रहा है, तो कोई "विकसित बिहार" का। लेकिन सवाल यह है कि क्या घोषणाओं से बिहार का भाग्य बदलेगा, या फिर यह चुनाव भी परंपरागत नारों और जातीय समीकरणों के हवाले हो जाएगा? यह समय है कि जनता दलों से नहीं, दिशा से जुड़ाव करे; नारे से नहीं, नैतिकता से संवाद करे। पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार बिहार का चेहरा बने हुए हैं और यह चुनाव भी अलग होता नहीं दिख रहा। मूल सवाल यही है कि क्या नीतीश को एक और मौका जनता देगी? राज्य में एनडीए ने उन्हें आगे कर रखा है और महागठबंधन से सीधी टक्कर मिल रही है। 2005 से नीतीश कुमार बीच के कुछ समय को छोड़ कर सत्ता पर काबिज हैं। इस दौरान उन्होंने 9 बार शपथ ली और कई बार पाला बदला। गठबंधन के साथी बदलते रहने और कम सीटों के बावजूद मुख्यमंत्री वही बने। इसके पीछे उनकी अपनी 'सुशासन बाबू' की छवि भी है, लेकिन अब इसे चुनौती मिल रही है। पहली बार नीतीश सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की कोशिश हो रही है। वहीं, कानून-व्यवस्था का मामला भी चिंता बढ़ाने वाला है। हाल के महीनों में पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका और हॉस्पिटल में घुसकर गैंगस्टर की हत्या ने सरकार की परेशानी बढ़ाई। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हर चुनाव में जंगलराज की तरह पेश किया, पर अब सवाल विपक्षी दल पूछ रहे हैं। यह चुनाव ऐसे अनेक सवालों के घेरे में हैं। विकास पर जोर के बावजूद बिहार की राजनीति में जाति एक निर्णायक कारक है। हर पार्टी की चुनावी रणनीति समुदाय आधारित लामबंदी से गहराई से प्रभावित है। दोनों प्रमुख गठबंधन एनडीए ओर महागबंधन सीट बंटवारे की बातचीत में उलझे हैं। 243 विधानसभा सीटों में से गठबंधन में से किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी और किसे कोन-सी सीट मिलेगी, यह विवाद का विषय है। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला हुआ था- इस बार समीकरण में प्रशांत किशोर की जन सुराज भी है, जो भ्रष्टाचार ओर पलायन का मुद्दा उठाए हुए हैं। कुछ और भी नये राजनीतिक दल मैंदान में हैं। बिहार की सबसे बड़ी चुनौती कानून व्यवस्था और प्रशासनिक सुदृढ़ता की है। आए दिन होने वाली अपराध घटनाएं और अराजकता ने राज्य की छवि को धूमिल किया है। एक ऐसा शासन चाहिए जो भयमुक्त समाज दे सके, जहां नागरिक सुरक्षित महसूस करें, जहां अपराध पर अंकुश हो और न्याय त्वरित मिले। विकास तभी संभव है जब विश्वास का माहौल बने। बिहार की राजनीति में इस बार कई नए दल और कई पुराने चेहरे नए दल के साथ दिखाई देने वाले हैं। प्रशांत किशोर की पार्टी 'जनसुराज', तेजप्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल, उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा और पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी पहली बार बिहार विधानसभा के चुनाव में नजर आने वाली है। ऐसे में सभी दल चुनावी जंग में ताल ठोकने को तैयार है। मगर देखने वाली बात ये होगी कि कौन सी पार्टी अपना कितना दम दिखा पाती है? क्या प्रशांत किशार की पार्टी उनके दावे के अनुसार प्रदर्शन करती है या फुस्स साबित होती है, वहीं, तेजप्रताप यादव अपनी पार्टी बनाकर तेजस्वी यादव को कितना झटका देते है। यह सब अब चुनाव के परिणाम पर तय होगा। साथ ही यह भी तय होगा कि कौन सी पार्टी अपना अस्तित्व बचा पाती है कौन नहीं? यह चुनाव बिहार की आत्मा को झकझोरने वाला क्षण है। यहां की जनता अब सिर्फ रोटी-कपड़ा-मकान नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, और सम्मानजनक जीवन चाहती है। यह चुनाव इस आकांक्षा का प्रतीक है। जो भी दल इस वास्तविकता को समझेगा, वही बिहार का भविष्य गढ़ पाएगा। आज बिहार के मतदाता अधिक सजग एवं विवेकशील हैं। वे जानते हैं कि सत्ता परिवर्तन से अधिक जरूरी है संस्कृति परिवर्तन, राजनीतिक शुचिता और प्रशासनिक जवाबदेही। यह चुनाव केवल विधानसभा की सीटें तय नहीं करेगा, बल्कि यह तय करेगा कि क्या बिहार अपनी पुरानी परछाइयों से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ पाएगा। क्योंकि बिहार में पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अराजकता की चर्चा होती रहती है, इसलिये यह स्वाभाविक है कि राज्य का विकास, कानून व्यवस्था एवं रोजगार का मुद्दा भी पक्ष-विपक्ष के बीच एक प्रमुख चुनावी मुद्दा होगा। हालांकि पिछली सरकारों के दौर में बिहार बदहाली के दौर से काफी निकल चुका है और विगत दो दशक में यहां की स्थितियां काफी बदली है। इस बार बिहार चुनाव बदला-बदला होगा, इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस पैमाने पर ऐलान किए गए हैं। वहीं आरजेडी और कांग्रेस ने पूछा है कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा? जनता वादों पर भरोसा करती है या बदलाव संग जाती है, जवाब मिलने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। वैसे, बिहार चुनाव का इतना ज्यादा महत्व कोई नई बात नहीं है। विगत दो दशक से एक विशेष क्रम बना हुआ है। लोकसभा चुनाव के अगले साल बिहार विधानसभा के चुनाव होते हैं। केंद्र में जो पार्टी विपक्षी गठबंधन में रहती है, वह बिहार विधानसभा चुनाव में अपना पूरा जोर लगा देती है, जिससे चुनाव कुछ ज्यादा रोचक एवं उत्तेजक बन जाता है। सियासी स्थिति का आकलन करें, तो बिहार में लगभग बीस साल शासन के बावजूद जनता दल यूनाइटेड या नीतीश कुमार की ताकत को कोई भी खारिज नहीं कर रहा है। भाजपा पूरी मजबूती से नीतीश कुमार के साथ खड़ी है, ताकि सत्ता बनी रहे। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाला महागठबंधन अभी नहीं, तो कभी नहीं वाले अंदाज में जोर लगा रहा है। लोकतंत्र की इस परीक्षा में बिहार एक नई इबारत लिख सकता है-एक ऐसा बिहार जो शिक्षित हो, संगठित हो, और सजग हो। जहां राजनीति सेवा का माध्यम बने, संघर्ष का नहीं; जहां सत्ता संवेदना की भाषा बोले, स्वार्थ की नहीं। बिहार का यह जनादेश वास्तव में इतिहास रच सकता है-यदि जनता "जाति" नहीं, "न्याय" को चुने; "वादा" नहीं, "विश्वास" को चुने। यह चुनाव बिहार के भाग्य परिवर्तन की कुंजी बन सकता है-बशर्ते हम सब मिलकर कहें- "अब की बार, सुशासन और सुधार।"

मतदान की तिथियों की घोषणा के साथ ही लोकतंत्र का यह महायज्ञ आरंभ हो चुका है, जिसमें करोड़ों मतदाता दो चरणों में दिनांक 6 और 11 नवंबर को अपने मत के माध्यम से राज्य की दिशा और दशा दोनों तय करेंगे। इस बार का चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि विचार और व्यवस्था परिवर्तन का चुनाव है। बिहार लंबे समय से जिस पिछड़ेपन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अराजकता की बेड़ियों में जकड़ा रहा है, उससे मुक्ति का यह अवसर है। 14 नवंबर को मतगणना के साथ बिहार में नई सरकार की तस्वीर सामने होगी, लेकिन राज्य में सियासत जिस तरह आकार ले रही है, मतदान तक कई उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। बिहार के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो यह धरती कभी बुद्ध की करुणा और चाणक्य की नीति की जननी रही है, लेकिन आज वही बिहार कानून व्यवस्था की विफलताओं, जातिवाद की जंजीरों और विकासहीनता की विवशताओं से जूझ रहा है।

कुछ अलग

दिलबर का इंतजार...

आजकल क्या प्यार के आदाब की तलाश करनी चाहिए?' उन्होंने पूछा। हमें लगा जैसे किसी ने किसी झंझावात में से किसी फूल के बच निकलने की बात पूछ ली हो। वैसे तो आजकल प्यार या मोहब्बत के आदान की तलाख करना किसी बबूल में से कांटे की जगह फूल को पा लेने जैसा है, या कि किसी बरखुरदार द्वारा अपने बुजुर्ग की सेना का दम भरने जैसा। आजकल तो आप जानते हैं, सब ओर उल्टी गंगा बहने लगी है। मौसम को देख लो, जब गर्मी से आदमी का माथा घूमने लगे, तब घोर बरसात जम कर बरसती है। अब कैसे कह दें, बरखा रानी जरा जम के बरसो, मेरा दिलबर जा न पाये, जरा झूम के बरसो। अजी साहिब आजकल दिलबर की तलाश करते हो। इससे तो अच्छा था उन बीमारियों का इलाज ढूंढ लेते, जो रूप बदल-बदल कर लोगों को शिकार बना रही हैं। पहले बीमारियां बूढ़ों का गला पकड़ती थीं, अब नौजवानों का दामन थामने लगी हैं। कौन कहता है भारत में अशिक्षा का बोलबाला है। इस समय जो चल रहा है, अगर यूं ही चलता रहा, तो देश की साक्षरता दर के रिकार्ड बनेंगे। बिल्कुल उसी तरह जैसे हर वर्ष सत्ता के प्राचीरों से घोषणा कर दी जाती है कि देश की विकास दर में कमी नहीं आएगी। भुखमरी बढ़ी तो कह देंगे, अब हम क्या करें? भूखे नंगों का तो काम ही नौकरी तलाशना है। भई लाख कहा था, नौकरी नहीं मिलती तो पकौड़े तल लो। लीजिये पकौड़े नहीं तलेंगे, और उन चंद धनपतियों से ईष्या करेंगे, जिन्होंने मिट्टी को भी हाथ लगाया तो सोना हो गई। करोड़पति थे जनता की जरूरत की चीजों को गायब करके काले बाजार में ये अरबपति हो गए।

देश दुनिया से

भारत-अमरीकी संबंधों का परीक्षा काल

भारत और अमेरिका के रिश्ते दुनिया के सबसे जटिल लेकिन सबसे प्रभावशाली संबंधों में गिने जाते हैं। यह रिश्ता केवल राजनीति या रक्षा समझौतों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सबसे मजबूत आधार व्यापार, तकनीक और अर्थव्यवस्था है। आज अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार 131.84 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें भारत ने 86.51 बिलियन डॉलर का निर्यात और 45.33 बिलियन डॉलर का आयात किया। यह आंकड़ा दोनों अर्थव्यवस्थाओं की गहराती परस्पर निर्भरता का प्रतीक है। लेकिन इस सहयोगी रिश्ते में समय-समय पर टैरिफ और वीजा जैसे विवाद उभरते रहते हैं। अमेरिका का आरोप है कि भारत विदेशी उत्पादों पर ऊंचे आयात शुल्क लगाकर अमेरिकी कंपनियों के लिए बाधाएं पैदा करता है, जबकि भारत का कहना है कि यह कदम उसके घरेलू उद्योगों और आर्थिक स्वावलंबन की रक्षा के लिए आवश्यक है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो भारत को 'टैरिफ किंग' तक कह दिया और भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक शुल्क बढ़ा दिया। इस कदम ने दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा दिया और भारतीय उद्योग जगत में चिंता की लहर दौड़ गई। टैरिफ का असर किसी भी देश के उत्पादन और निर्यात पर सीधा पड़ता है। उत्पादन लागत बढ़ती है, मुनाफा घटता है और बाजार में प्रतिस्पर्धा कम होती है। जब अमेरिका ने भारत के वस्त्र और फार्मा उत्पादों पर शुल्क बढ़ाया, तो इसका असर तुरंत शेयर बाजार पर देखने को मिला, सिर्फ दो दिनों में सेंसेक्स 1555 अंक लुढक्का और निवेशकों को करीब 9.85 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगस्त 2025 में लागू अमेरिकी टैरिफ से भारत का वस्त्र निर्यात 20 से 25 प्रतिशत तक घट सकता है। हालांकि यह भी उतना ही सच है कि भारत केवल निर्यातक नहीं, बल्कि अमेरिकी कंपनियों के लिए विशाल उपभोक्ता बाजार भी है। अमेजन, एप्पल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा, पेप्सिको, नाइक और मॅकडॉनल्ड्स जैसी कंपनियां आज भारतीय जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन चुकी हैं। इसलिए यदि अमेरिका भारत पर दबाव बनाता है, तो भारत भी इन कंपनियों पर नीतिगत सख्ती के जरिए संतुलन साध सकता है। यही कारण है कि यह टकराव एकतरफा नहीं, बल्कि द्विपक्षीय आर्थिक प्रभाव का मामला है। भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसकी जीडीपी 4.187 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच चुकी है। इतनी बड़ी अर्थव्यवस्था को अमेरिका के लिए नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा। परंतु आर्थिक मोर्चे के साथ अब एक और बड़ा विवाद उभर आया है, एच-1बी वीजा संकट, 19 सितंबर 2025 को राष्ट्रपति ट्रंप ने एक आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए एच-1बी वीजा की फीस में अप्रत्याशित वृद्धि कर दी है। अब कंपनियों को नए आवेदन या नवीनीकरण के लिए 100000 डॉलर यानी लगभग 88 लाख रुपए अतिरिक्त देने होंगे। पहले से ही महंगे इस वीजा की लागत इतनी बढ़ गई है कि अधिकांश आईटी कंपनियों के लिए इसको वहन करना लगभग असंभव हो जाएगा। दरअसल, हर संकट अपने साथ अवसर भी लेकर आता है। टैरिफ विवाद यह सिखाता है कि किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता जोखिम भरी हो सकती है। वहीं वीजा विवाद यह संदेश देता है कि भारत को अपने ही देश में वैश्विक स्तर के अवसर और रोजगार पैदा करने होंगे। आत्मनिर्भर भारत का विचार अब केवल नारा नहीं, बल्कि एक आर्थिक अनिवार्यता बन चुका है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि लोगों को गर्व से कहना चाहिए कि मैं स्वदेशी खरीदता हूं। हमें मेड इन इंडिया सामान खरीदना चाहिए। इससे छोटे व्यापारियों को लाभ मिलेगा। हमें आत्मनिर्भरता के रास्ते पर चलना ही होगा। जिन चीजों का निर्माण भारत में किया जा सकता है, उसे यहीं करें। भारत और अमेरिका दोनों के लिए यह रिश्ते तोडने का समय नहीं है। अमेरिका को यह समझना होगा कि भारत केवल व्यापारिक साझेदार ही नहीं, बल्कि रणनीतिक और तकनीकी सहयोगी भी है। वहीं भारत को संतुलित नीति अपनानी होगी ताकि घरेलू उद्योगों की रक्षा के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उसकी स्थिति भी मजबूत बनी रहे। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने हाल ही में उम्मीद जताई है कि भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही एक नया व्यापार समझौता हो सकता है। उन्होंने कहा कि दोनों देश एक ऐसे द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे दोनों को लाभ मिले। उनका मानना है कि भारत को अपने बाजारों को और खोलना चाहिए तथा टैरिफ व अन्य गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना चाहिए ताकि उसका मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और प्रतिस्पर्धी बन सके। सुब्रह्मण्यम ने यह भी चेताया कि यदि दोनों देशों के बीच समझौता नहीं हुआ, तो आने वाले महीनों में स्थिति कठिन हो सकती है। उनका कहना है, 'हम नुकसान में हैं, 50 प्रतिशत टैरिफ से कीमतें बहुत बढ़ जाती हैं, इससे कोई नहीं बच सकता।' फिर भी उन्होंने आशा जताई कि नवंबर तक यदि समझौता हो गया, तो किसी बड़ी अव्यवस्था से बचा जा सकेगा। वहीं, भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-कतर के बीच 2026 की तीसरी तिमाही तक एक व्यापार समझौते की घोषणा की है, जिससे भारत के कुल व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। इन समझौतों से भारत को नए बाजारों तक पहुंच और अमेरिका पर निर्भरता घटाने में मदद मिलेगी। अंततः भारत.अमेरिका संबंधों की असली बुनियाद संवाद, सहयोग और साझा हितों पर टिकी है। टैरिफ और एच-1बी विवाद हमें हमारी कमजोरियों का एहसास कराते हैं, लेकिन साथ ही आत्मनिर्भरता और विविधीकरण की राह भी दिखाते हैं। यदि दोनों देश संवाद की डोर थामे रखते हैं, तो यह साझेदारी न केवल उनकी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूती देगी, बल्कि वैश्विक स्थिरता और विकास में भी नई ऊर्जा का संचार करेगी। अमरीका से संबंध मजबूत बनाने होंगे।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार 131.84 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें भारत ने 86.51 बिलियन डॉलर का निर्यात और 45.33 बिलियन डॉलर का आयात किया। यह आंकड़ा दोनों अर्थव्यवस्थाओं की गहराती परस्पर निर्भरता का प्रतीक है। लेकिन इस सहयोगी रिश्ते में समय-समय पर टैरिफ और वीजा जैसे विवाद उभरते रहते हैं। अमेरिका का आरोप है कि भारत विदेशी उत्पादों पर ऊंचे आयात शुल्क लगाकर अमेरिकी कंपनियों के लिए बाधाएं पैदा करता है, जबकि भारत का कहना है कि यह कदम उसके घरेलू उद्योगों और आर्थिक स्वावलंबन की रक्षा के लिए आवश्यक है।

आप का नजरिया

पहाड़ की कब्र में बस यात्री

हिमाचल में सडक़ परिवहन का सबसे दर्दनाक हादसा बरठी के पास सोलह लोगों को लील गया। यहां बस को गिरते पहाड़ ने बेबस किया और मलबे के समुद्र में डूब गया जिंदगी का सफर। न उनकी चीखें सुनी गईं और न ही जीने का प्रयास बचा। यह ऐसी निजी बस भी नहीं थी, जिसके चालक ने कोई गलती की। बस का नियंत्रण अचूक रहा, लेकिन पहाड़ ने उसे कब्रगाह बना दिया। एक ऐसी अनहोनी जो मौत के लिए प्रकृति का विनाश चुन गई। सांसों की रफ्तार के खिलाफ एक पूरा पहाड़ और दरकते लम्हे ने मौत की सजा सुना दी। शाहतलाई से घुमारवीं का यह सफर कातिल निकला या विकास की कहानियों में इनसान अति दुबला हो गया। कई रिश्ते एक साथ दफन हो गए, कई मंजिलें वहां आकर टूट गईं और मुकद्दर के कई दरवाजे बंद हो गए। मलबे के दैत्य ने पूरी बस पर कफन चढ़ा कर बता दिया कि सपने टूटने के लिए बस एक खूंखार पल चाहिए। अब बची हैं तो मौत की कहानियां और गहरे घाव लिए कई परिवारों के चूल्हे। इस हादसे का भयावह दृश्य सारे प्रदेश की सडक़ों का मुआयना कर रहा है और आपदाओं की कोख में भविष्य के संकट देख रहा है। ऐसी बहुत सारी सडक़ें हैं जहां बरसात के जूझते मंजर में एक खौफ सी यात्रा रहती है। यह सडक़ के फॉल्ट हैं, प्रकृति की विनाश लीला या तकनीकी तौर पर पहाड़ को कतर कर हमने चुनौती बढ़ा दी। जाहिर है परिवहन की परिस्थितियां सडक़ निर्माण से जुड़ी रहती हैं और जहां भौगोलिक दुरुहता से मुकाबिल विकास अपने सपनों के लिए, साहस के साथ आगे बढ़ता है। ऐसे में अब यह तो सोचना होगा कि ऐसे खतरनाक स्थलों को चिन्हित किया जाए जहां से सडक़ निकालना, मौत से खेलना है। कुछ वर्ष पहले मंडी-पठानकोट रोड पर इसी तरह सडक़ पर बारिश, मलबा और जानलेवा बहाव ने सिर्फ मातम का सन्नाटा छोड़ा था। पत्थर गिरते हैं, बार-बार गिरते हैं और कहीं किसी वाहन से टकरा कर किसी जिंदगी को चकनाचूर कर देते हैं, लेकिन बरठी का पहाड़ यमराज निकला। सूचना और संकेत थे कि पहाड़ दरक रहा है, लेकिन संज्ञान न लेकर विभाग ने यह अपराध कर दिया। ऐसे कई पहाड़ों पर अगर यमराज बैठा है, तो जिंदगी के कुछ अलग से फासले सडक़ों के नए सर्वेक्षण से चुन लेने चाहिएं। बेशक कुल्लू दशहरा समारोह का आतिथ्य छोडक़र परिवहन मंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने राहत कार्यों की एक पूरी रात आंखों में गुजार दी, लेकिन यहां मसला सडक़ का था तो पीडब्ल्यूडी मंत्री को भी आकर देखना होगा कि उनके विभाग की आंख कहां-कहां दुख रही है। पूरे हिमाचल की सडक़ व्यवस्था को सुरक्षित संरचना की दृष्टि से देखना होगा। हर निर्माण की जरूरत में गौण होती भौगोलिक परिस्थितियों को अब अच्छे से समझना होगा। सडक़ों के सर्वेक्षण में कम दूरी, कम लागत व राजनीतिक तरफदारी का आलम यह है कि निर्माण कार्यों में सुरक्षा की तस्करी होने लगी है। बरठी से निकली बस भी अंततः पहाड़ के सुराख में इसलिए फंसी, क्योंकि प्राकृतिक विध्वंस की निशानियों की अनदेखी हुई। यह लागत का प्रश्न तो है ही, जहां मूल परियोजना में बजटीय प्रावधान कमजोर रहते हैं। दूसरी ओर सडक़ों पर पीडब्ल्यूडी विभाग की चौकसी रत्तीभर नहीं है। मौसम के आने और बदलते रुख को भांपते हुए जो निगरानी या चेतावनी दर्ज होनी चाहिए, उस पर विभाग की न तो नजर और न ही कोई परंपरा बची है। विभाग को मालूम ही नहीं होता कि किस सडक़ का कौन सा हिस्सा डरावना है, कहां मलबा गिर रहा है या जल रिसाव हैरान कर रहा है। आश्चर्य यह कि पूरी बरसात में मलबा हटाने के बजाय उसका सडक़ पर ही ढेर लगाकर यातायात बाधित किया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी को माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों की भावना में मलबे के हर पहलू पर प्रबंधन व्यवस्था बनानी होगी।

सांसों की रफ्तार के खिलाफ एक पूरा पहाड़ और दरकते लम्हे ने मौत की सजा सुना दी। शाहतलाई से घुमारवीं का यह सफर कातिल निकला या विकास की कहानियों में इनसान अति दुबला हो गया। कई रिश्ते एक साथ दफन हो गए, कई मंजिलें वहां आकर टूट गईं और मुकद्दर के कई दरवाजे बंद हो गए। मलबे के दैत्य ने पूरी बस पर कफन चढ़ा कर बता दिया कि सपने टूटने के लिए बस एक खूंखार पल चाहिए। अब बची हैं तो मौत की कहानियां और गहरे घाव लिए कई परिवारों के चूल्हे। इस हादसे का भयावह दृश्य सारे प्रदेश की सडक़ों का मुआयना कर रहा है और आपदाओं की कोख में भविष्य के संकट देख रहा है। ऐसी बहुत सारी सडक़ें हैं जहां बरसात के जूझते मंजर में एक खौफ सी यात्रा रहती है। यह सडक़ के फॉल्ट हैं, प्रकृति की विनाश लीला या तकनीकी तौर पर पहाड़ को कतर कर हमने चुनौती बढ़ा दी। जाहिर है परिवहन की परिस्थितियां सडक़ निर्माण से जुड़ी रहती हैं और जहां भौगोलिक दुरुहता से मुकाबिल विकास अपने सपनों के लिए, साहस के साथ आगे बढ़ता है। ऐसे में अब यह तो सोचना होगा कि ऐसे खतरनाक स्थलों को चिन्हित किया जाए जहां से सडक़ निकालना, मौत से खेलना है। कुछ वर्ष पहले मंडी-पठानकोट रोड पर इसी तरह सडक़ पर बारिश, मलबा और जानलेवा बहाव ने सिर्फ मातम का सन्नाटा छोड़ा था। पत्थर गिरते हैं, बार-बार गिरते हैं और कहीं किसी वाहन से टकरा कर किसी जिंदगी को चकनाचूर कर देते हैं, लेकिन बरठी का पहाड़ यमराज निकला।

दृष्टि कोण

सोयाबीन ठिकाने लगाने का बीन बजाते ट्रंप

आलू प्याज़ जैसी फ़सल जब मंडी से भी कोई नहीं उठाता, किसान क्या करता है? किसान उसे ट्रैक्टर ट्राली पर लादकर मोहल्ले-मोहल्ले माइक से आवाज़ लगाता है—'पचास रुपये के पांच किलो आलू ले लो... प्याज़ ले लो..।' इन दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति की हालत ठीक उसी किसान की तरह हो गई है। ट्रम्प भी 'सोयाबीन ले लो...' की विश्वव्यापी गुहार लगा रहे हैं। ट्रम्प पर अमेरिकी सोयाबीन उत्पादकों का ज़बरदस्त दबाव है। ट्रम्प प्रशासन ने मंगलवार को घोषणा की, कि वह प्रभावित किसानों को 12 अरब डॉलर तक की आपातकालीन सहायता प्रदान करेगा। कृषि मंत्री सन्नी पर्ड्यू ने कहा कि यह योजना, यूएसडीए के कमोडिटी कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को अस्थायी राहत प्रदान करेगी। इस बीच ट्रम्प चीन, यूरोपीय संघ और अन्य देशों के साथ दीर्घकालिक नीति पर बातचीत करेंगे। 12 अरब डॉलर का भुगतान बिना अमेरिकी कांग्रेस की स्वीकृति के? यह भी ट्रम्प के लिए मुश्किल हालात हैं। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान, किसानों को 23 अरब डॉलर से अधिक की व्यापार सहायता देने के लिए सीसीसी का इस्तेमाल किया था। कमोडिटी क्रेडिट कॉर्पोरेशन (सीसीसी), अमेरिकी कृषि विभाग 'यूएसडीए' की वित्तपोषण इकाई है। यह अमेरिकी राजकोष से 30 अरब डॉलर तक उधार ले सकता है, और किसी भी शुद्ध घाटे की भरपाई बाद में यूएस कांग्रेस (संसद) की हामी से विनियोजित की जाती है। जब से ट्रम्प आये हैं, सीनेट पांच बार वित्तीय प्रस्ताव खारिज कर चुका है। इलिनोइस विश्वविद्यालय अर्बाना-शैंपेन के एसोसिएट प्रोफेसर जोनाथन कोप्पेस ने एक मेल के ज़रिये जानकारी दी—'इस फंड से जो पैसा निकलता है, हर साल शरद ऋतु में फिर से भर दिया जाता है, लेकिन शटडाउन के कारण इसे फिर से नहीं भरा गया है।' अर्थात, यहां खज़ाना खाली है। ट्रंप ने बार-बार कहा है कि हमारा प्रशासन टैरिफ से होने वाली आय का इस्तेमाल किसानों की सहायता के लिए करेगा। लेकिन, किसानों को इस तरह के सीधे भुगतान की वैधानिक सीमा 35 करोड़ डॉलर है। ज़रूरत 12 अरब डॉलर की है, और ट्रम्प की क्षमता 35 करोड़ डॉलर देने भर की है। मामला, सचमुच बुरा फंसा है। अमेरिकी सोयाबीन के सबसे बड़े विदेशी खरीदार चीन ने आखिरी बार मई, 2025 में अमेरिकी सोयाबीन खरीदी थी। सितंबर में शुरू हुए इस फसल के मौसम के लिए उसने कोई सोयाबीन नहीं खरीदी है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोया किसानों को समझाया, कि हम अभी भी पेइचिंग के साथ सोयाबीन समझौते का प्रयास कर रहे हैं। वाशिंगटन स्थित थिंक टैंक, 'सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज़' के स्कॉट कैनेडी ने सोमवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा, कि चीन के पास 'दुनिया भर से सोयाबीन खरीदने का ऑप्शन रहता है। चीन पर 55 प्रतिशत टैरिफ लगाना अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए विशेष रूप से अच्छा नहीं है, इसलिए मुझे लगता है कि टैरिफ के स्तर को फिर से कम करने की आवश्यकता है।' चीनी राष्ट्रपति शी ने ट्रम्प को सबक सिखाने के वास्ते ब्राजील और अर्जेंटीना को सोयाबीन का ऑर्डर देना शुरू किया है। चीनी वस्तुओं पर ट्रंप के टैरिफ के जवाब में, चीन ने अप्रैल में अमेरिकी सोयाबीन पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया, जिससे उनकी मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता और कम हो गई। चीन के अलावा, अमेरिकी सोयाबीन के शीर्ष आयातकों में मेक्सिको, यूरोपीय संघ, जापान और इंडोनेशिया शामिल हैं। अमेरिकी किसान वियतनाम से लेकर नाइजीरिया तक खरीदारों की तलाश कर रहे हैं। पिछले महीने, आयोवा के रिपब्लिकन गवर्नर किम रेनॉल्ड्स, जो सोयाबीन की खेती पर अत्यधिक निर्भर एक अमेरिकी राज्य है, एक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत आए थे।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नेपाल में 18 'जेन जेड' प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी, केपी शर्मा ओली की गिरफ्तारी की मांग पर मचा बवाल

नेपाल,09 अक्टूबर (एजेंसियां) । नेपाल में 'जेन जेड' समूह के 18 कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया। ये सभी कार्यकर्ता अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। पिछले महीने हिंसक आंदोलन के बाद ओली को प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

नेपाल पुलिस ने गुरुवार को 'जेन जेड' समूह के 18 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। इनमें निकोलस भुसाल भी शामिल हैं। ये सभी लोग काठमांडू के मैतीघर इलाके में प्रदर्शन कर रहे थे और अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे।

'जेन जेड' आंदोलन का एक महीना पूरा होने पर यह प्रदर्शन किया गया था। भ्रष्टाचार के खिलाफ इस आंदोलन की शुरुआत हुई थी।

बाद में सरकार ने सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया था। जिससे आंदोलनकारी और आक्रोशित हुए और यह हिंसक प्रदर्शन में बदल गया।

हजारों युवाओं ने आठ और नौ सितंबर को 'जेन जेड' ग्रुप के बैनर तले सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया था। इस दौरान 76 लोगों की मारे गए। पहले दिन (आठ सितंबर) पुलिस ने कथित तौर पर प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिसमें 19 लोगों की जान गई। दूसरे दिन (नौ सितंबर) प्रदर्शन और ज्यादा हिंसक हो गया और उन्होंने कई सरकारी दफ्तरों में आग के हवाले किया, जिसके बाद ओली सरकार को इस्तीफा देना पड़ा था।

भुसाल और उनके साथी सुरेंद्र घर्ती को तब गिरफ्तार किया गया, जब वे भारी पुलिस सुरक्षा के बीच प्रदर्शन कर रहे थे। इससे पहले पुलिस ने मैतीघर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी थी।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अंतरिम सरकार बनने के बाद भी उनकी मांगें नहीं मानी जा रही हैं, इसलिए उन्होंने फिर से प्रदर्शन किया। उनकी मुख्य मांग है कि केपी शर्मा ओली और रमेश लेखक को गिरफ्तार किया जाए, क्योंकि वे सितंबर में हुई मौतों के जिम्मेदार हैं।

अंतरिम सरकार ने इस पूरे मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय आयोग बनाया है, जिसकी अध्यक्षता पूर्व न्यायाधीश गौरी बहादुर कार्की कर रहे हैं। यह आयोग यह पता लगाएगा कि जेन जेड आंदोलन को कुचलने के लिए क्या पुलिस ने जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किया।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल : संसद भंग और वर्तमान सरकार की वैधानिकता को कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस और नेकपा एमाले भंग प्रतिनिधि सभा की बहाली और वर्तमान सरकार की वैधता पर सवाल उठाते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर रहे हैं। भंग किए गए प्रतिनिधि सभा में ये दोनों सबसे बड़ी पार्टी रही है। नेपाली कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत ने बताया कि दोनों ही दल संयुक्त रूप से इस विषय पर कानूनी परामर्श में शुरू से जुटी हुई है। महत का दावा है कि जैसे ही अदालती प्रक्रिया शुरू हो जाएगी उसी दिन हमारे तरफ से कोर्ट के याचिका दाखिल करने की तैयारी है। नेकपा एमाले के उपमहासचिव प्रदीप ज्ञवाली ने कहा कि संसद भंग किसी भी दृष्टि से संवैधानिक नहीं है। उन्होंने बताया कि अदालत का ही आदेश है कि जब तक सरकार बनने की संभावना बनी रहेगी तब तक संसद भंग नहीं होना चाहिए। उसी को आधार बना कर रिट दायर करने की तैयारी है। इन दोनों दलों का मानना है कि सुशीला कार्की सरकार का गठन भी असंवैधानिक है इसलिए इस सरकार की वैधानिकता पर भी सवाल उठाया जाएगा। नेपाल के जानेमाने संविधान विशेषज्ञ भीमार्जुन आचार्य ने कहा कि संसद भंग और सरकार की वैधानिकता को चुनौती देने वाली रिट एक साथ ही अदालत में दायर की जाएगी।

बलोच लिबरेशन आर्मी का खारन में पाकिस्तानी सेना पर धावा, पांच सैनिकों को मारा

क्वेटा (बलोचिस्तान)। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बुधवार को खारन में पाकिस्तानी सेना के ठिकाने पर धावा बोलकर पांच सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया। बीएलए कमांडरों ने खारन के गारक इलाके में बांध के पास कब्जा कर रही पाकिस्तानी सेना को उलटे पांव भागने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान दोनों तरफ से भीषण गोलीबारी हुई। रिपोर्ट के अनुसार, बलोच लिबरेशन आर्मी के प्रवक्ता जैंद बलोच ने मीडिया को भेजे बयान में इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बयान में कहा गया है कि बीएलए लड़ाकों नेखारन में पाकिस्तानी सेना को नुकसान पहुंचाया है। बीएलए कमांडरों ने खारन के गारक इलाके में बांध के पास कब्जा कर रही पाकिस्तानी सेना की चौकी को मटियामेट कर दिया। लड़ाकों ने पाकिस्तानी सेना के जवानों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस दौरान पांच सैनिक मौके पर ही मारे गए और कई घायल हो गए। जैंद बलोच ने कहा कि बलोच लिबरेशन आर्मी हमले की जिम्मेदारी स्वीकार करती है। उधर, बलोचिस्तान में नागरिकों और युवकों को जबरन गायब किए जाने के खिलाफ वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स ने संघीय सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

ट्रंप ने कहा-अमेरिकी टैरिफ शांति समझौतों में मददगार

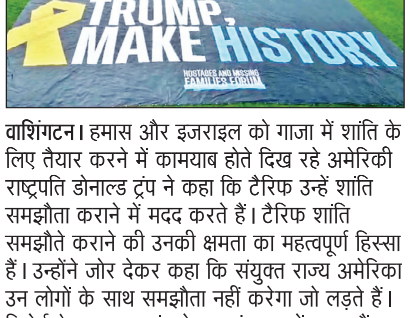

वाशिंगटन। हमास और इजराइल को गाजा में शांति के लिए तैयार करने में कामयाब होते दिख रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि टैरिफ उन्हें शांति समझौता कराने में मदद करते हैं। टैरिफ शांति समझौते कराने की उनकी क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका उन लोगों के साथ समझौता नहीं करेगा जो लड़ते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं आपको बता रहा हूं कि टैरिफ ने दुनिया में शांति ला दी है। टैरिफ आपको शांति का एक शानदार रास्ता दिखाते हैं और लाखों लोगों की जान बचाते हैं। ट्रंप ने कहा कि उनके टैरिफ ने इस साल की शुरुआत में भारत और पाकिस्तान को युद्धविराम पर सहमत कराने में भूमिका निभाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार रात कहा कि मध्य पूर्व के अन्य देश गाजा के पुनर्निर्माण में मदद करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि वह अन्य देश गाजा के पुनर्निर्माण में मदद करेंगे। हम इसे सफल बनाने और इसे शांतिपूर्ण बनाए रखने में उनकी मदद करेंगे। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र गाजा युद्धविराम और बंधक समझौते के पूर्ण कार्यान्वयन का समर्थन करेगा।

कैसे रूसी मिसाइलों के निशाने पर आया यात्री विमान? पुतिन ने अजरबैजान के राष्ट्रपति को बताया

मॉस्को,09 अक्टूबर (एजेंसियां) । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अजरबैजान के समकक्ष इल्हाम अलीयेव को बताया कि किस तरह से यूक्रेनी ड्रोन हमलों के बीच रूसी मिसाइलों ने गलती से अजरबैजान एयरलाइंस के यात्री विमान को गिरा दिया था, जिससे 38 लोगों की मौत हुई थी। पुतिन ने इस घटना पर अजरबैजान से माफी मांगी और प्रभावितों को मुआवजा देने तथा घटना की निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया।राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव को बताया कि पिछले साल यूक्रेनी ड्रोन के रूसी हवाई क्षेत्र में घुसने के बाद दो रूसी मिसाइलें अजरबैजान एयरलाइंस के एक विमान के पास फट गई थीं। इस घटना के चलते विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। पुतिन ने आश्वासन दिया कि इस हादसे से प्रभावित लोगों को मुआवजा दिया जाएगा।25 दिसंबर को उड़ान जे2-8243 अजरबैजान की राजधानी बाकू से चेचन्या की राजधानी ग्रोज्नी जा रही थी, लेकिन यह

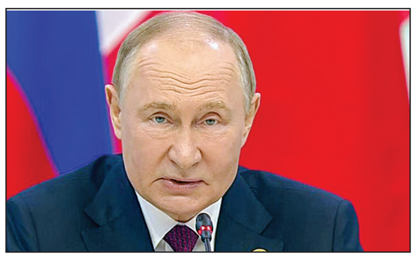

कजाखस्तान के अक्ताऊ के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह विमान रूस के दक्षिणी हिस्से से रास्ता बदलकर आया था, जहां यूक्रेनी ड्रोन कई ठिकानों पर हमला कर रहे थे। इस हादसे में 38 लोगों की मौत हो गई थी। गुरुवार को सामने आए एक वीडियो में ताजिकिस्तान में द्विपक्षीय बैठक से पहले पुतिन और अलीयेव हाथ मिलाते और मुस्कराते नजर आए। उसी बैठक में पुतिन ने इस विमान हादसे पर बात की। पिछले साल पुतिन ने अलीयेव से सार्वजनिक माफी मांगी थी। दरअसल, रूस की हवाई सीमा में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह विमान दुर्घटनाग्रस्त इसलिए हुआ ता, क्योंकि रूस ने यूक्रेनी ड्रोन हमलों को रोकने के लिए अपनी वायु रक्षा प्रणालियों को तैनात कर दिया था।

गुरुवार को पुतिन ने इसको लेकर कहा, ऐसे दुखद घटनाओं में जो भी जरूरी होगा, वह रूसी पक्ष करेगा। मुआवजे से लेकर कानूनी रूप से सभी औपचारिकताओं का मूल्यांकन भी किया जाएगा। पुतिन ने अलीयेव से कहा, यह हमारा कर्तव्य है। मैं एक बार फिर दोहराता हूं कि जो कुछ भी हुआ, हम उसका निष्पक्ष आकलन करेंगे और इसके पीछे की असली वजहों की पहचान करेंगे। इस महीने एक वीडियो में पुतिन और अलीयेव ने ताजिकिस्तान में द्विपक्षीय बैठक से पहले हाथ मिलाया और मुस्कुराए। उसी बैठक में पुतिन ने इस विमान दुर्घटना का विषय उठाया। पुतिन ने पिछले वर्ष अलीयेव से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी थी और इसे दु:खद घटना कहा गया था। इस बार उन्होंने कहा, ऐसी दुखद घटनाओं में रूस की तरफ से आवश्यक सभी कदम उठाए जाएंगे, और सभी मामलों की कानूनी समीक्षा की जाएगी।

मां की एक गलती और लिफ्ट में फंसा मासूम, सीसीटीवी में कैद हुई दिल दहला देने वाली घटना

न्यूयॉर्क,09 अक्टूबर (एजेंसियां) । सोशल मीडिया पर एक दिल दहला देने वाला वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जो माता-पिता के लिए एक बड़ी सबक की तरह है। वीडियो में एक महिला की छोटी सी लापरवाही के कारण उसका मासूम बच्चा एक लिफ्ट में अकेला फंस जाता है। यह पूरी खौफनाक घटना लिफ्ट में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसे देखकर किसी के भी रोंगटे खड़े हो जाएं।

वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि एक महिला अपने छोटे बच्चे के साथ लिफ्ट में प्रवेश करती है। जैसे ही बच्चा अंदर जाता है,

महिला कुछ सामान उठाने के लिए लिफ्ट से बाहर निकलती है। इस दौरान, वह लिफ्ट का दरवाजा बंद होने से रोकने के लिए गेट पर एक छोटी सी चीज रख देती है। लेकिन उसका यह जुगाड़ काम नहीं करता और जैसे ही वह सामान उठाने के लिए मुड़ती है, लिफ्ट का दरवाजा बंद हो जाता है और मासूम बच्चा अंदर अकेला फंसकर ऊपर चला जाता है।सीसीटीवी फुटेज में बच्चा लिफ्ट के अंदर घबराया हुआ और डरा हुआ नजर आ रहा है। यह घटना कहां की है और बाद में बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला गया या नहीं, इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वीडियो के अधूरे अंत ने सोशल मीडिया यूजर्स की चिंता और बढ़ा दी है।वीडियो वायरल होने के बाद लोग इस पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, बच्चों के साथ ऐसी जगहों पर बिल्कुल भी लापरवाही नहीं करनी चाहिए।

अमेरिका की दोस्ती पाकिस्तान के लिए होगी घातक, चीन ने तरेरी आंख, भारत भी खफा

बीजिंग,09 अक्टूबर (एजेंसियां) । पाकिस्तान इस वक्त अमेरिका की चाटुकारिता में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। लेकिन वो बड़ी गलती भी कर रहा है। इससे चीन भड़क रहा है वहीं भारत खफा है। दरअसल अमेरिका ने पाकिस्तान को आधुनिक मिसाइल सिस्टम देने का यह निर्णय भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से चिंता का विषय माना जा रहा है। आमराम मिसाइलें हवा से हवा में मार करने वाली उन्नत तकनीक की हथियार प्रणाली हैं, जिनका इस्तेमाल आधुनिक फाइटर जेट्स में होता है। भारत पहले भी अमेरिका से कई बार यह कह चुका है कि पाकिस्तान को हाई-टेक हथियार देना क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित करता है।

वहीं चीन के लिए भी अमेरिका और पाकिस्तान की ये डील टेंशन देने वाली है। अब तक पाकिस्तान के लिए हथियारों का सबसे बड़ा विक्रेता चीन ही था। जब अमेरिका यहां हाथ डाल रहा है तो उसके लिए अपना क्लाइंट खोता हुआ दिखने लगा होगा। खुद को चीन का सदाबहार दोस्त मानने वाले पाकिस्तान की यूएस से नजदीकी उसे कतई भा नहीं रही होगी ।पाकिस्तान और अमेरिका के बीच रिश्ते पिछले कुछ महीनों में ज्यादा मजबूत होते दिखाई दिए हैं, खासतौर पर जब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाया। इस युद्ध में अमेरिका ने अपनी एंट्री करते हुए सीजफायर का दावा किया, जिसे भारत ने इनकार कर दिया। तभी से पाकिस्तान और अमेरिका ने न सिर्फ अपने रिश्ते मजबूत किए बल्कि पाकिस्तान सरकार ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित भी किया। एक तरफ अमेरिका ने भारत पर टैरिफ बढ़ाया और दूसरी ओर पाकिस्तान ने टैरिफ दरों में कटौती की और अब आपसी शुल्क 29प्रतिशत से घटाकर 19 प्रतिशत कर दिया गया है। कुल मिलाकर पाकिस्तान की चीन से दुश्मनी बढ़ेगी और भारत के साथ रिश्ते और अधिक तल्ख होते चले जाएंगे।

अर्जेंटीना की अदालत ने क्रिस्टिना फर्नांडीज डी किर्चनर पर हमले के दोषियों को सुनाई सजा

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना की एक अदालत ने बुधवार को देश की पूर्व उपराष्ट्रपति और विपक्ष की प्रमुख नेता क्रिस्टिना फर्नांडीज डी किर्चनर की हत्या के प्रयास के मामले में दो लोगों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। यह हमला वर्ष 2022 में हुआ था, जब किर्चनर उपराष्ट्रपति पद पर थीं। अदालत ने फर्नांडो साबाग मोंटिएल, जो ब्राजील का नागरिक है और अर्जेंटीना में रह रहा था, को हत्या के प्रयास के अपराध में 10 साल की सजा सुनाई। वहीं उसकी पूर्व प्रेमिका ब्रेंडा उलिआर्टे को अपराध में सहयोगी होने के लिए 8 साल की सजा दी गई। मोंटिएल ने उस वक्त किर्चनर के सिर के ठीक पास लोडेड पिस्तौल तानकर ट्रिगर दबाया था, लेकिन हथियार नहीं चला। बाद में उसने अदालत में स्वीकार किया कि उसका उद्देश्य किर्चनर की हत्या करना था। देश की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक हस्तियों में शामिल किर्चनर पर हुए इस हमले ने पूरे अर्जेंटीना को झकझोर दिया था और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसकी निंदा हुई थी।

अपनों के लिए धड़का इजराइल का दिल

तेल अवीव,09 अक्टूबर (एजेंसियां) । इजराइल और हमास के बीच एक और युद्धविराम होने की सूचना से बंधकों के परिवार ही नहीं राजनीतिक दल बेहद उत्साहित हैं। बंधकों के परिवारों का दिल तेजी धड़क उठा है। लोग जल्द से जल्द अपने प्रियजनों को देखने के लिए बेताब हैं। इजराइल की प्रमुख राजनीतिक हस्तियां और नेता हमास के साथ हुए इस समझौते से खुश है।

रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग ने कहा कि इस समय इजराइल का दिल बंधकों और उनके परिवारों के साथ एक होकर धड़क रहा है। उन्होंने भावुक होते हुए एक्स पर लिखा, भविष्यवक्ता यिर्मयाह ने कहा था कि वे दुश्मन के देश से लौट जाएंगे और बच्चे अपनी सीमाओं पर लौट जाएंगे।

रक्षामंत्री इजराइल काट्ज ने इस समझौते को बहुत बड़ा आशीर्वाद बताते हुए इसके लिए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आभार जताया है। उन्होंने इस समझौते को संभव बनाने वाले नेतृत्व और इजराइली रक्षा बलों के सैनिकों को भी धन्यवाद दिया।

कैट्ज ने एक्स पोस्ट में लिखा, मैं बंधकों के परिवारों को उनके प्रियजनों, जिनमें आईडीएफ के सैनिक और शहीद सैनिक भी शामिल हैं, की अपेक्षित घर वापसी के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। पूरा देश इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा है और उत्साहित है।

विपक्षी नेता यायर लैपिड ने लिखा, हम अपने बच्चों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। धन्यवाद ट्रंप! पूर्व रक्षामंत्री बेनी गैंट्ज़ ने लिखा, हमारे सभी अपहृत लोगों को वापस लाने की योजना के लिए बधाई। हमारी संवेदनाएं उन 48 परिवारों के साथ हैं और हम उन सभी की वापसी की आशा और प्रार्थना करते हैं। जीवित लोग अपने प्रियजनों के पास लौटें।

दुनिया के कई देशों की महिलाओं को फंसाया, पैसे ठगे फिर फंसा इंटरपोल के जाल में

लंदन,09 अक्टूबर (एजेंसियां) । ब्रिटेन, अमेरिका और भारत जैसे कई देशों में ठगी करने वाला इंटरपोल के हत्थे चढ़ गया है। अर्जेंटीना में इंटरपोल और स्थानीय एजेंसियों की संयुक्त कार्रवाई में नाइजीरिया के नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। यह मामला इसलिए खास है क्योंकि देश में पहली बार किसी ऐसे भगोड़े को पकड़ा गया है, जिसके खिलाफ इंटरपोल के साथ नोटिस भी जारी था।

इस कार्रवाई में अर्जेंटीना की फेडरल पुलिस एयर सिक्योरिटी पुलिस ब्राजील ने मिलकर हिस्सा लिया। सभी एजेंसियों के बीच समन्वय और रियल-टाइम जानकारी के आदान-प्रदान की वजह से यह बड़ी सफलता मिली है ।यह गिरफ्तारी इंटरपोल के चल रहे ग्लोबल ऑपरेशन जैकाल के तहत की गई है। इस ऑपरेशन का उद्देश्य पश्चिम अफ्रीकी संगठित आपराधिक गिरोहों पर शिकंजा कसना है, जो ऑनलाइन फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियों में शामिल हैं ।दरअसल, गिरफ्तार आरोपी पर आरोप है कि उसने हजारों

महिलाओं को रोमांस स्कैम का शिकार बनाया, यानी ऑनलाइन प्यार और भरोसे का झांसा देकर उनसे पैसे ऐंठे। बताया जा रहा है कि उसने भारत समेत कई देशों की महिलाओं को निशाना बनाया और इसके ज़रिए एक अंतर्राष्ट्रीय साइबर क्राइम नेटवर्क चलाता था। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह पायलट प्रोजेक्ट की बड़ी उपलब्धि भी मानी जा रही है। जनवरी 2025 में लॉन्च किए गए इस प्रोजेक्ट का मकसद सदस्य देशों को अपराध से अर्जित संपत्तियों को ट्रैक और बरामद करने में मदद करना है। यह इंटरपोल की नई तकनीकी पहल है, जो मनी ट्रेल और साइबर अपराधों की जांच में गेमचेंजर साबित हो रही है। इस गिरफ्तारी को इंटरपोल के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और आधुनिक तकनीकी प्रयासों की एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

मेडिकल इमेजिंग के क्षेत्र में वैज्ञानिकों ने हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि

नॉर्थवेस्टर्न। अमेरिका और चाइना के वैज्ञानिकों ने मेडिकल इमेजिंग के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। अमेरिका की नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी और चीन की सूझो यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने मिलकर दुनिया का पहला पेरोव्स्काइट-बेस्ड डिटेक्टर विकसित किया है, जो गामा किरणों को बेहद सटीकता से पकड़ने में सक्षम है। यह नई तकनीक मेडिकल डायग्नोसिस के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। इस खोज के जरिए स्पेक्ट स्कैनिंग (सिंगल- फोटोन इमिशन कम्प्यूटेड टोमोग्राफी) अब पहले से कहीं अधिक साफ, सस्ती और सुरक्षित हो जाएगी। अब तक मेडिकल स्कैनिंग के लिए सीझेडटी (कैडमियम जिंक टेलुराइड) और एनएआई (सोडियम आयोडाइड) क्रिस्टल्स का उपयोग किया जाता रहा है। हालांकि, इन दोनों की अपनी सीमाएं थीं। सीझेडटी डिटेक्टर्स की कीमत लाखों डॉलर तक होती है और वे बेहद नाजुक होते हैं, जबकि एनएआई डिटेक्टर्स सस्ते तो हैं, लेकिन उनसे बनने वाली इमेज धुंधली और कम सटीक होती है। नई पेरोव्स्काइट तकनीक इन दोनों की कमियों को खत्म करती है और इमेजिंग की गुणवत्ता को नई ऊंचाई पर ले जाती है। पेरोव्स्काइट क्रिस्टल्स को पहले सौर ऊर्जा उत्पादन में उनकी दक्षता के लिए जाना जाता था, लेकिन अब इन्हें चिकित्सा तकनीक में भी उतनी ही क्रांतिकारी भूमिका निभाते देखा जा रहा है।

मैक्सवेल को उम्मीद, भारत के खिलाफ टी20 सीरीज़ से कर सकते हैं वापसी

मेलबर्न,09 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अगले एक महीने में फिर से मैदान पर उतर सकते हैं। मैक्सवेल ने संकेत दिए हैं कि वह भारत के खिलाफ टी20 सीरीज़ के आखिरी मुकाबलों में वापसी कर सकते हैं। मैक्सवेल ने पिछले हफ्ते अपनी दाहिनी कलाई की सर्जरी कराई थी, जो न्यूजीलैंड सीरीज़ से पहले ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हो गई थी।

उन्होंने ऑपरेशन का फैसला इसलिए लिया ताकि रिकवरी प्रक्रिया तेज़ हो सके। ऑस्ट्रेलिया ने मैक्सवेल को भारत के खिलाफ शुरुआती दो टी20 मैचों के लिए टीम में शामिल नहीं किया है, लेकिन 2 नवंबर से शुरू होने वाले आखिरी तीन मैचों में उनकी वापसी संभव है।

मैक्सवेल ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, सर्जरी कराने का मकसद यही था कि मुझे भारत सीरीज़ में खेलने का एक छोटा सा मौका मिल सके। अगर सर्जरी नहीं कराता तो पूरी सीरीज़ मिस करनी पड़ती। अब उम्मीद है कि कुछ हिस्सा खेल सकूं और अगर नहीं तो बिग बैश लीग (बीबीएल) में समय पर वापसी कर लूंगा।

36 वर्षीय मैक्सवेल की बांह से प्लास्टर बुधवार को ही उतारा गया है और उन्होंने बेसिक मूवमेंट एक्सरसाइज़ शुरू कर दी हैं।

ऑस्ट्रेलिया के लिए मैक्सवेल की वापसी मिड–सीरीज़ में फायदेमंद हो सकती है क्योंकि टीम टी20 विश्व कप (फरवरी 2026) से पहले अपने प्रमुख खिलाड़ियों को गेम टाइम देना चाहती है, वहीं कुछ खिलाड़ी एशेज की तैयारी में भी जुटे हैं। इस बीच जोश हेज़लवुड ने एशेज से पहले शेफील्ड शील्ड में खेलने की इच्छा जताई है। ट्रैविस हेड और जोश इंग्लिस भी अक्टूबर 28 और नवंबर 10 से शुरू होने वाले शील्ड मैचों में हिस्सा ले सकते हैं।

मैक्सवेल के बीबीएल में मेलबर्न स्टार्स के लिए 18 दिसंबर को पहले मैच में उतरने की पूरी संभावना है। वह विक्टोरिया के लिए 2 दिसंबर को होने वाले वनडे कप मुकाबले में भी वापसी कर सकते हैं, हालांकि शील्ड में उनके खेलने की उम्मीद नहीं है। मैक्सवेल के करियर में हाल के वर्षों में चोटों की एक श्रृंखला रही है — 2022 में पैर टूटना, 2023 में गोल्फ कार्ट से गिरकर कंकशन और अब कलाई की चोट। मैक्सवेल ने बताया कि न्यूजीलैंड में नेट प्रैक्टिस के दौरान मिचेल ओवेन के ज़ोरदार पुल शॉट से गेंद उनकी बांह पर लगी थी। उन्होंने कहा, ये बस बदकिस्मती थी। गेंद सीधे हड्डी पर लगी और कुछ नहीं हुआ, पर चोट लग गई। ऐसे हादसे अक्सर होते हैं, बस सुनाई नहीं देते।

ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत टी 20 शेड्यूल -

- **29 अक्टूबर:** पहला टी20, मनुका ओवल, कैनबरा
- **31 अक्टूबर:** दूसरा टी20, एमसीजी, मेलबर्न,
- **2 नवंबर:** तीसरा टी20, बेलरीव ओवल, होबार्ट,
- **6 नवंबर:** चौथा टी20, गोल्ड कोस्ट स्टेडियम, गोल्ड कोस्ट।
- **8 नवंबर:** पांचवां टी20, द गाबा, ब्रिस्बेन।

न्यूज ब्रीफ

टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 25 वें स्थान पर पहुंचे जडेजा

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी)

बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 25 वें स्थान पर पहुंच गये हैं। जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में 104 रन की नाबाद पारी खेली थी। अपनी इस पारी के साथ ही जडेजा के कुल 644 अंक हो गए हैं और वह पायदान ऊपर आये हैं। जडेजा की इससे पहले टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 29 थी। बल्लेबाजी के अलावा जडेजा ने गेंदबाजी में भी प्रभावित किया। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरी पारी में 4 विकेट लिए। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 3 विकेट हासिल करने वाले मोहम्मद सिराज गेंदबाजों की सूची में 3 स्थान ऊपर आकर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वह पहली बार 700 रेटिंग अंकों से ऊपर पहुंचे हैं। इस टेस्ट मैच के साथ ही अपनी रैंकिंग सुधारने वाले अन्य खिलाड़ियों में केएल राहुल और ध्रुव जुरेल भी हैं। राहुल अब बल्लेबाजी रैंकिंग में चार स्थान के लाभ के साथ ही 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि अपना पहला टेस्ट शतक लगाने के बाद ध्रुव जुरेल 20 स्थानों की छलांग लगाकर 65वें स्थान पर पहुंच गये हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में स्पिनर कुलदीप यादव वेस्टइंडीज के खिलाफ कुल चार विकेट लेकर सात स्थान के लाभ के साथ ही 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरे ओर आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श की शीर्ष–10 बल्लेबाजों में वापसी हुई है। मार्श को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 85 और तीसरे मैच में नाबाद 103 रन बनाने का लाभ मिला।

आर्कटिक ओपन: लक्ष्य सेन बाहर, मन्नेपल्ली ने भारतीय उम्मीदें बरकरार रखीं

एस्पू (फिनलैंड)। अनजान लेकिन प्रतिभाशाली भारतीय खिलाड़ी थरुन मन्नेपल्ली ने आर्कटिक ओपन 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व नंबर 14 टोमा जूनियर पोपोव को हराकर देश की पुरुष एकल में उम्मीदों को जिंदा रखा। वहीं लक्ष्य सेन को एक और निराशाजनक पहले दौर की हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 46वें नंबर के मन्नेपल्ली ने शुरुआती गेम गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए पोपोव को 11–21, 21–11, 22–20 से हराया। एक घंटे आठ मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में उन्होंने निर्णायक गेम में चार मैच प्वाइंट बचाते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। अब प्री–क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला जापान के विश्व नंबर 18 कोकी वतनाबे से होगा। वहीं, पेरिस ओलंपिक सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन को जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त कोडाई नाराओका के हाथों 21–15, 21–17 से हार झेलनी पड़ी। 57 मिनट तक चले मैच में लक्ष्य शुरुआत से ही पिछड़ते नजर आए और पहले गेम के अंतराल पर 6–11 से पीछे हो गए। दूसरे गेम में उन्होंने थोड़ी चुनौती दी, लेकिन नाराओका ने ब्रेक के बाद तेजी दिखाते हुए लक्ष्य को सात और अंक ही लेने दिए। यह लक्ष्य की नाराओका के खिलाफ आठ मुकाबलों में छठी हार और 2025 में 10वीं बार पहले दौर से बाहर होना है। हालांकि, पिछले महीने हांगकांग ओपन के फाइनल तक पहुंचकर उन्होंने कुछ सकारात्मक प्रदर्शन भी दिखाया था। अन्य भारतीय खिलाड़ियों के लिए भी दिन अच्छा नहीं रहा।

पाकिस्तान का महिला विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंचना मुश्किल

कोलंबो। आईसीसी महिला विश्वकप क्रिकेट में लगातार मिली तीन हार से पाकिस्तान टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें काफी कम हुई हैं। अभी तक पाक टीम एक भी अंक हासिल नहीं कर पायी है और अंतिम स्थान पर है। ऐसे में उसके शीर्ष चार में पहुंचने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। टीम को अभी 7 लीग मैच खेलने हैं और इनमें से टीम तीन मैच हार गयी है। ऐसे में वह बचे हुए सभी चार मैच जीत लेगी ये असंभव नजर आता है। उसे सेमीफाइनल में प्रवेश करने के लिए अपने सभी चारों मैच जीतने होंगे। वहीं पाक टीम अब अगर एक भी मुकाबला हारती है तो फिर सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो जाएगी क्योंकि इस स्थिति में उसके पास तीन मैच ही रहेंगे और ऐसे में वह कुल 6 अंक ही हासिल कर पायेगी। वहीं न्यूजीलैंड की टीम भी पहले दो मैच हारी है पर बचे हुए मैच जीतकर उसके पास 10 अंकों तक पहुंचने का अवसर है, जबकि पाकिस्तान की टीम सभी मैच जीतकर भी 8 अंकों ही हासिल कर पायेगी। पाकिस्तान को अभी इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और मेजबान श्रीलंका से खेलना है। श्रीलंका की टीम के खिलाफ मुकाबला भी उसके लिए कठिन होगा ।

सऊदी अरब 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफिकेशन से एक कदम दूर, इंडोनेशिया पर दर्ज की रोमांचक जीत

जेद्दाह,09 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

सऊदी अरब ने बुधवार को इंडोनेशिया को 3–2 से हराकर 2026 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ा दिया। अब अगले मंगलवार को इराक के खिलाफ जीत उसे ग्रुप बी में शीर्ष स्थान के साथ सीधे विश्व कप में जगह दिला देगी। यह उसका सातवां विश्व कप होगा।

एशियाई क्वालीफाइंग के चौथे दौर में केवल दो समूहों के विजेताओं को स्वचालित रूप से विश्व कप का टिकट मिलेगा, जबकि उपविजेताओं को पांचवें राउंड में खेलना होगा।

मैच में इंडोनेशिया ने शानदार शुरुआत की। 11वें मिनट में केविन डिक्स ने पेनल्टी पर गोल दागा। हालांकि, सिर्फ छह मिनट बाद सालेह अबू अल–शमात ने बराबरी का गोल कर दिया। 37वें मिनट में फिरास अल–बुरैकान ने पेनल्टी के जरिए सऊदी अरब को बढ़त दिलाई।

दूसरे हाफ में अल–बुरैकान ने एक और गोल कर टीम की स्थिति मजबूत की। हालांकि, 89वें मिनट में केविन डिक्स ने अपनी दूसरी पेनल्टी पर गोल कर इंडोनेशिया को वापसी की उम्मीद दी। स्टॉपेज टाइम में मोहम्मद कान्नो को रेड कार्ड मिला, लेकिन मेजबान टीम ने बढ़त बरकरार रखी।

अगर इंडोनेशिया शनिवार को इराक से हारता है तो उसका 1938 के बाद पहली बार विश्व कप में पहुंचने का सपना टूट जाएगा। इससे पहले ग्रुप ए में कतर और ओमान के बीच मुकाबला 0–0 की बराबरी पर समाप्त हुआ।

कतर के कोच जूलन लोपीतेगुई ने कहा, हमने पूरे मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। विपक्ष ने डिफेंस में मजबूती दिखाई, लेकिन इसके बावजूद हमने कई मौके बनाए। दुर्भाग्य से उन्हें गोल में तब्दील नहीं कर पाए।

वहीं ओमान के कोच कार्लोस क्यूरोज़ ने कहा, ड्रॉ दोनों टीमों के लिए सबसे अच्छा परिणाम है। हार से हमारे क्वालीफिकेशन की उम्मीदों को झटका लग सकता था। हम अब यूएई के खिलाफ मैच की तैयारी पर ध्यान देंगे।

गौरतलब है कि एशिया से कुल 8 टीमों को स्वचालित जगह मिलेगी। जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, उज्बेकिस्तान और जॉर्डन पहले ही जून में तीसरे राउंड से क्वालीफाई कर चुके हैं।

शाई होप की कप्तानी में बांग्लादेश दौरे पर जाएगी वेस्टइंडीज टीम

जमैका । वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने बांग्लादेश दौरे के लिए शाई होप को कप्तान बनाया है। होप एकदिवसीय और टी20 दोनो ही प्रारुपों के लिए टीम के कप्तान बनाये गये हैं। वेस्टइंडीज टीम बांग्लादेश में 18 अक्टूबर से 3–3 मैचों की एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज 18 जबकिक टी20 सीरीज 27 अक्टूबर से शुरु होगी। इस टीम में अंडर 19 टीम की कप्तानी करने वाले एकीम ऑगस्टे को भी शामिल किया गया है। एकीम को चोटिल एविन लुईस की जगह टीम मे रखा गया है। इस दौरे के लिए टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ी शामिल किये गये हैं। होप के अलावा गुडाकेश मोती, शेरफन रदरफोर्ड, जयडेन सील्स, रोमारियो शेफर्ड और ब्रैंडन किंग को दोनों ही टीमों में जगह मिली है। इस सीरीज से अगले साल होने वाले आईसीसी मेंस टी–20 विश्व कप और 2027 आईसीसी मेंस क्रिकेट विश्व कप के लिए वेस्टइंडीज टीम को तैयारी का अवसर मिलेगा। टीम के कोच डैरन सैमी भी इस सीरीज को लेकर उत्साहित हैं। सैमी ने कहा, ये टीम जीत के इरादे से दौरे पर जा रही है। इसके साथ ही ये टीम सामंजस्य बनाए रखने का प्रयास करेगी, जिसका लाभ 2027) विश्व कप में मिलेगा। एकदिवसीय टीम शाई होप (कप्तान), एलिक अथानाजे, एकीम अगस्टे, जेडीया ब्लेड्स, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, जस्टिन ग्रीव्स, अमीर जांगू, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी, खारी पियरे, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड टी20 टीम : शाई होप (कप्तान), एलिक अथानाजे, एकीम अगस्टे, रोस्टन चेज, जेसन होल्डर, अकील होसेन, अमीर जांगू, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोती, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड, रेमन साइमंड्स एकदिवसीय सीरीज का कार्यक्रम , पहला एकदिवसीय: 18 अक्टूबर– मीरपुर, ढाका , दूसरा एकदिवसीय: 21 अक्टूबर– मीरपुर, ढाका , तीसरा एकदिवसीय: 23 अक्टूबर– मीरपुर, ढाका , टी20 सीरीज का कार्यक्रम , पहला टी20 : अक्टूबर 27– चटगांव , दूसरा टी20 : 29 अक्टूबर– चटगांव , तीसरा टी20: 31 अक्टूबर – चटगांव ।

अफगानिस्तान ने पहले वनडे में बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया

सीरीज में 1–0 की बढ़त

अबू धाबी,09 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

अफगानिस्तान ने तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में बुधवार देर रात बांग्लादेश को 5 विकेट से हराकर 1–0 की बढ़त बना ली। शानदार गेंदबाज़ी के बाद रहमत शाह और रहमानुल्लाह गुरबाज़ की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत अफगान टीम ने 222 रनों के लक्ष्य को 47.1 ओवर में आसानी से हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत बेहद खराब रही। तेज गेंदबाज़ अजमतुल्लाह ओमरजई ने शुरुआती झटके देकर मेज़बान टीम को बैकफुट पर धकेल दिया। टॉप–3 बल्लेबाज़ सिर्फ 53 रन पर पवेलियन लौट गए। इसके बाद तौहीद ह्रिदॉय (56 रन) और मेहदी हसन मिराज़ (60 रन) ने चौथे विकेट के लिए 101 रनों की अहम साझेदारी कर टीम को संभाला। लेकिन एक गलत कॉल के चलते तौहीद रन आउट हो गए और यहीं से बांग्लादेश की पारी लड़खड़ा गई। राशिद खान ने अपने तीसरे स्पेल में आते ही मिराज़ को एलबीडब्ल्यू कर 200वां वनडे विकेट झटका। उन्होंने जल्दी ही जाकिर अली और नुरुल हसन को भी आउट कर मध्यक्रम को ध्वस्त कर दिया। राशिद ने 38 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि ओमरजई ने 40 रन पर 3 विकेट हासिल किए। ग़ज़नफ़र ने भी 2 विकेट झटके। पूरी बांग्लादेश टीम 48.5 ओवर में 221 रन पर सिमट गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की ओपनिंग जोड़ी ने शानदार शुरुआत की। इब्राहिम ज़द्रान और रहमानुल्लाह गुरबाज़ ने पहले 10 ओवर में 50 रन जोड़ दिए। ज़द्रान 25 रन बनाकर आउट हुए, जबकि गुरबाज़ ने 50 रन की पारी खेली। रहमत शाह ने भी 50 रन बनाए और मध्यक्रम को मज़बूती दी।

हालांकि दोनों सेट बल्लेबाज़ अर्धशतक पूरा करने के तुरंत बाद आउट हो गए, लेकिन ओमरजई (40) और कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने 59 रनों की साझेदारी कर टीम को जीत की ओर अग्रसर कर दिया। अंत में मोहम्मद नबी ने छक्का लगाकर 17 गेंद शेष रहते मैच समाप्त किया।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड:

बांग्लादेश – 221 रन (48.5 ओवर)

मेहदी हसन मिराज़ 60, तौहीद ह्रिदॉय 56; राशिद खान 3/38, अजमतुल्लाह ओमरजई 3/40

अफगानिस्तान – 226/5 (47.1 ओवर)

रहमानुल्लाह गुरबाज़ 50, रहमत शाह 50; तंज़ीम हसन साकिब 3/31, मेहदी हसन मिराज़ 1/32 ।

रोहित को अब स्वयं संन्यास ले लेना चाहिये : मनोज तिवारी

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा है कि रोहित शर्मा को अब टेस्ट और टी20 की तरह ही एकदिवसीय प्रारुप से भी संन्यास की घोषणा कर देनी चाहिये। मनोज के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जिस प्रकार से शुभमन गिल को एकदिवसीय टीम की कप्तानी दी है। उससे साफ संकेत है कि अब रोहित भविष्य की योजनाओं में शामिल नहीं है। इसलिए उन्हें संन्यास की घोषणा करने में देर नहीं करनी चाहिये। वहीं अगर वह अब भी एक खिलाड़ी के तौर पर खेलना चाहते हैं तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे में बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। साथ ही कहा कि अगर मैं उनकी जगह होता तो संन्यास लेने के बारे में सोचता। उनके जैसे खिलाड़ी की उपेक्षा नहीं होनी चाहिये। तिवारी ने कहा कि कप्तान के रूप में रोहित का प्रदर्शन ऐसा नहीं था कि उन्हें पद से हटाया जाए। उन्होंने केवल एक आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती बल्कि दो जीतीं हैं। एकदिवसीय विश्व कप में भी वह जीत के बहुत करीब पहुंच गए थे। कप्तान और खिलाड़ी, दोनों के तौर पर उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा है।

मप्र राज्य शूटिंग अकादमी में ऑल इंडिया जीवी मावलंकर शूटिंग चैंपियनशिप प्रारंभ

देशभर से दो हजार निशानेबाज़ लेंगे हिस्सा, नई प्रतिभाओं को मिलेगा नेशनल चैंपियनशिप का अवसर

भोपाल,09 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित राज्य शूटिंग अकादमी में गुरुवार से आगामी 15 अक्टूबर तक ऑल इंडिया जीवी मावलंकर शूटिंग चैंपियनशिप (राइफल इवेंट) का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर से लगभग दो हजार निशानेबाज़ भाग लेंगे।

प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण संचालक राकेश गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि यह चैंपियनशिप उन खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर है जो शूटिंग खेल की शुरुआत कर रहे हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर खिलाड़ी आगामी नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए मिनिमम क्वालिफाइंग स्कोर हासिल कर सकेंगे, जिससे उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से लगभग

दो हजार निशानेबाज़ भाग लेने के लिए भोपाल पहुँच रहे हैं। मावलंकर चैंपियनशिप को भारतीय शूटिंग कैलेंडर में प्रवेश स्तर की सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिता माना जाता है, जहाँ नए खिलाड़ी अपने प्रदर्शन के आधार पर आगे की प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफाई करते हैं। ऐसे खिलाड़ी जो पहली बार शूटिंग खेल में अपनी शुरुआत कर रहे हैं, वे इस प्रतियोगिता के माध्यम से आगामी नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए मिनिमम क्वालिफाइंग स्कोर हासिल करेंगे। यह आयोजन देशभर में शूटिंग खेल को प्रोत्साहन देने और नई प्रतिभाओं को आगे लाने की दिशा में एक अहम कदम है। इस चैंपियनशिप की मेज़बानी मध्य प्रदेश का खेल एवं युवा कल्याण विभाग और मप्र राज्य राइफल संघ संयुक्त रूप से कर रहे हैं। राज्य की अत्याधुनिक शूटिंग अकादमी इस आयोजन के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं और विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर से सुसज्जित है। खेल संचालक गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि मावलंकर शूटिंग चैंपियनशिप जैसे आयोजन नई प्रतिभाओं को पहचान देने और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने का उत्कृष्ट अवसर हैं।

रैली डू मोरोक में उतरने वाली पहली एशियाई और भारतीय महिला बनी एश्वर्या पिस्से

फेज (मोरक्को),09 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

पुर्तगाल में ऐतिहासिक जीत के बाद भारत की स्टार रैली राइडर एश्वर्या पिस्से अब एक और बड़ा मुकाम हासिल करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने हाल ही में बीपी अल्टीमेट रैली–रेड पुर्तगाल 2025 में अपनी श्रेणी में खिताब जीतकर एशिया और भारत की पहली महिला राइडर बनने का गौरव प्राप्त किया था। अब वह विश्व की प्रतिष्ठित और चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिताओं में से एक रैली डू मोरोक में हिस्सा लेने जा रही हैं, जो 10 से 17 अक्टूबर तक आयोजित होगी।

2,299 किमी के कठिन ट्रैक पर होगी परीक्षा

रैली डू मोरोक 2025 के 26वें संस्करण में प्रतियोगियों को 2,299 किलोमीटर लंबा मार्ग फेज़ से एरफूड तक तय करना होगा, जिसमें 1,478 किलोमीटर की स्पेशल स्टेज शामिल है। इस साल की रैली में कुल 229 वाहन और 120 से

अधिक अंतरराष्ट्रीय राइडर्स हिस्सा लेंगे।

इन सबमें एश्वर्या पिस्से एक बार फिर इतिहास रचने जा रही हैं — वह दो पहियों पर उतरने वाली एशिया की एकमात्र और भारत की पहली महिला राइडर होंगी। वह ड्ढ2ऋ रैली 2 – विमेंस कैटेगरी में उतरेंगी। उनका लक्ष्य है महिलाओं के लिए मोटरस्पोर्ट्स में नए मानक स्थापित करना और डकार 2027 की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाना। एश्वर्या ने कहा, पुर्तगाल के बाद मेरा आत्मविश्वास और रफ्तार दोनों ही बेहतर हैं। रैली डू मोरोक वर्ल्ड रैली–रेड कैलेंडर की सबसे कठिन प्रतियोगिताओं में से एक है। यहां मैं खुद को डकार के लिए तैयार करने, सीखने और अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने के लिए उतरी हूं। रैली डू मोरोक 2025, एफआईएम वर्ल्ड रैली–रेड चैम्पियनशिप का अंतिम राउंड है। यह रैली अपने रेतीले टीलों, पथरीली राहों और जटिल नेविगेशन चुनौतियों के लिए प्रसिद्ध है। यह प्रतियोगियों की सहनशक्ति, फोकस और निरंतरता की सख्त परीक्षा लेती है — और एश्वर्या पिस्से अब तक इन सभी गुणों की मिसाल बन चुकी हैं। भारत के मोटरस्पोर्ट इतिहास में एश्वर्या का यह कदम न सिर्फ एक बड़ी उपलब्धि है बल्कि भविष्य की महिला राइडर्स के लिए प्रेरणा भी बनेगा।

रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेलेंगे शमी और आकाशदीप, अभिमन्यु करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली। लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेलते नजर आयेंगे। शमी चैम्पियंस ट्राफी के बाद से ही टीम में वापसी नहीं कर पाये हैं। शमी के अलावा : मोहम्मद शमी को भारत की टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों टीमों से बाहर रखा गया है। युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप भी इस टीम में शामिल रहेंगे। टीम की कप्तानी अभिमन्यु ईश्वरन को दी गयी है। अभिमन्यु का लक्ष्य भी इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर एक बार फिर भारतीय टीम में जगह के लिए दावेदारी करना रहेगा। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) ने इस टीम का कप्तानी उपकप्तान विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल को बनाया है। टीम की तेज गेंदबाजी की कमान शमी और आकाश दीप के पास रहेगी। वहीं बल्लेबाजी की जिम्मेदारी अभिमन्यु ईश्वरन और अभिषेक पोरेल के साथ–साथ अनुस्तूप मजूमदर, सुदीप चटर्जी और युवा बल्लेबाज सुदीप कुमार के पास रहेगी। राहुल प्रसाद, सौरभ कुमार सिंह और विशाल भाटी भी रणजी में बेहतर प्रदर्शन कर सभी का ध्यान खींचना चाहेंगे। लक्ष्मी रतन शुक्ला को टीम का मुख्य कोच बनाया गया है जबकि अरूप भट्टाचार्य और शिब शंकर पॉल टीम के सहायक कोच होंगे। चरणजीत सिंह मथारू को फील्डिंग कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। बंगाल की टीम अपने रणजी ट्रॉफी मुकाबलों की शुरुआत 15 अक्टूबर को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में करेगी। उसका पहला मैच उत्तराखंड से होगा। इसके बाद 25 अक्टूबर को वह गुजरात से खेलेगी। शमी, आकशीप आर अभिमुन्यु का प्रयास रणजी में बेहतर प्रदर्शन कर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए अपनी दावेदारी पेश करना रहेगा।

केनरा रोबेको एएमसी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च, 13 तक कर सकते हैं आवेदन

नई दिल्ली,09 अक्टूबर (एजेंसियां)। म्यूचुअल फंड कंपनी केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) का 1,326.13 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 13 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 4,98,54,357 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में कोई भी नया शेयर जारी नहीं हो रहा है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 253 रुपये से लेकर 266 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 56 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,896 रुपये का निवेश करना होगा। आईपीओ खुलने से एक दिन पहले बुधवार को केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने एंकर इनवेस्टर्स से 397.84 करोड़ रुपये जुटाए। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 53.26 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 32.72 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.02 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 14 अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। कंपनी के शेयर 16 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 79 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इसके अगले साल वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़ कर 151 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 190.70 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 27 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 404 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से जून की पहली तिमाही के दौरान कंपनी को 60.98 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है, जबकि कंपनी को इस अवधि में 121.34 करोड़ रुपये की आय हुई है।

न्यूज ब्रीफ

हरियाणा में डाइकिन बनाएगी 1000 करोड़ का आरएंडडी सेंटर

चंडीगढ़। ओसाका (जापान) में हरियाणा सरकार और जापान की प्रसिद्ध कंपनी डाइकिन इंडस्ट्रीज मिटेड के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत डाइकिन हरियाणा में 1000 करोड़ के निवेश से एक अत्याधुनिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) सेंटर स्थापित करेगी। इस परियोजना से राज्य में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जापान दौरे पर है। इसी दौरान ओसाका स्थित डाइकिन के मुख्यालय में यह समझौता हुआ। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में जापान दौरे के दौरान ओसाका में हुआ समझौता हरियाणा सरकार की ओर से उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल और डाइकिन की ओर से उप प्रबंध निदेशक शोगो एंडो ने हस्ताक्षर किए। इस आरएंडडी सेंटर में ऊर्जा कुशल और पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों पर शोध होगा। डाइकिन के अधिकारियों के अनुसार यह केंद्र कंपनी के प्रमुख अनुसंधान केंद्रों में से एक होगा। इससे हरियाणा और जापान के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे।

नवरात्रि अवधि में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में आया उछाल

नई दिल्ली। हाल ही नवरात्रि अवधि में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में जबर्दस्त उछाल आया है। इस दौरान यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 35 प्रतिशत बढ़कर 2,17,744 इकाई हो गई। इसी अवधि में पिछले साल यह 1,61,443 इकाई थी। यह जानकारी फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) ने दी। फाडा के अनुसार, सितंबर महीने के पहले 21 दिन में बिक्री धीमी रही और 22 सितंबर को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरें लागू होने के बाद इसमें तेजी आई। वाहन डीलर के संगठन के अनुसार, इस उच्च बिक्री के कारण सितंबर में यात्री वाहन खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 2,82,945 इकाई से छह प्रतिशत बढ़कर 2,99,369 इकाई हो गई। 22 सितंबर के बाद नई जीएसटी दर लागू होने के बाद कीमतों में कटौती की उम्मीद कर रहे ग्राहकों ने महीने के पहले हिस्से में खरीदारी नहीं की। फाडा के उपाध्यक्ष साई गिरिधर ने बयान में कहा, ''देश के मोटर वाहन खुदरा उद्योग के लिए सितंबर 2025 एक असाधारण रूप से अनूठा महीना था। पहले तीन सप्ताह काफी हद तक शांत रहे क्योंकि ग्राहक जीएसटी 2.0 सुधारों की प्रत्याशा में पीछे हट गए। हालांकि, अंतिम सप्ताह में स्थिति नाटकीय रूप से बदल गई क्योंकि नवरात्रि उत्सव कम जीएसटी दरों के कार्यान्वयन के साथ मेल खाता था जिससे ग्राहक भावना में सुधार हुआ और अधिकतर वाहन श्रेणियों की बिक्री में तेजी आई।

टाटा दूसरी तिमाही के नतीजों के लिए तैयार!

नई दिल्ली। इंडियन शेयर बाजार में दूसरी तिमाही के नतीजों का सीजन शुरू हो गया है। इसी कड़ी में टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा कम्युनिकेशन्स ने भी अपनी दूसरी तिमाही 26 की कमाई की तारीख और समय घोषित किया है। कंपनी ने यह जानकारी एक्सचेंज फाइलिंग के जरिए दी। टाटा कम्युनिकेशन्स के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग बुधवार, 15 अक्टूबर को तय की गई है। इस मीटिंग में 30 सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही और छमाही के बिना ऑडिट किए गए वित्तीय नतीजों को मंजूरी दी जाएगी। बोर्ड की मीटिंग में स्टैंडअलोन और कंसोलिडेटेड नतीजे के साथ स्टैच्यूटरी ऑडिटर्स की लिमिटेड रिव्यू रिपोर्ट भी शामिल होगी। कंपनी ने पहली तिमाही 26 के नतीजे 17 जुलाई 2025 शाम लगभग 6.50 बजे घोषित किए थे। इसलिए उम्मीद की जा रही है कि दूसरी तिमाही 26 के नतीजे भी 15 अक्टूबर को शाम 6.30-7 बजे के आसपास घोषित किए जाएंगे। टाटा कम्युनिकेशन्स ने यह भी बताया कि कंपनी की ट्रेडिंग विंडो 24 सितंबर 2025 से बंद है और यह 48 घंटे तक बंद रहेगी जब तक कि नतीजे स्टॉक एक्सचेंज पर घोषित नहीं हो जाते।

स्पेक्ट्रम की कीमतें तय होने के बाद देश में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाएं शुरू होंगी : सिंधिया

नई दिल्ली,09 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को कहा कि भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) से स्पेक्ट्रम की कीमतें तय होने के बाद देश में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाएं शुरू होंगी। इसके पहले कंपनियों को भी अपनी योजना को अंतिम रूप दिया जाना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दो कंपनियों को उपग्रह संचार सेवाओं के लिए लाइसेंस दिए गए हैं, जबकि एक अन्य को आशय पत्र (एलओआई) जारी किया गया है। नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी 2025) में पत्रकारों के साथ बातचीत में केंद्रीय संचार मंत्री ने कहा कि यह कंपनियों पर निर्भर करता है कि वे कितनी जल्दी अपनी क्रियान्वयन रणनीति लागू कर पाती हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि एक मुद्दा यह है कि ट्राई को अभी स्पेक्ट्रम मूल्य निर्धारण को अंतिम रूप देना है। यह लंबित हिस्सा है और नियामक इसे पूरा करेगा। वोडाफोन आइडिया को राहत दिए जाने के संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कर्ज में डूबी इस कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी बढ़ाने की किसी भी योजना से इनकार किया। इससे पहले दूरसंचार मंत्री ने भारत मोबाइल कांग्रेस 2025 के दूसरे दिन की शुरुआत भारत के दूरसंचार दृष्टिकोण को रेखांकित करने के लिए हितधारकों के साथ नेतृत्व संवाद के साथ किया। उन्होंने आईएमसी-2025 के दौरान इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और भारत के यूनिकॉर्न मिलकर भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। इससे 1.8 लाख स्टार्टअप्स को सशक्त बनाने से लेकर नवाचार, समावेशन और वैश्विक नेतृत्व को बढ़ावा देने वाले दूरसंचार और डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण हुआ है, जबकि दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के साथ नए भारत के उद्यमों का पोषण हो रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत में सैटकॉम सेवा शुरू होने को लेकर लोगों में उत्सुकता बढ़ रही है। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्टारलिंक, भारती समर्थित यूटेलसैट वनवेब और रिलायंस जियो-एसईएस जैसी प्रमुख कंपनियां भारतीय आकाश से प्रसारित होने वाले ब्रॉडबैंड के इस महत्वपूर्ण खेल पर गहरी नजर रख रही हैं। सरकार ने यूटेलसैट वनवेब और जियो-एसईएस को अनुमति प्रदान कर दी है, जबकि स्टारलिंक को आशय पत्र (एलओआई) जारी कर दिया है।

भारत के 100 प्रमुख अमीरों की दौलत में गिरावट, अंबानी फिर भी शीर्ष पर कायम

वाशिंगटन। फोर्ब्स की ताज़ा 2025 सूची के अनुसार भारत के टॉप 100 अमीरों की कुल संपत्ति में 9 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, जो अब घटकर एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर रह गई है। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 100 अरब डॉलर की कमी है। इस गिरावट के पीछे रुपये की गिरती कीमत और सेंसेक्स में 3 फीसदी की गिरावट को मुख्य कारण बताया गया है। हालांकि, मुकेश अंबानी ने लगातार 16वें साल भारत के सबसे अमीर व्यक्ति के रूप में अपना स्थान बनाए रखा है। रिलायंस के चेयरमैन की संपत्ति 14.5 अरब डॉलर घटकर अब 105 अरब डॉलर रह गई है, लेकिन वे अब भी सेंटिबिलियनेय (100 अरब डॉलर से अधिक संपत्ति वाले) बने हुए हैं। उन्होंने हाल ही में रिलायंस इंटेलीजेंस नाम से एक नया आई डिवीजन शुरू किया है और जियो को 2026 में लिस्ट करने की योजना बनाई है। डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और सेंसेक्स में गिरावट से अमीरों की संपत्ति में आई कमी दूसरे स्थान पर गौतम अडानी और उनका परिवार 92 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ हैं। 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट से हुए झटके के बाद, 2025 में सेबी ने अडानी ग्रुप को क्लीन चिट दी, जिससे उनकी संपत्ति में फिर से सुधार हुआ। तीसरे स्थान पर सावित्री जिंदल हैं, जिनकी संपत्ति 3.5 अरब डॉलर घटकर 40.2 अरब डॉलर रह गई है। वहीं इस साल के सबसे बड़े लाभकर्ता रहे सुनील मित्तल, जिनकी संपत्ति 3.5 अरब डॉलर बढ़कर 34.2 अरब डॉलर हो गई है। वे तीन स्थान ऊपर चढ़कर चौथे पायदान पर पहुंचे हैं, यह वही स्थान है, जो उन्होंने 2008 में हासिल किया था।

भारतीय फार्मा को राहत: अमेरिका ने जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ की योजना रोकी

वाशिंगटन,09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने फिलहाल भारतीय जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ लगाने की योजना टाल दी है, जिससे भारतीय दवा कंपनियों और अमेरिकी उपभोक्ताओं दोनों को बड़ी राहत मिली है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली लगभग 47 फीसदी जेनेरिक दवाएं भारत से आयात की जाती हैं।

टैरिफ लगाने की योजना का उद्देश्य दवा निर्माण को अमेरिका में वापस लाना था, जिसे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (एमएजीए) समर्थकों ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ा। लेकिन ट्रंप की घरेलू नीति परिषद के कुछ सदस्य इसके खिलाफ थे। उनका तर्क था कि इससे न केवल दवाएं महंगी होंगी, बल्कि आपूर्ति संकट भी उत्पन्न हो

अमेरिका की 47 फीसदी जेनेरिक दवाएं भारत से आयात की जाती हैं

सकता है। भारत जैसे देशों में जेनेरिक दवाओं का उत्पादन अमेरिका की तुलना में कहीं सस्ता है, जिससे अमेरिकी उत्पादन प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाता। आईक्यूवीआईए के अनुसार, अमेरिका की फार्मेसियों में बिकने वाली लगभग आधी जेनेरिक दवाएं भारत से आती हैं, जबकि घरेलू अमेरिकी कंपनियों की हिस्सेदारी सिर्फ 30 प्रतिशत है। मेटफॉर्मिन (डायबिटीज), एटोरवास्टेटिन (कोलेस्ट्रॉल), लोसार्टन (ब्लड प्रेशर) और एंटीबायोटिक्स जैसी आम दवाओं की सप्लाई में भारत अग्रणी है। चीन के साथ पिछले टैरिफ युद्धों में हुए नुकसान को देखते हुए ट्रंप प्रशासन नहीं चाहता था कि दवा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में भी जनता को कीमतों की मार झेलनी पड़े। ऐसे में, जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ लगाने की योजना को रोकना एक व्यावहारिक फैसला माना जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत-ब्रिटेन की...

- जो भारत आने वाला अब तक का सबसे बड़ा ब्रिटिश व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल है और भारत में सहयोग की योजना बना रहे प्रमुख ब्रिटिश विश्वविद्यालयों के नौ कुलपति भी शामिल हैं।

42% आरक्षण देने...

अधिवक्ता ने प्रस्तुत किया कि धारा 285ए में अभी तक संशोधन नहीं किया गया है। उक्त प्रावधान में संशोधन करने वाले विधान को राज्यपाल की सहमति के लिए आवश्यक रूप से रखा गया है, और इस प्रकार सरकारी आदेश पर रोक लगाई जानी चाहिए।

इस प्रकार यह प्रस्तुत किया गया कि धारा 285ए के उल्लंघन में विवादित सरकारी आदेश लाने में राज्य सरकार की विवादित कार्रवाई, जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के ऊर्ध्वाधर आरक्षण के लिए 50% की सीमा निर्धारित करती है, और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण करते समय राज्य को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के हित को ध्यान में रखने की आवश्यकता भी रखती है, स्पष्ट रूप से धारा 285ए के साथ-साथ के. कृष्णा मूर्ति और अन्य मामलों में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित कानून का उल्लंघन है। इस प्रकार सरकारी आदेश पर रोक लगा दी गई और प्रतिवाद हलफनामा दाखिल करने के लिए 4 सप्ताह और पुनः उत्तर दाखिल करने के लिए 2 सप्ताह का समय दिया गया।

तेलंगाना स्थानीय निकाय...

292 जेडपीटीसी और 2963 एमपीटीसी के लिए मतदाता सूचियां भी रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालयों के सामने प्रदर्शित की गई हैं।

पहले चरण का मतदान 23 अक्टूबर को सुबह 7:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक होगा। यदि पुनर्मतदान आवश्यक हुआ, तो राज्य चुनाव आयोग द्वारा बाद में तिथि की घोषणा की जाएगी।11 नवंबर को सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती की जाएगी और मतगणना के तुरंत बाद परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

दूसरे चरण के चुनाव के लिए नामांकन के लिए नोटिस 13 अक्टूबर को जारी किए जाएंगे और मतदाता सूचियां उसी दिन उपलब्ध करा दी जाएंगी।

नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर है। उम्मीदवारों की सूची 16 अक्टूबर को जारी की जाएगी।अपीलें 17 अक्टूबर शाम 5 बजे तक दायर की जा सकेंगी और अगले दिन उनका निपटारा किया जाएगा। उम्मीदवार 19 अक्टूबर दोपहर 3 बजे तक अपनी उम्मीदवारी वापस ले सकते हैं, जिसके बाद उसी दिन उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की जाएगी।

दूसरे चरण का मतदान 27 अक्टूबर को होगा और मतों की गिनती 11 नवंबर को होगी।मतगणना के तुरंत बाद परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

हमास छोड़ेगा...

अगले 24 घंटों में कैबिनेट बैठक के फैसले पर सबकी नजरें टिकी हैं, जो इस समझौते की किस्मत तय करेगा।

समझौते के ऐलान के दौरान और उसके बाद उठे सवालों ने वैश्विक मीडिया में बहस छेड़ दी है। इजरायली और फिलिस्तीनी अधिकारियों ने तीन प्रमुख क्रॉस-क्वेश्चन भी उठाए, जो शांति प्रक्रिया की मजबूती को परखने वाले हैं। एक इजरायली अधिकारी ने पहला सवाल दागा, हमास ने 20 बंधकों की रिहाई का वादा किया है, लेकिन क्या गारंटी है कि वे सभी जीवित और स्वस्थ हैं? क्या तत्काल मेडिकल जांच की व्यवस्था होगी? एक फिलिस्तीनी प्रतिनिधि ने दूसरा क्रॉस-क्वेश्चन रखते हुए कहा, इजरायल गाजा से आंशिक पीछे हटने को तैयार है, लेकिन फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई में प्रमुख नाम जैसे मारवान बरगौती को क्यों बाहर रखा गया? क्या यह सच्ची शांति की दिशा है? तीसरा सवाल उठाते हुए एक मध्यस्थ ने जोर देकर कहा, सीजफायर के 72 घंटों में मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए क्या संयुक्त निगरानी तंत्र बनेगा? क्या ट्रंप की योजना में युद्ध अपराधों की जांच का प्रावधान है?

इन क्रॉस-क्वेश्चनों ने समझौते को और मजबूत बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि कैबिनेट मंजूरी मिल गई, तो यह मध्य पूर्व शांति के लिए ऐतिहासिक मोड़ साबित होगा। फिलहाल, गाजा और इजरायल में सतर्क उत्साह का माहौल है, जबकि अंतरराष्ट्रीय दूतावास सक्रिय हो चुके हैं।

दिल्ली से 28...

इससे पहले, पुलिस ने बताया कि दक्षिण पश्चिम जिले के ऑपरेशन सेल की एक टीम ने दो अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया, जो पिछले दो सालों से बिना वैध वीज़ा दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे। अधिकारियों के अनुसार, सभी औपचारिकताएँ पूरी होने के बाद, दिल्ली स्थित विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय की सहायता से निर्वासन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस ने हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान बांग्लादेश के तंगैल जिले के सखीपुर निवासी मोहम्मद अब्दुलअज़ीज़ मियां (46) और बांग्लादेश के गाजीपुर जिले के कालीगंज निवासी मोहम्मद रफीकुल इस्लाम (29) के रूप में की है।

पुलिस ने एक बयान में कहा कि इस दौरान, महिपालपुर क्षेत्र में एक अवैध बांग्लादेशी प्रवासी के रहने की गुप्त सूचना मिली। त्वरित कार्रवाई करते हुए, टीम मौके पर पहुंची और मुखबिर की मदद से दो संदिग्धों की पहचान की और गहन पूछताछ की। वैध वीजा और यात्रा दस्तावेज मांगने पर, दोनों व्यक्ति कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा पाए और उन्होंने स्वीकार किया कि वे लगभग दो साल पहले भारत में आए थे, लेकिन वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी यहीं रुके रहे।

बिहार वोटर लिस्ट में...

द्विवेदी ने कहा कि भूषण के हलफनामे में बड़ी संख्या में लोगों के सूची से बाहर होने की बात हटा दी है। अब वे कहते हैं कि 130 लोगों को सूची से बाहर किया गया है और वे कहते हैं कि कुछ लोग पहली बार नामांकन कराना चाहते थे। अगर उन्हें कोई शिकायत है तो वे 5 दिनों के भीतर अपील दायर कर सकते हैं। जस्टिस बागची ने कहा कि इस हलफनामे के अनुभव से हम कैसे जान सकते हैं कि बाकी एफिडेविट भी सही हैं? जस्टिस बागची ने कहा कि सब कुछ मौखिक है। आपको देखना चाहिए था कि वोटर का नाम ड्राफ्ट रोल में था या नहीं।कोर्ट ने बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (बीएसएलएसए) को निर्देश देते हुए कहा, वह अपने जिला-स्तरीय निकाय को अंतिम मतदाता सूची से बाहर किए गए 3.66 लाख मतदाताओं को चुनाव आयोग में अपील दायर करने में सहायता करे। इस दौरान पीठ ने कहा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अपील दायर करने में मतदाताओं की सहायता के लिए अर्ध-विधिक स्वयंसेवकों की एक सूची जारी करेगा। बीएसएलएसए सुनिश्चित करेगा कि उनके पास मतदाताओं के नाम खारिज होने के विस्तृत आदेश हों। अब अगली सुनवाई गुरुवार को है। तब चुनाव आयोग और बिहार राज्य विधिक प्राधिकरण कोर्ट इस मामले में जवाब दाखिल करेंगे। बता दें कि वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने की आखिरी तारीख 17 अक्टूबर तक है।आखिर में योगेंद्र यादव ने कोर्ट के सामने अपना पक्ष रखा। यादव ने कहा कि 47 लाख नाम पहली बार देश में वोटर लिस्ट से हटाए गए। सितंबर के महीने तक बिहार में वयस्क जनसंख्या 8.22 करोड़ होना चाहिए। यह भारत सरकार का आंकड़ा है। अभी इलेक्टोरल रोल में 7.42 करोड़ लोग हैं। हमें आगे बढ़ना चाहिए लेकिन हम पीछे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में वयस्क आबादी और इलेक्टोरल रोल के बीच का गैप साल 2016 के बाद से कम हुआ था लेकिन एसआई आर के बाद यह बढ़कर 81 लाख हो गया है, जो की चिंताजनक है। हमारे आंकड़ों के मुताबिक, 2 करोड़ लोगों का फॉर्म बीएलओ ने भरा है, लोगों को इसके बारे में जानकारी नहीं मिली। यह इसलिए हो पाया क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में वोटर्स के जोड़ने की बात कही थी। साथ ही कहा कि बिहार एसआई आर के बाद 5 लाख ऐसे नाम सामने आए जो डुप्लीकेट हैं। क्या चुनाव आयोग के पास डुप्लीकेट नाम चेक करने का सॉफ्टवेयर नहीं है। 21 लाख घरों में बिहार में करीब आधे से ज्यादा मतदाता रजिस्टर्ड है। एसआई आर का मकसद वोटर लिस्ट का शुद्धीकरण करना था लेकिन यह क्या हो रहा। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का नियम है कि 10 से ज्यादा मतदाता अगर एक ही घर से जुड़े तो आयोग की टीम उसकी जांच करती है। चुनाव आयोग ने कहा कि 21 लाख लोगों का नाम जोड़ा। नए वोटर के तौर पर 18 से उम्र वर्ग के लोग जुड़ने चाहिए लेकिन 35 उम्र वर्ग के 41 प्रतिशत नए वोटर जुड़े। उन्होंने कहा कि 390 लोग हो सकते हैं, जिनका नाम विदेशी नागरिक होने के कारण हटाया गया होगा। इन लोगों के खिलाफ विदेशी नागरिक होने का शक होने को लेकर शिकायत दर्ज कराई हुई थी।सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग की सफाई पर सवाल उठाते हुए तीन प्रमुख क्रॉस-क्वेश्चन भी किए, जो बिहार की वोटर लिस्ट विवाद को और गहरा करने वाले हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने पहला सवाल पूछा, चुनाव आयोग ने दावा किया है कि हलफनामे झूठे हैं, लेकिन 3.66 लाख नाम काटने के पीछे का डेटा बूथवार क्यों नहीं सार्वजनिक किया गया? क्या यह पारदर्शिता की कमी तो नहीं? जस्टिस बागची ने दूसरा क्रॉस-क्वेश्चन रखते हुए कहा, एसआई आर प्रक्रिया के तहत डुप्लीकेट नामों की जांच का सॉफ्टवेयर उपलब्ध होने के बावजूद 5 लाख डुप्लीकेट नाम क्यों सामने आए? आयोग की टीमों ने घर-घर जाकर वेरिफिकेशन क्यों नहीं की? तीसरा सवाल उठाते हुए पीठ ने जोर देकर कहा, नए वोटरों में 35 वर्ष आयु वर्ग के 41% जुड़ाव का दावा किया गया है, जबकि 18-19 वर्ष के युवाओं का प्रतिशत कम क्यों है? क्या यह वोटर लिस्ट में असामान्य वृद्धि का संकेत तो नहीं?इन क्रॉस-क्वेश्चनों ने सुनवाई को तीखा मोड़ दिया और योगेंद्र यादव ने इसे जनता के अधिकारों की रक्षा का अवसर बताया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई में चुनाव आयोग को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी, जिसमें वोटर लिस्ट के शुद्धीकरण की पूरी प्रक्रिया का खुलासा हो। विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला बिहार विधानसभा चुनावों से पहले वोटर अधिकारों को मजबूत कर सकता है। 17 अक्टूबर तक नाम जोड़ने की अंतिम तिथि को देखते हुए, बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को तत्काल सक्रिय होना पड़ेगा, ताकि प्रभावित मतदाता अपनी अपील दायर कर सकें। इस मामले पर राजनीतिक दलों की नजरें टिकी हुई हैं, और विपक्ष ने इसे लोकतंत्र पर हमला करार दिया है।

हंगरी के लास्जलो ...

उनकी किताबें सैटानटैंगो और मद मेलांकली ऑफ रेसिस्टेंसफ पर फिल्में भी बन चुकी हैं। मद मेलांकली ऑफ रेसिस्टेंसफ एक छोटे से गांव और उसके लोगों की मुश्किल जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो मानव स्वभाव के दोषों और गुणों को बखूबी पेश करती है। सैटानटैंगो पर तो 7 घंटे लंबी फिल्म भी बनाई गई थी, जिसकी काफी तारीफ हुई थी।विजेता को 11 मिलियन स्वीडिश क्रोना (10.3 करोड़ रुपए), सोने का मेडल और सर्टिफिकेट मिलेगा। अगर एक से ज्यादा को मिलता है तो प्राइज मनी उनके बीच बंट जाती है। पुरस्कार 10 दिसंबर को स्टॉकहोम में दिए जाएंगे।

नोबेल एकेडमी ने अब तक फिजिक्स, केमिस्ट्री, मेडिसिन और साहित्य के लिए पुरस्कारों की घोषणा कर दी है।

गुरु गोचर कर्क राशि में, हंस राजयोग से मिथुन सहित अन्य राशियों की चमकेगी किस्मत

गुरु गोचर कर्क राशि में 19 अक्टूबर को होने जा रहा है। गुरु अतिचारी चाल के साथ कर्क राशि में प्रवेश कर जाएंगे। बता दें कि गुरु के अपनी उच्च राशि कर्क में गोचर होने से हंस राजयोग प्रभावशाली हो जाएगा। कर्क राशि में रहते हुए बृहस्पति 11 नवंबर 2025 को रात 10 बजकर 10 मिनट पर वक्री हो जाएंगे और वक्री अवस्था में ही बृहस्पति 5 दिसंबर 2025 को देर शाम 5:25 पर मिथुन राशि में वापस लौट जाएंगे। ज्योतिष शास्त्र में गुरु को शिक्षा, संतान, दांपत्य, धन और विवाह आदि का कारक ग्रह माना गया है। गुरु एक शुभ ग्रह है। ऐसे में गुरु के इस गोचर के दौरान मिथुन, कन्या सहित 6 राशियों को बेहद ह शुभ परिणाम मिलने वाले हैं। गुरु के इस गोचर से इन राशियों को पारिवारिक जीवन में खुशियां मिलेगी साथ ही आपको करियर में सफलता मिलने की योग भी दिखाई दे रहे हैं।

मिथुन राशि संबंधों में होगा सुधार

गुरु का गोचर मिथुन राशि के लोगों के दूसरे भाव में होने जा रहा है। ऐसे में मिथुन राशिवालों के नए लोगों के साथ अच्छे संबंध बनेंगे। साथ ही आपकी आर्थिक उन्नति होगी। इस दौरान आप अपने कार्यस्थल पर तय समय सीमा में ही अपने काम कर लेंगे। साथ ही आपको अपेक्षित सफलता मिलेगी। जो लोग संतान सुख की कामना कर रहे हैं इस दौरान आपकी इच्छा पूरी हो सकती है। साथ ही आपके रिश्तों में भी सुधार होगा।

कन्या राशि नए अध्याय का होगा आरंभ

गुरु का गोचर कन्या राशिवालों के 11वें भाव में होने जा रहा है। ऐसे में इस राशि के जो लोग आर्थिक उन्नति की कामना कर रहे थे या वेतन वृद्धि के बारे में सोच रहे थे तो ऐसे में आपका विनम्र स्वभाव आपके सकारात्मक दृष्टिकोण से आपके सम्मान को बढ़ाएगा। इस दौरान आप समाज में अपनी मजबूत छवि बनाने में रुचि लेंगे। साथ ही इस राशि के अविवाहित जातकों का विवाह होने की संभावनाएं भी हैं। आपके जीवन के एक महत्वपूर्ण और नए अध्याय का आरंभ हो सकता है।

तुला राशि मन मुताबिक परिणाम मिलेंगे

तुला राशिवालों के लिए गुरु का गोचर उनके दसवें भाव में होने जा रहा है। ऐसे में अब तुला राशि के लोगों को मन मुताबिक परिणाम मिलेंगे। ऐसे में अपने ध्यान को फोकस करने के लिए आपको कड़ी मेहनत और अधिक प्रयास करने चाहिए। आपके सहकर्मी और बॉस आपका सहयोग करेंगे। अपने काम के प्रति

आपकी स्पष्टता आपको पेशेवर मोर्चे पर सफलता दिलाएगी। यह गोचर बड़े सपने देखने और अधिक आशावादी बनने के लिए प्रेरित कर सकता है।

धनु राशि को मिलेगा मानसिक शांति

गुरु का गोचर धनु राशिवालों के 8वें भाव में हो रहा है। ऐसे में आप आर्थिक फैसले लेने में सक्षम रहेंगे। आपको अपने पुराने कर्ज से मुक्ति भी मिलेग। आप अपनी गलतियों से सीखना शुरू करेंगे और इससे आपको जीवन की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी। आप अपने जीवन की सभी समस्याओं का समाधान खोजने में सफल रहेंगे। आप अब खुद को मानसिक रूप से काफी शांत महसूस करेंगे। बस स्वास्थ्य के प्रति आपको तोड़ा संभलकर रहना होगा। आपको पुरानी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं फिर से उभर सकती हैं।

मकर राशि के जीवन में आएंगी खुशियां

गुरु का गोचर मकर राशिवालों के सप्तम भाव में होने जा रहा है। ऐसे में मकर राशि के व्यापारियों को अब व्यवसाय में विस्तार देखने को मिलेगा। वहीं, नौकरीपेशा लोगों को अपनी कड़ी मेहनत और प्रयासों के लिए पहचान और सफलता मिलेगी। सप्तम भाव में गोचर आपको अपने जीवनसाथी के साथ खुश रखेगा। साथ ही आपको अपने जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। आपको अपने परिवार और मित्रों से भरपूर प्यार और देखभाल मिलेगी।

मीन राशि पदोन्नति पाने में सफल होंगे

गुरु का गोचर आपकी राशि के पंचम भाव में हो रहा है। ऐसे में मीन राशिवालों के जीवन में उत्सव और ढेर सारी खुशियां आएंगी। इस गोचर काल में व्यायाम और मंत्र जप पूजा पाठ करने की आदत आपको परिवर्तन प्रदान करेगी। शादीशुदा जातक जो संतान सुख के लिए प्रार्थना कर रहे थे अब उनकी इच्छा पूरी हो सकती है। इस गोचर काल में आपके प्रेम जीवन में मजबूती आएगी। वहीं करियर के क्षेत्र में आप नई परियोजनाएं, तरक्की और पदोन्नति पाने में सफल हो सकते हैं।

करवाचौथ की लोककथाओं में छिपा है स्त्री का संकल्प और समर्पण

श्रद्धा-विश्वास सफलता की जननी है और पति-पत्नी की आपसी रिश्तों को मजबूत करता है, इसलिए व्रत के दौरान कथा का श्रवण आवश्यक माना गया है।

द्रौपदी की कथा- उल्लेख मिलता है कि द्रौपदी ने भी करवा चौथ का उपवास किया था। इस व्रत के देवता चन्द्रमा माने गए हैं। कहा जाता है कि जब अर्जुन नील गिरि पर्वत पर तपस्या के लिए गए, तब द्रौपदी चिंता और व्याकुलता से भर उठीं। उनकी इस स्थिति में भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें करवा चौथ व्रत करने तथा चन्द्रमा की पूजा करने का मार्ग बताया। जब द्रौपदी ने व्रत का आचरण किया तब कौरवों की पराजय होकर पांडवों की विजय हुई, इसी कारण पुत्र, सौभाग्य और धन-धान्य की वृद्धि चाहने वाली स्त्रियों को इस व्रत को अवश्य ही करना चाहिए।

देव पत्नियों की कथा- करवा चौथ व्रत की कथाएं स्त्री के अटूट सतीत्व और अटूट विश्वास की गाथाएं हैं। पौराणिक आख्यान बताते हैं कि देव-दानव संग्राम में जब देवता लगातार पराजित हो रहे थे, तब ब्रह्मा जी की प्रेरणा से देव पत्नियों ने कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को कठोर उपवास-पूजन किया, उनकी सत्य निष्ठा और आस्था से ही देवताओं को विजय प्राप्त हुई।

सावित्री-सत्यवान की कथा- सावित्री अपने पति सत्यवान से अत्यंत प्रेम करती थी। नियति से सत्यवान का अल्पायु होना निश्चित था। एक दिन यमराज उसके प्राण लेने आए। सावित्री ने पतिव्रता धर्म और तपस्या से उन्हें प्रसन्न कर लिया और सत्यवान को पुनः जीवन मिला। यह कथा करवाचौथ में सतीत्व और पति की दीर्घायु की प्रतीक मानी जाती है।

करवा की कथा- करवा नामक स्त्री अपने पति से अपार प्रेम करती थी। एक बार उसका पति नदी में स्नान कर रहा था कि अचानक एक मगरमच्छ ने उसे पकड़ लिया। करवा ने पतिव्रता बल से मगरमच्छ को एक कच्छे धागे से बाँध दिया और यमराज से पति की रक्षा करने की प्रार्थना की। करवा की निष्ठा से यमराज ने मगरमच्छ को दंड दिया और पति की रक्षा की।

वीरावती की कथा- वीरावती सात भाइयों की लाड़ली बहन थी। पहले करवा चौथ व्रत पर शाम तक भूख-प्यास से वह बेहोश होने लगी। भाइयों ने छल से दीपक दिखाकर चन्द्रमा का आभास कराया और उसने व्रत तोड़ दिया। कहा जाता है कि व्रत खंडित होने से उसका दुष्प्रभाव उसके पति पर पड़ा। सच का पता चलने पर पश्चाताप के बाद वीरावती ने विधि-विधान से पुनः व्रत किया और चन्द्रदेव से वरदान पाकर पति का जीवन सुरक्षित किया। स्त्री के अन्तर्मन में बिखरी हुई ऊर्जा जब व्रत आदि के माध्यम से एक लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक साथ संगठित हो जाती है, तो ब्रह्माण्ड में ऐसा कोई भी कार्य असंभव नहीं है, जो सतीत्व की ऊर्जा से पूरा न हो सके।

कार्तिक मास में इन स्थानों दीपक जलाना बेहद शुभ

कार्तिक मास का हिंदू धर्म में वविशेष महत्व बताया गया है। दरअसल, इस महीने भगवान विष्णु चार महीने की लंबी निंद्रा के बाद जागते हैं। इस महीने में भगवान विष्णु और माता पार्वती की पूजा अर्चना करने से आरोग्य और एश्वर्य की प्राप्ति होती है। वहीं, इस महीने में दीप दान का भी विशेष महत्व बताया गया है।

शास्त्रों के अनुसार, कार्तिक मास में रात के समय मंदिर, चौराहे, पवित्र नदियों या तालास, तुलसी के नीचे और पीपल के वृक्ष के नीचे दीपक जलाना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार, ऐसा करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। साथ ही इस जन्म में अनजाने में हुए पापों से मुक्ति मिलती है। बता दें कि कार्तिक मास का आरंभ 7 अक्टूबर से हो चुका है और कार्तिक मास का समापन 5 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के दिन होगा।

कार्तिक मास में दीपक जलाने के लाभ

* कार्तिक मास में मंदिर में दीपक जलाने से सभी देवताओं का आशीव्राद प्राप्त होता है और माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं।
* कार्तिक मास में तुलसी के नीचे दीपक जलाने से रोगों से छुटकारा मिलता है। साथ ही धन धान्य की प्राप्ति होती है और पारिवारिक सुख में वृद्धि होती है।
* वहीं, किसी पवित्र नदी या तालाब के पास दीपक जलाने से पितरों की तृप्ति होती है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। साथ ही जीवन में आने वाली बाधाएं भी दूर होती हैं।
* चौराहे पर दीपक कार्तिक मास में दीपक जलाने से व्यक्ति को कामकाज में आ रही बाधाओं से छुटकारा मिलता है।
* पीपल के वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश यानी त्रिदेव का वास माना गया है। ऐसे में कार्तिक मास में जो व्यक्ति पीपल के वृक्ष के नीचे दिपक जलाता है। उन्हें एक साथ तीनों देवताओं का आशीर्वाद मिलता है। ऐसे में कार्तिक मास के दौरान इन 5 स्थानों पर विशेष रुप से दीपक जलाना चाहिए।

बोलो जय गणेश ताकि कटे क्लेश और घर में हो लक्ष्मीजी प्रवेश

वास्तुशास्त्र के अनुसार, तिजोरी, जहां आप पैसा, ज्वेलरी और अन्य बेशकीमती वस्तुएं रखते हैं, यह जगह पवित्र और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर होनी चाहिए, जिससे कि घर में बरकत बनी रह सके और धन-धान्य की कभी कमी न हो। अगर तिजोरी के आसपास कोई नकारात्मक शक्तियां सक्रिय हैं, तो उस घर में पैसों की कमी बनी रहती है। शास्त्रों के कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिससे कि आपकी तिजोरी हमेशा पैसों से भरी रहे और धन की देवी महालक्ष्मी की कृपा हमेशा आप पर बनी रहे। इसके लिए आप एक छोटा सा उपाय अपनाएं।

शास्त्रों के मुताबिक, श्रीगणेश रिद्धि और सिद्ध के दाता है। अगर कोई भी भक्त नित्य भगवान श्रीगणेश का ध्यान एवं पूजन कर श्रीयंत्र, अभिमंत्रित सुपारी एवं गुरु मंत्र का जाप करता है, तो उसे कभी भी धन-धान्य की कमी नहीं होती है। तिजोरी पर स्वास्तिक बनाकर तिजोरी के अन्दर श्रीयंत्र तथा अभिमंत्रित सुपारी चावलों के साथ रखें। इन वस्तुओं को तिजोरी में रखने से तिजोरी के आसपास के क्षेत्र में सकारात्मक और पवित्र ऊर्जा सक्रिय हो जाएगी, जो नकारात्मक शक्तियों को दूर रखेगी।

पुष्य नक्षत्र में, स्नान के बाद, एक हल्दी की गांठ, हल्दी से रंगे कुछ चावल के दाने, एक नारियल का गोला, एक सुपारी और हल्दी में रंगा एक सिक्का पीले रुमाल में बांधें। इन सभी वस्तुओं को धूप-दीप दिखाकर प्रतिदिन पूजा करने से धन पाने के महायोग बनते हैं। वास्तुशास्त्र के मुताबिक, अगर आपका कोई कार्य कई दिनों से रुका पड़ा है, नहीं हो रहा है तो दीपावली के शुभ मुहूर्त में लक्ष्मी जी के साथ दाईं ओर मुड़ी हुई सूंड़ वाले गणेश जी की प्रतिमा की लौंग और सुपारी से पूजा करें। इसके बाद, जब कभी भी काम पर जाना हो, तो एक लौंग, इलायची और सुपारी अपने पास रख लें। कार्य के समय लौंग, इलायची को अपने मुंह में रख लें तथा मन ही मन 'जय गणेश काटो क्लेश' का जाप करते रहें। घर आने पर सुपारी को वापस गणेशजी के फोटो के सामने रख दें, इस उपाय से आपका कार्य सफल होगा। अगर व्यक्ति अपनी जन्मपत्री में चलने वाली ग्रहदशाओं का तालमेल बनाकर राशि स्वामी से संबंधित वार, देवता, मंत्र का प्रयोग करें तो सफलता शत-प्रतिशत प्राप्त होती है।

करवाचौथ पर 16 श्रृंगार करने से भाग्य में होगी वृद्धि, अखंड सौभाग्य का मिलेगा वरदान

करवाचौथ का पर्व सुहागिन महिलाओं के लिए बहुत खास होता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र सुख-समृद्धि के लिए विधि-विधान से व्रत करती हैं। वहीं, करवा चौथ के दिन सोलह श्रृंगार करने का भी बेहद खास महत्व होता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, व्रत रखने वाली महिलाओं को श्रृंगार जरूर करना चाहिए। इससे भाग्य में वृद्धि होती है और वैवाहिक जीवन खुशहाल रहता है। करवाचौथ पर सोलह श्रृंगार करने से केवल सौंदर्य ही नहीं बढ़ता बल्कि इससे महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद भी प्राप्त हो सकता है।

करवाचौथ पर सोलह श्रृंगार करने का महत्व

मान्यता है कि करवाचौथ पर सोलह श्रृंगार करने से करवा माता प्रसन्न होती हैं और इस दिन व्रत रखने वाली महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होगा। ऋग्वेद के अनुसार, सोलह श्रृंगार महिलाओं का सौंदर्य बढ़ाने के साथ-साथ उनके भाग्य में भी वृद्धि करता है। पौराणिक मान्यता है कि सोलह श्रृंगार करने से पति की आयु लंबी होती है और दांपत्य जीवन सुखद बना रहता है। साथ ही, इसे श्रद्धा और समर्पण का भी प्रतीक माना गया है और सोलह श्रृंगार करने से करवाचौथ का व्रत भी पूर्ण होता है। श्रृंगार में हर एक वस्तु का अपना अलग महत्व होता है। मेहंदी पति-पत्नी के प्रेम का प्रतीक है, मंगलसूत्र मजबूत रिश्ते का और सिंदूर पति की लंबी आयु के लिए होता है।

करवाचौथ 16 श्रृंगार लिस्ट

सिंदूर, मेहंदी, बिंदी- सौभाग्य का प्रतीक, मंगलसूत्र, चूड़ियां, मांगटीका, आलता, काजल, नथ, पायल, बिछिया, झूमके, साड़ी/नए वस्त्र, कमरबंद, बाजूबंद, गजरा करवा चौथ पर सोलह श्रृंगार करना अगर संभव न हो तो इसके लिए आप इन 6 श्रृंगार को धारण कर सकती हैं।

करवा चौथ पर जरूर धारण करें ये श्रृंगार

सोलह श्रृंगार करना बहुत शुभ माना जाता है। लेकिन आज के समय में पूरे सोलह श्रृंगार कर पाना बेहद कठिन होता है। ऐसे में मान्यता है कि करवाचौथ पर अगर सुहागिन महिलाएं 16 श्रृंगार धारण न कर पाएं तो इन 6 श्रृंगार जरूर करने चाहिए।

पति की लंबी आयु के लिए सिंदूर

सुहागिन महिलाओं को सिंदूर जरूर लगाना चाहिए। इसे शादीशुदा जीवन का प्रतीक माना जाता है, जिसका हिंदू धर्म में बेहद खास महत्व है। ऐसे में करवाचौथ के दिन सिंदूर जरूर लगाना चाहिए। ऐसा करने से पति की आयु लंबी होती है।

मजबूत रिश्ते के लिए मंगलसूत्र

करवाचौथ के दिन व्रत रखने वाली सुहागिन महिलाओं को मंगलसूत्र जरूर पहनना चाहिए। इससे पति-पत्नी का रिश्ता मजबूत होता है और वैवाहिक जीवन में हमेशा खुशहाली बनी रहती है। इसे पति-पत्नी को आपस में जोड़ने वाला सूत्र माना गया है।

मेहंदी का रंग है प्रेम का प्रतीक

ऐसी मान्यता है कि करवाचौथ पर हाथों में मेहंदी लगवाने से पति और पत्नी के बीच का प्रेम गहरा होता है। साथ ही, मेहंदी के रंग को जीवनसाथी के प्रेम का प्रतीक भी माना गया है। इस श्रृंगार को करने से वैवाहिक जीवन सुखद बना रहता है।

जीवन में सुख-समृद्धि के लिए पहनें चूड़ियां

करवाचौथ पर चूड़ियां पहनने का खास महत्व होता है और इसे सुहाग का प्रतीक माना गया है। ऐसे में इस खास पर्व पर लाल, हरी, पीली, केसरिया आदि शुभ रंगों की चूड़ियां जरूर पहननी चाहिए। ऐसा करने से वैवाहिक जीवन खुशहाल रहता है और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

बिछिया है भाग्यवर्धक श्रृंगार

इसे सुहाग का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में करवाचौथ के दिन बिछिया जरूर धारण करें। इसे केवल सुहागिन महिलाएं ही धारण करती हैं, जिसे भाग्यवर्धक भी माना जाता है। इससे वैवाहिक जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

करवाचौथ पर जरूर लगाएं बिंदी

माना जाता है कि सुहागिन महिलाओं द्वारा बिंदी लगाने से नवग्रह शांत होते हैं, जिससे जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, बिंदी धारण करने से सुहागिन महिला का भाग्य सूर्य के समान चमक सकता है।

करवा चौथ पर पति-पत्नी बेडरूम में करें ये 5 बदलाव

खुशियों से भर जाएगा दांपत्य जीवन, बढ़ेगी रिश्ते की नजदीकियां

बेडरूम में पति-पत्नी अगर वास्तुशास्त्र के कुछ नियमों का ख्याल रखें और इससे जुड़े उपाय कर लें, तो दोनों के बीच का प्रेम गहरा होने लगता है। साथ ही, दांपत्य जीवन खुशहाल बना रहता है। बेडरूम एक ऐसी जगह है जहां पति-पत्नी एक-दूसरे के साथ अपने दिल की बातें शेयर करते हैं और पूरे दिन काम करने के बाद एक साथ कुछ समय बिताते हैं। लेकिन अगर कमरे में कुछ चीजें वास्तु के अनुसार सही न हो तो इससे रिश्ते में समस्याएं आना संभव है। ऐसे में अगर आप करवा चौथ से पहले अपने बेडरूम में वास्तु के ये छोटे-छोटे उपाय व नियम अपना लें, तो इससे रिश्ता मधुर बना रहता है और वैवाहिक जीवन में आने वाली समस्याएं भी कम हो सकती हैं।

पति-पत्नी बेडरूम में लगाएं ऐसी तस्वीर

वास्तु के अनुसार, बेडरूम में सकारात्मक और प्रेम भरी तस्वीरें लगाना बहुत अच्छा होता है। ऐसे में आप अपने कमरे में श्रीकृष्ण जी और राधा रानी की ऐसी तस्वीर लगा सकते हैं जिसमें वो एक दूसरे को प्रेम भाव में देख रहे हों। इस प्रकार की पेंटिंग या तस्वीर घर में लगाने से जीवनसाथी के साथ रिश्ता मजबूत बना रहता है और दोनों के बीच चल रहा तनाव भी समाप्त हो सकता है।

कमरे में बेड को रखें सही जगह पर

अगर जीवनसाथी के साथ लंबे समय से किसी बात को लेकर तनाव चल रहा है या रिश्ते में दूरियां आ रही हैं, तो आप वास्तु के अनुसार अपने रूम में छोटे-छोटे बदलाव करके देख सकते हैं। कहा जाता है कि पति-पत्नी को कमरे में अपना बेड बीच में रखने की बजाए उसे रूम के दीवार से लगाकर रखना चाहिए। ऐसा करने से रिश्ता मजबूत होता है और दोनों के बीच का जुड़ाव भी बढ़ता है।

बेडरूम में करें वास्तु का यह उपाय

इसके लिए एक छोटी कटोरी में थोड़ा समुद्री नमक डाल लें और इसे लेजाकर अपने बेड के नीचे रख दें। हालांकि, इस बात का ख्याल रखें कि इस नमक को हफ्ते में एक बार जरूर बदलते रहें। अपने बेडरूम में वास्तु से जुड़ा यह उपाय करने से कमरे नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है। साथ ही, नमक के इस उपाय से रिश्ते में आ रही दूरियां भी खत्म हो सकती हैं।

पति-पत्नी बेडरूम में न रखें ये सामान

अगर आप अपने कमरे में लैपटॉप, टेब आदि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण रखते हैं तो इन्हें वहां से हटा दें। वास्तु के अनुसार, ऐसी चीजें कमरे में रखने से तनाव बढ़ता है और नींद पर भी प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में इन चीजों को हमेशा दूसरे कमरे में रखना चाहिए। साथ ही, कमरे में धातु का बेड इस्तेमाल करने की बजाए लकड़ी का बेड ही प्रयोग करना बेहतर माना गया है।

रिश्ते में मिठास लाने के लिए करें यह काम

वास्तु के अनुसार, पति-पत्नी को अपने कमरे में मैंडरिन डक की तस्वीर या मूर्ति लगानी चाहिए। ऐसा करने से दोनों के रिश्ते में मिठास बनी रहती है और वैवाहिक जीवन में आने वाली समस्याओं से भी राहत मिल सकती है। ऐसे में करवा चौथ के मौके पर आप अपने रूम में मैंडरिन डक की पेंटिंग लाकर लगा सकते हैं। इससे पति-पत्नी के रिश्ते में मिठास आती है। साथ ही, इस बात का भी ख्याल रखना चाहिए की कमरे में पर्याप्त मात्रा में धूप की रोशनी आती हो। इससे आसपास का माहौल सकारात्मक और खुशनुमा बना रहता है।

ईशा कोप्पिकर की वापसी

रॉकेटशिप का ट्रेलर पेश करता है एक सशक्त मां-बेटी की कहानी, जो आपकी आत्मा को छू जाएगी

ईशा कोप्पिकर की अगली फिल्म, रॉकेटशिप, का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार लॉन्च हो गया है, जो दर्शकों को एक भावनात्मक रूप से भरपूर सिनेमाई अनुभव की पहली झलक देता है। निर्माता हरमन राय सहगल ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर को एक भावुक कैप्शन के साथ साझा किया है जो फिल्म के सार को बखूबी दर्शाता है: हर सपने को चाहिए एक सहारा, हर सफर को चाहिए प्यार। व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल की इस प्रस्तुति

ऐ में ईशा कोप्पिकर एक से किरदार के साथ पर्दे पर वापसी कर रही हैं। जिसमें वे एक ऐसी भूमिका निभा रही हैं जो अपनी बेटी के सपनों को साकार करने में समर्थन करने वाली एक माँ के रूप में उनके अभिनय कौशल को दर्शाता है। ट्रेलर एक ऐसी भावनात्मक कहानी की झलक देता है, जो एक मां की अटूट शक्ति और बेटी के अडिग सपनों के बीच के गहरे रिश्ते को उजागर करता है, और एक ऐसी कहानी के लिए मंच तैयार करती है जो देश भर के परिवारों के साथ जुड़ जाएगी। ईशा कोप्पिकर, जिन्होंने सालों से अपनी खूबसूरती, शालीनता और अभिनय प्रतिभा से दर्शकों के दिलों पर राज किया है, अब 'रॉकेटशिप' में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं जो दर्शकों के दिल को छूने और भावनाओं की गहराइयों में ले जाने का वादा करती है। यह प्रोजेक्ट खास इसलिए भी है क्योंकि यह अनुभवी प्रतिभाओं और उभरते हुए फिल्म निर्माताओं - खासकर सुभाष घई की प्रतिष्ठित व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल अकादमी के छात्रों - के बीच एक सुंदर सहयोग का प्रतीक है।

ईशा का इस डिप्लोमा प्रोजेक्ट में हिस्सा लेने का फ़ैसला इस बात को दर्शाता है कि वह नए टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए कितनी प्रतिबद्ध हैं, और किस तरह वो इन छात्रों की संघर्षपूर्ण यात्रा से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हैं। उन्होंने भी अपने करियर की शुरुआत बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के की थी, और वह इन छात्रों में अपने ही सपनों की झलक देखती हैं। 'रॉकेटशिप' का ट्रेलर सोशल मीडिया पर आते ही खूब चर्चा बटोर रहा है। दर्शक इसके संवेदनशील विषयवस्तु और ईशा की दमदार भूमिका की जमकर सराहना कर रहे हैं।

जैसा कि ट्रेलर से पता चलता है, दर्शक भावनात्मक गहराई से भरी एक कहानी की उम्मीद कर सकते हैं, जो त्याग, महत्वाकांक्षा और उस गहरे प्यार के विषयों को उजागर करती है जो एक माता-पिता को अपने बच्चे के सपनों के लिए प्रेरित करता है। ईशा कोप्पिकर की शानदार अदायगी और युवा व नवोदित फिल्म निर्माताओं की रचनात्मक ऊर्जा के साथ, 'रॉकेटशिप' दर्शकों के दिलों में उतरने और एक गहरी छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

डांस से लेकर हँसी तक : सान्या मल्होत्रा ने दिखाया सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का फनसाइड

अभिनेत्री और स्टार परफॉर्मर सान्या मल्होत्रा ने फैंस को पर्दे के पीछे की वह मस्ती दिखाई है, जिसकी हमें ज़रूरत तो थी, लेकिन हमने सोची नहीं थी! हाल ही में उन्होंने सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के सेट से एक मज़ेदार बीटीएस मोमेंट्स शेयर की है, और यह फैन्स के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। हंसी-मज़ाक से भरे ब्रेक्स से लेकर अनपेक्षित और सच्चे पलों तक, सान्या की बीटीएस (बिहाइंड द सीन्स) फोटोज़ और वीडियोज़ का ये करूसल फिल्म की स्टारकास्ट के बीच की गर्मजोशी और दोस्ती को बख़ूबी दर्शाता है। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया: (व जो बात सबसे ज़्यादा ध्यान खींचती है, वह है कलाकारों के बीच की सहज केमिस्ट्री। चाहे वो एक छोटा सा मज़ाक हो, शूटिंग के दौरान हुई किसी गलती पर साझा हँसी, या एक-दूसरे के प्रति सच्चा सम्मान, हर पल में सब के बीच की दोस्ती साफ़ दिखाई देती है। सान्या की ऊर्जा पूरे माहौल को हल्का और खुशनुमा बना देती है, जिससे लंबे शूटिंग शेड्यूल भी आसान लगते हैं। फैंस ने कमेंट सेक्शन में तुरंत प्रतिक्रिया की बाढ़ ला दी - सभी को पर्दे के पीछे की ये झलकियाँ बेहद पसंद आईं। यह याद दिलाने वाला है कि बेहतरीन कहानी सिर्फ कैमरे के सामने ही नहीं, बल्कि उसके पीछे भी बनती है। मस्ती भरे पलों से लेकर दिल को छू लेने वाली बातों तक, सान्या मल्होत्रा अपने प्रशंसकों को एक बेहतरीन तोहफ़ा दे रही हैं: सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की खुशनुमा दुनिया की एक झलक, जहां हर मुस्कान, हर हँसी और हर बीटीएस मोमेंट यादगार बन जाता है। हाल ही में फिल्म 'कटहल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने और 'मिसेज़' में सराहे गए परफॉर्मेंस के बाद, सान्या का करियर एक दुर्लभ संतुलन दिखाता है - जहां कला और व्यवसाय दोनों साथ चलते हैं। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के साथ, फैंस को विश्वास है कि वह न केवल खुद को साबित कर रही हैं, बल्कि दर्शकों का ध्यान भी पूरी तरह खींच रही हैं - हर फ्रेम में उनका स्टारडम, आकर्षण और सिग्नेचर एनर्जी साफ नज़र आती है।

फिल्म मिर्जापुर में अपने किरदार को लेकर श्वेता त्रिपाठी ने कहा

मेरे पुराने दोस्त की तरह हैं 'गोलू'

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने हाल ही में बनारस में 'मिर्जापुर' फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म में श्वेता फिर से अपने लोकप्रिय किरदार गजगमिनी 'गोलू' गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। आईएएनएस से दिए इंटरव्यू में श्वेता ने अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। श्वेता ने कहा, 'गोलू का किरदार निभाना मेरे लिए किसी पुराने दोस्त से मिलने जैसा है। एक ऐसा दोस्त, जो मेरे जीवन के उतार-चढ़ाव और बदलावों का साक्षी रहा है। बनारस की खासियत है कि यहां की हर कहानी और भी ज्यादा जीवंत लगती है।'' श्वेता के लिए बनारस वापसी एक खास एहसास लेकर आई है। उन्होंने बताया कि इस शहर ने उनके एक्टिंग करियर में कई महत्वपूर्ण पल देखे हैं। उनकी पहली बड़ी फिल्म 'मसान' से लेकर 'मिर्जापुर' सीरीज तक, बनारस उनके सफर का अहम हिस्सा रही है।

उन्होंने कहा, ''अब जब मैं इस शहर में 'मिर्जापुर' की शूटिंग कर रही हूं, तो यह मेरे लिए सफर का पूरा होना जैसा है।''

अपने किरदार के बारे में श्वेता ने कहा, ''गोलू का किरदार बदल चुका है और वह खुद भी बदली हैं, लेकिन उसके अंदर का जोश और आग अब भी वही बनी हुई है। मैं दर्शकों को इस किरदार से मिलवाने के लिए बेहद उत्साहित हूं।''

बता दें कि 'मिर्जापुर' भारत की सबसे लोकप्रिय क्राइम-थ्रिलर सीरीज में से एक है। इसकी कहानी अखंडानंद 'कालीन' त्रिपाठी नाम के एक अपराधी और व्यवसायी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो मिर्जापुर जिले का बेताज बादशाह माना जाता है। पहले सीजन में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा, विक्रांत मैसी, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, रसिका दुग्गल, हर्षिता गौर और कुलभूषण खरबंदा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे। दूसरे सीजन में ज्यादातर कलाकार वापस आए, लेकिन विक्रांत मैसी और श्रिया पिलगांवकर की जगह कुछ नए कलाकार देखे गए, जिनमें विजय वर्मा, ईशा तलवार, लिलिपुट, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेन्युली, अनंग्शा बिस्वास, और नेहा सरगम शामिल हैं। मिर्जापुर की शूटिंग उत्तर प्रदेश के कई शहरों में हुई है। इस सीरीज की अधिकांश शूटिंग मिर्जापुर में हुई, लेकिन जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में भी काम किया गया है।

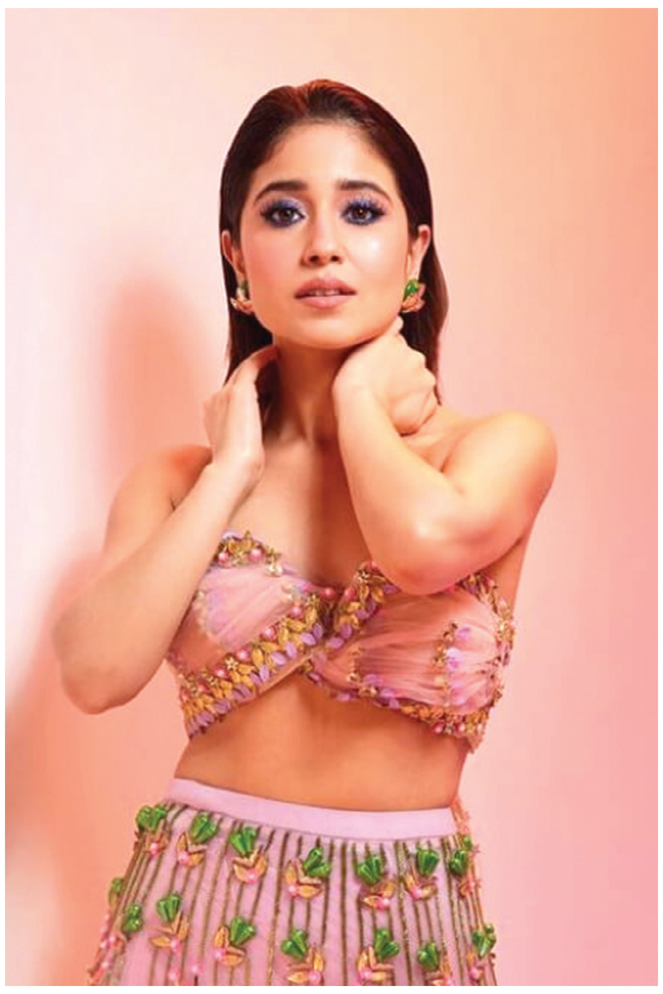

क्या चांदनी बार रीओपन्स में लौटेंगी तब्बू?

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म 'चांदनी बार' के बहुप्रतीक्षित सीक्वल पर काम आधिकारिक रूप से शुरू हो चुका है। लेकिन इस घोषणा के बीच सबसे बड़ा सवाल जो चर्चा में है वो ये कि क्या तब्बू एक बार फिर अपने आइकॉनिक किरदार मुमताज़ सावंत के रूप में वापसी करेंगी? मूल फिल्म में तब्बू के दमदार और संवेदनशील अभिनय ने उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया था, और फिल्म आज भी उनकी अदाकारी से गहराई से जुड़ी हुई मानी जाती है। निर्माता टीम ने पुष्टि की है कि 'चांदनी बार 2' एक नई पीढ़ी के लिए इस कहानी को फिर से पेश करेगी, जो पहली फिल्म की घटनाओं के 25 साल बाद की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि तब्बू वाकई इस किरदार को दोबारा निभाएंगी या नहीं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक करीबी सूत्र ने खुलासा किया कि 'चांदनी बार 2' के निर्माता, तब्बू की वापसी को लेकर गहन बातचीत कर रहे हैं। सूत्र ने बताया, निर्माता चाहते हैं कि तब्बू अपने इस प्रतिष्ठित किरदार को दोबारा निभाएं, क्योंकि उनकी मौजूदगी फिल्म की विश्वसनीयता और भावनात्मक गहराई के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। बातचीत जारी है, लेकिन अभिनेत्री की आधिकारिक कास्टिंग की पुष्टि अभी बाकी है। 'चांदनी बार 2' का निर्माण संदीप सिंह अपने बैनर लेजेंड स्टूडियोज़ के तहत कर रहे हैं, जबकि निर्देशन की कमान मशहूर फिल्ममेकर अजय बहल संभाल रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, इस सीक्वल में एक नई नायिका को भी पेश किया जाएगा। इस चुनौतीपूर्ण और गहन किरदार के लिए कई युवा अभिनेत्रियों के नाम चर्चा में हैं, जिनमें अनन्या पांडे, शरवरी वाघ और तृप्ति डिमरी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इस नए मुख्य किरदार की कास्टिंग जल्द ही अंतिम रूप ले लेगी, जो मुंबई के डांस बार्स की ज़िंदगी और सामाजिक यथार्थ को एक नए दृष्टिकोण से आगे बढ़ाएगी।

कहो न कहो की धुन पर मल्लिका शेरावत फैंस संग थिरकी

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने हाल ही में एक कार्यक्रम में शिरकत की, जहां उनके सुपरहिट गाने 'कहो न कहो' ने माहौल को जोशपूर्ण बना दिया। इस मौके पर मल्लिका के फैंस और होस्ट गाने को गाते और झूमते नजर आए। अभिनेत्री ने इस खास पल का वीडियो पोस्ट किया। मल्लिका ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें होस्ट पहले 'कहो न कहो' गाना गाता है, जिसके साथ मल्लिका और उनके फैंस उत्साह के साथ थिरकने लगते हैं। होस्ट ने भीड़ को और जोश दिलाते हुए सभी को इस गाने को पूरे उत्साह के साथ गाने के लिए प्रेरित किया। माहौल इतना जीवंत था कि पूरा स्टेडियम एक साथ नाचता-गाता दिखाई दिया।

मल्लिका ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, जब मेरे फैंस मेरे साथ 'कहो ना कहो' गाने पर झूमते हैं, तो बहुत अच्छा लगता है। वो जोश, वो प्यार, वो मस्ती पूरा स्टेडियम जैसे साथ नाच रहा हो। आपका प्यार ही है जो मुझे आगे बढ़ने की ताकत देता है, हमेशा।

'कहो न कहो' गाना साल 2004 में रिलीज हुई फिल्म 'मर्डर' का है। इस गाने को आमिर जमाल ने गाया है, जबकि इसके बोल सैय्यद कादरी ने लिखे और संगीत अनु मलिक ने तैयार किया।

अनुराग बसु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में मल्लिका शेरावत और इमरान हाशमी ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। यह फिल्म इमरान हाशमी के करियर की पहली हिट फिल्म मानी जाती है, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। फिल्म का निर्माण मुकेश भट्ट ने किया था, और यह उस समय की सुपरहिट थ्रिलर फिल्मों में से एक थी।

मल्लिका ने 'मर्डर', 'ख्वाहिशें', 'बचकर रहना रे बाबा', 'डर्टी पॉलिटिक्स', 'गुरु', 'वेलकम', 'प्यार के साइड इफेक्ट्स', 'डबल धमाल', और 'जीनत' जैसी कई शानदार फिल्में दीं।इसी के साथ वह हॉलीवुड फिल्म 'द मिथ', 'पॉलिटिक्स ऑफ लव', और 'टाइम रेडर्स' में भी नजर आ चुकी हैं। हाल ही में उन्हें राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में देखा गया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। आप अपने पहनावे और बर्ताव में नयापन रखें। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। दाम्पत्य जीवन में नयापन होगा चहरे पर मुस्कुराहट होगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए शाकाहारी भोजन की आदत अपनाए। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आज न सिर्फ अजनबियों से, बल्कि दोस्तों से सावधान रहने की जरूरत भी है। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद खास रहेगा। किसी साझीदारी वाले व्यवसाय में जाने से बचें – क्योंकि मुमकिन है कि भागीदार आपका फ़ायदा उठाने की कोशिश करें। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी है।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुकसान तक़रीबन पक्का है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। यह एहसास आज आपने जीवनसाथी से मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा–सी चिंता और मानसिक तनाव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आपको प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज़ हो जाएगा। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। अध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। परिवार के सदस्यों की बातों को नज़रअंदाज़ करना आप को नुकसानदेह साबित हो सकती हैं पहली प्राथमिकता परिवार को देनी चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज धन का आगमन आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। उदास न हों, कभी–कभी विफल होना कोई ख़राब बात नहीं है। वक्त के साथ चलना आपके लिए अच्छा है लेकिन साथ ही आपको यह समझना भी ज़रूरी है कि जब कभी आपके पास खाली समय हो अपने करीबियों के साथ वक्त बिताएं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियां बिता रहे हैं, वे उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, तफ़रीह की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है। जिससे शाम का वक्त बहुत ही खुशनुमा बितेगा आप एकदम रिलेक्स फील करेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। शाम ढलते–ढलते कोई आकस्मिक प्यारभरा झुकाव आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन अच्छा है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें– अगर आप आज वाकई फ़ायदा चाहते हैं तो। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। बच्चों की पढ़ाई पर आप को बहुत मेहनत करनी पड़ेगी, अन्यथा बच्चों का भविष्य में अधिक परिश्रम करना पड़ेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जितना आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। आपकी क़ाबिलियत में महिलाएँ अहम किरदार अदा करेंगी, चाहे आप किसी भी क्षेत्र में क्यों न हों। जरा आप खरीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें। अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उचित कदम पाने में सक्षम होंगे। आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी–खुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको कमीशन, लाभांश या रॉयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। आपके जीवनसाथी की सेहत आपको चिंता में डाल सकती है। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरूरत है, वो आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। आपको जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोतरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। कार्यक्षेत्र में समझ–बूझ के उठाए गए आपके क़दम फलदायी होंगे। इससे आपको समय पर योजनाएँ पूरी करने में मदद मिलेगी। साथ ही नई परियोजनाएँ शुरू करने के लिए सही समय है। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज़ दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 10 अक्टूबर 2025, शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक, कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 07:40 तक
नक्षत्र : कृत्तिका सायं 05:40 तक
योग : सिद्धि सायं 05:41 तक
करण : बव प्रातः 09:16 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 05:57 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:03 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 05:56 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 05:49 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : संकष्ट करक चतुर्थी व्रत,करवा चौथ चन्द्रोदय 08:33 , चित्रा में रवि रात्रि 08:12 से

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं

फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)

9246159232, 9866165126

chidamber011@gmail.com

सिरप की सियासी कड़वाहट : बच्चों की मौत पर एमपी में गिरफ्तारी

राजस्थान के मंत्री ने कंपनी को दी क्लीनचिट

जयपुर, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। कफ सिरप में जहरीले केमिकल से 24 मासूमों की मौत के मामले में जहां मध्य प्रदेश पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कंपनी के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है, वहीं पड़ोसी राज्य राजस्थान की भाजपा सरकार इस गंभीर मामले में कंपनी को क्लीनचिट देती दिख रही है। यह विरोधाभासी कार्रवाई अब राजनीतिक तूल पकड़ चुकी है, जिसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान सरकार की कड़ी निंदा की है। बोले- राजस्थान में सरकार नाम की कोई चीज है ही नहीं।

बता दें कि मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा और बैतूल जिले में 'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप पीने से 20 बच्चों की मौत हो गई थी। इस मामले में मध्य प्रदेश सरकार ने गंभीरता दिखाते हुए श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स कंपनी के मालिक रंगनाथन को चेन्नई से गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी सामने आई है कि रंगनाथन मासूमों की मौत के बाद से फरार था। जांच में यह खुलासा हुआ कि सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकॉल की मात्रा तय सीमा से कई गुना ज्यादा थी, जिसके कारण बच्चों की किडनी फेल हो गई। घातक लापरवाही के बाद, राज्य सरकार ने तुरंत श्रीसन फार्मा के सभी उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके अलावा, सिरप लिखने वाले डॉक्टर प्रवीण सोनी को भी गिरफ्तार किया गया है, जिसकी जमानत याचिका अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एडीजे) ने खारिज कर दी है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने एसआईटी जांच की पुष्टि करते हुए कहा कि कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा।

एक ओर जहां मध्य प्रदेश और अन्य राज्य कठोरतम कार्रवाई कर रहे हैं, वहीं राजस्थान के चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने यह कहकर सबको चौंका दिया है कि बच्चों की मौत कफ सिरप की वजह से नहीं हुई है। मंत्री का यह बयान कंपनी को क्लीनचिट देने जैसा है, जबकि यह सिरप देशभर में चिंता का विषय बना हुआ है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि राजस्थान में 'सरकार नाम की कोई चीज नहीं है'। गहलोत ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की बात तो छोड़िए, एमएलए और एमपी तक की सुनवाई नहीं हो रही है, ऐसे में जनता को राहत कैसे मिलेगी? उन्होंने कहा कि जनता में हाहाकार मचा हुआ है, ब्यूरोक्रेसी किसी की सुन नहीं रही है, जिससे प्रदेश में कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान लग गया है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि एक ही दवा कंपनी पर दो राज्यों की सरकारों का यह अलग–अलग रुख, राजस्थान सरकार की स्वास्थ्य और प्रशासनिक गंभीरता पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की अंता विधानसभा उपचुनाव-2025 की समीक्षा

जयपुर, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंता विधानसभा उप चुनाव–2025 स्वतन्त्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं भय रहित माहौल में सम्पन्न करवाने के लिए गुरुवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने वीसी के जरिए समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े कार्मिक अधिक संवेदनशील और सतर्क रहकर कार्य करें। साथ ही, जागरूकता गतिविधियां बढ़ाकर अधिकाधिक मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी महाजन ने अंता उप चुनाव - 2025 के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला पुलिस अधीक्षक, रिटर्निंग अधिकारी (आरओ) एवं अन्य अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस बैठक में इस सम्बन्ध में निर्देश दिए। उप चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि रिटर्निंग अधिकारी भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का गहनता से अध्ययन करें और तदनुसार अपने टीम के सदस्यों को समुचित प्रशिक्षण देकर निर्वाचन को निष्पक्ष और समावेशी प्रक्रिया के रूप में संपन्न करवाएं।

महाजन ने जिला निर्वाचन अधिकारी से कहा कि अंता विधानसभा क्षेत्र में संवेदनशील मतदान केन्द्रों की पहचान कर वहां अतिरिक्त माइक्रो ऑब्जर्वर या सेक्टर ऑफिसर की तैनाती कर सकते हैं। ये सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी और अधिकारों की पूरी जानकारी रखें। आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग सुनिश्चित कराने एवं एक ही लोकेशन पर 3 या 3 से अधिक मतदान केन्द्रों वाले स्थानों पर एक अतिरिक्त कैमरा बाहर की तरफ भी लगाया जाए। राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के साथ समय–समय पर बैठक कर सूचनाएं साझा करें।

बैठक में राज्य पुलिस नोडल अधिकारी अनिल कुमार टांक, (पुलिस महानिरीक्षक, कानून–व्यवस्था) ने जिला पुलिस अधीक्षक सहित अन्य पुलिस अधिकारियों से अंता उप चुनाव क्षेत्र में कानून–व्यवस्था की स्थिति पर विशेष निगरानी के लिए निर्देशित किया। राज्य पुलिस व्यय अनुवीक्षण नोडल अधिकारी डॉ. रवि (पुलिस महानिरीक्षक, आयोजना, आधुनिकीकरण एवं कल्याण) ने बताया कि बारां जिले की सीमा पड़ोसी राज्यों से लगी है, जहां विशेष निगरानी की आवश्यकता है। जिला पुलिस अधीक्षक,बारां ने बताया कि अंता विधानसभा क्षेत्र में संवेदनशील इलाकों की पहचान कर सुरक्षा व्यवस्था का समुचित प्रबंधन किया जा रहा है तथा आवश्यकता होने पर केन्द्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी महाजन ने भी कहा कि अंता विधानसभा क्षेत्र में सुरक्षित, भय रहित और शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव प्रक्रिया संपन्न करवाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उदयपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

जीबीएच हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. कीर्ति कुमार जैन को एयरपोर्ट से किया डिटेन

उदयपुर, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। उदयपुर पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जीबीएच हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. कीर्ति कुमार जैन को एयरपोर्ट से डिटेन किया है। जानकारी के अनुसार, डॉ. जैन विदेश भागने की फिराक में थे, तभी पुलिस ने उन्हें एयरपोर्ट पर रोक लिया।बताया जा रहा है कि उदयपुर के एक नर्सिंग इंस्टीट्यूट से तोड़फोड़ के मामले में डॉ. कीर्ति कुमार जैन का नाम सामने आया था। इस संबंध में उनके खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पहले ही लुकआउट नोटिस जारी कर रखा था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जैसे ही डॉ. जैन के विदेश रवाना होने की सूचना मिली, एयरपोर्ट अथॉरिटी को सतर्क कर दिया गया। जांच के दौरान वे एयरपोर्ट पर डिटेन किए गए।

इस बीच, पूछताछ के दौरान डॉ. जैन ने अस्वस्थता की शिकायत भी की है। पुलिस उन्हें मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाने की तैयारी में है। फिलहाल उदयपुर पुलिस मामले की पूरी जांच में जुटी हुई है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि तोड़फोड़ की घटना में डॉ. जैन की भूमिका कितनी गहरी थी और क्या इसमें अन्य लोग भी शामिल हैं। आपको बता दें कि जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल के विवाद को विधायक फूल सिंह मीणा ने भी सवाल खड़े किए थे। इस पर अस्पताल प्रबंधन ने विधायक पर गंभीर आरोप लगाए थे।

झालावाड़ पुलिस की बड़ी सफलता : हथियार तस्कर गिरोह का पर्दाफाश

6 लोडेड हथियार और 8 कारतूस बरामद, दो हिस्ट्रीशीटर सहित 6 गिरफ्तार

झालावाड़, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। झालावाड़ जिले की झालरापाटन पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक अन्तर्राज्यीय हथियार तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ कर बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने गिरोह के सरगना समेत कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 6 अवैध लोडेड देशी हथियार पिस्टल और कट्टे और 8 जिन्दा कारतूस बरामद किए गए हैं।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में थाना सदर झालावाड़ का हिस्ट्रीशीटर नन्दलाल उर्फ नन्दा गुर्जर और सुसनेर मध्यप्रदेश का हिस्ट्रीशीटर हाफीजुल्ला उर्फ हाफिज खान भी शामिल हैं, जो लोडेड अवैध हथियारों के साथ पकड़े गए हैं। इन दोनों बदमाशों के विरुद्ध राजस्थान और मध्य प्रदेश के विभिन्न थानों में गंभीर प्रकृति के करीब ढाई दर्जन अपराधिक प्रकरण दर्ज है। सरगना लालू खटीक सहित 6 धरे गए

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि संगठित अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजी लाल मीणा और पुलिस उप अधीक्षक हर्षराज सिंह खरेडा के सुपरविजन में थानाधिकारी हरलाल मीणा के नेतृत्व वाली विशेष टीम को झालरापाटन निवासी लालचन्द उर्फ लालू खटीक (35) के अवैध हथियारों की खरीद–फरोख्त में लिप्त होने की सूचना मिली थी।

इनपुट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 07 और 08 अक्टूबर को अलग–अलग स्थानों पर दबिश दी और गिरोह के सभी छह सदस्यों को लोडेड हथियारों के साथ धर दबोचा। गिरोह के सरगना लालचन्द उर्फ लालू खटीक (35) निवासी झालरापाटन को भैरुपुरा बस्ती से एक देशी पिस्टल मय 2 जिन्दा कारतूस के साथ, हिस्ट्रीशीटर नन्द लाल उर्फ नन्दा गुर्जर (23) निवासी चांदियाखेड़ी को दूध डेयरी तिराहे के पास से एक देशी पिस्टल मय 2 जिन्दा कारतूस के साथ और हिस्ट्रीशीटर हाफीजुल्ला उर्फ हाफिज खान (35) निवासी सुसनेर जिला आगर एमपी को पूर्वज होटल के पास से एक देशी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया गया।

सीपीए कॉन्फ्रेंस में हरियाणा विधानसभा कमेटियों की ऑन-द-स्पॉट विजिट्स की चर्चा

चंडीगढ़, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। बारबाडोस की राजधानी ब्रिजटाउन में चल रही राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) की 68वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस में हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मंगलवार को कई सत्रों में भाग लिया और हरियाणा विधान सभा के कार्यप्रणाली से जुड़े नवाचारों को साझा किया। हरियाणा विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सीपीसी वर्कशॉप ए में 'लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए संस्थागत सुदृढ़ता' विषय पर विचार–विमर्श किया। इस अवसर पर उन्होंने हरियाणा विधान सभा की समितियों द्वारा किए जाने वाले 'ऑन–द–स्पॉट विजिट्स' का उल्लेख किया और बताया कि इन स्थल निरीक्षणों से नीतियों के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है। उनके इस उल्लेख को सम्मेलन के समापन सत्र में चेयरमैन द्वारा विशेष रूप से भारत में प्रचलित इस प्रणाली को संदर्भित किया गया। विस अध्यक्ष कल्याण ने सीपीए स्मॉल ब्रांचेज कॉन्फ्रेंस सेशन 3 में 'कार्य–जीवन संतुलन, व्यावसायिक विकास और सांसदों के मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर विचार विमर्श में हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने सीडब्ल्यूपी कॉन्फ्रेंस सेशन सी में हिस्सा लिया, जिसमें महिला सशक्तिकरण और महिलाओं को असमानता में जकड़े रखने वाले भेदभावपूर्ण कानूनों को खत्म करने पर चर्चा हुई। इसमें भारत का पक्ष सांसद डॉ. डी. पुरंदेश्वरी ने रखा। कल्याण ने एमिलिया लाइफाका मेमोरियल लेक्चर में भी भाग लिया, जिसे बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया अमोर मॉटली ने संबोधित किया। इसके अलावा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश की अध्यक्षता में हुई भारतीय प्रतिनिधिमंडल की बैठक में भी उन्होंने भाग लिया।

फतेहाबाद बैंक प्रबंधक लोन के नाम पर रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

चंडीगढ़, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। फतेहाबाद जिला प्राथमिक सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक, समिति शाखा भूना के प्रबंधक रामफल को राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हिसार की टीम ने आज बैंक परिसर में ही रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी से 15,000 रुपये नकद रिश्वत लेते हुए यह कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने ब्यूरो को बताया कि उसने बैंक से छह लाख रुपये के कृषि लोन के लिए आवेदन किया था। लोन स्वीकृति के दौरान प्रबंधक रामफल ने उसे लोन मंजूर कराने के एवज में 40,000 रुपये रिश्वत देने की मांग की। शिकायतकर्ता ने पहले ही तीन लाख रुपये की पहली किस्त खाते में आने पर 20,000 रुपये नकद आरोपी को दे दिए थे। बाद में जब 17 सितंबर को दूसरी किस्त भी खाते में जमा हुई, तो प्रबंधक ने शेष 20,000 रुपये की मांग दोहराई। बार–बार अनुरोध और बातचीत के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ और 15,000 रुपये की राशि देने पर मामला तय हुआ। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हिसार की टीम ने इस शिकायत के आधार पर बैंक परिसर में जाल बिछाया और आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया।

धान व बाजरा खरीद घोटाले की हाई कोर्ट के सिटिंग जज से जांच होनी चाहिए : बजरंग गर्ग

चंडीगढ़, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कान्फैड के पूर्व अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने व्यापारी व किसानों से बातचीत करने के उपरांत कहा कि सरकार की लापरवाही के कारण किसानों का करोड़ों रुपए का धान व बाजरा बारिश के कारण गिला हो गया है। जिसके कारण किसानों का बड़ा भारी नुकसान हुआ है। मौसम विभाग की चेतावनी के बावजूद सरकार ने धान व बाजरा खरीद, उठान व रख–रखाव की तरफ ध्यान ना देने से किसानों में बड़ा भारी रोष है। सरकार को किसान की धान खरीद पर 500 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देना चाहिए। बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री को अपनी घोषणा के अनुसार धान की खरीदी 3100 रुपए प्रति क्विंटल करनी चाहिए जबकि सरकार द्वारा धान की खरीद 3100 रुपए करना तो दूर की बात है सरकार एमएसपी 2389 रुपए में भी धान खरीद नहीं कर रही है। सरकार द्वारा जो भी धान खरीद की गई है उसमें नमी के नाम पर 150 रुपए प्रति क्विंटल से लेकर 400 रुपए प्रति क्विंटल तक किसानों के पैसे कम दिए गए हैं। किसानों पर एक तरफ मौसम विभाग की मार दूसरी तरफ सरकारी अधिकारियों द्वारा किसानों से खुली लूट की जा रही है। बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा की मंडियों में लगभग 22 लाख मैट्रिक टन बाजरा आ चुका है। सरकार द्वारा मंडियों में बाजरे की खरीद सिर्फ 1.25 प्रतिशत करने से किसान बर्बादी के कगार पर है। किसान मजबूरी में अपना बाजरा 1500 रुपए से लेकर 2000 रुपए प्रति क्विंटल तक बेच रहा है, एमएसपी बाजरा की 2775 रुपए है। भाजपा सरकार में पहले भी धान, बाजरा व सरसों खरीद में करोड़ों रुपए का घोटाला हुआ है।

धान खरीद घोटाला की एफआईआर दर्ज होने के बावजूद भी आज तक दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अब भी इस सरकार में धान व बाजरा खरीद में करोड़ों रुपए का घोटाला करके किसानों को चूना लगाया जा रहा है। हरियाणा में धान व बाजरा खरीद घोटाले की हाई कोर्ट के सिटिंग जज से जांच होनी चाहिए ताकि घोटाला करने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सकें।

आईपीएस अधिकारी की आत्महत्या मामले में

भूपेंद्र हुड्डा ने की निष्पक्ष जांच की मांग

चंडीगढ़, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या मामले में निष्पक्ष और व्यापक जांच की मांग की। उन्होंने राज्य सरकार से इस मामले में न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह किया। हुड्डा ने कहा कि इस मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाना चाहिए और किसी भी निर्दोष व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए। हुड्डा ने बताया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से खराब हो चुकी है। उन्होंने कहा, ऐसे माहौल में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की आत्महत्या होना अत्यंत दुखद और चिंताजनक घटना है। यह पूरा राज्य इस घटना से हिल गया है। अगर इतने वरिष्ठ अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं तो आम जनता की स्थिति का अनुमान लगाया जा सकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों को कानून के कठघरे में लाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में कानून व्यवस्था को सुधारने के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत है ताकि आम नागरिक सुरक्षित महसूस कर सकें।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पुलिस अधिकारियों की सुरक्षा और मनोबल बनाए रखना बेहद जरूरी है, क्योंकि वे कानून व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं।

बुधवार को पूरन कुमार की पत्नी और आईएएस अधिकारी अमनीत पी. कुमार ने चंडीगढ़ के सेक्टर–11 पुलिस स्टेशन के एसएचओ को पत्र लिखकर हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारनिया के खिलाफ प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए थे।

उन्होंने दोनों अधिकारियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 108 (उकसाने के लिए आत्महत्या) और एससी–एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करने और तत्काल गिरफ्तारी की मांग की थी। अमनीत ने दावा किया था कि इन अधिकारियों की जातिगत प्रताड़ना के कारण ही उनके पति ने 7 अक्टूबर को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर खुद को गोली मार ली।

चुनाव में एआई का गलत इस्तेमाल नहीं चलेगा

बिहार चुनाव से पहले आयोग सख्त पार्टियों को दी कड़ी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव में अब एक महीने से भी कम का समय शेष है। ऐसे में राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी और तेज कर दी है। चुनावी रण में पार्टियां अपने-अपने प्रतिद्वंदी को पीछे छोड़ने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। चाहे वो जमीनी स्तर से हो या तकनीक के माध्यम से।

इसी बीच चुनाव आयोग ने प्रचार-प्रसार से संबंधित एक मामले में राजनीतिक पार्टियों को सख्त चेतावनी दी है। ये चेतावनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के गलत इस्तेमाल को लेकर दी गई है।

आयोग ने कहा है कि कोई भी पार्टी या उम्मीदवार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का गलत इस्तेमाल कर फर्जी वीडियो या झूठी जानकारी सोशल मीडिया पर न फैलाए। गुरुवार को जारी एक बयान में चुनाव आयोग ने सभी दलों को याद दिलाया कि अगर वे प्रचार के लिए एआई से बना कोई कंटेंट (जैसे वीडियो, ऑडियो या इमेज) सोशल मीडिया या विज्ञापनों में इस्तेमाल करते हैं, तो उसे साफ-साफ एआई-जनरेटेड, डिजिटल रूप से संवर्धित या सिंथेटिक सामग्री बताना जरूरी है।

आयोग ने कहा कि सोशल मीडिया पर नजर रखी जा रही है ताकि कोई भी पार्टी चुनावी माहौल को बिगाड़ने की कोशिश न कर सके। चुनाव आयोग ने कहा कि एआई टूल्स का दुरुपयोग कर अगर कोई फर्जी या गुमराह करने वाली जानकारी फैलाई गई, तो सख्त कार्रवाई होगी। यह चुनाव की पारदर्शिता और निष्पक्षता के लिए जरूरी है। हालांकि ये पहली बार नहीं है कि चुनाव आयोग ने एआई के उपयोग के लिए कोई चेतावनी जारी की हो। इससे पहले लोकसभा चुनाव के दौरान भी आयोग ने एआई के दुरुपयोग को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए थे।

गौरतलब है कि बिहार में 243 विधानसभा सीटों के लिए दो चरण में- 6 नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होगा। 14 नवंबर को नतीजे आएंगे। पहले चरण में 6 नवंबर को 18 जिलों की 121 सीटों पर वोटिंग होगी। वहीं, दूसरे चरण में 11 नवंबर को 20 जिलों की 122 सीटों पर वोटिंग होगी। इस बार राज्य में कुल 7.43 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें लगभग 14 लाख नए मतदाता शामिल हैं, जो पहली बार वोट डालेंगे।

मोबाइल व्यवसायी की बेरहमी हत्या, इलाके में मची सनसनी

छपरा (एजेंसियां)।

बिहार के छपरा में एक व्यवसायी की चाकू से हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना बुधवार देर रात को हुई, जब अज्ञात युवकों ने अमनौर के हरनारायण गांव निवासी सोनू कुमार (34 वर्ष), पुत्र सुनील जायसवाल, की बेरहमी से हत्या कर दी।

सोनू अमनौर बाजार में दिल्ली मोबाइल शॉप नाम से मोबाइल फोन और एक्सेसरीज़ की दुकान चलाते थे। परिजनों के अनुसार, घटना के बाद तीन अज्ञात युवक सोनू को लहूलुहान स्थिति में अमनौर बाजार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। लेकिन अस्पताल पहुंचते ही युवक सोनू को छोड़कर मौके से फरार हो गए। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण सोनू की मौत बीच रास्ते में ही हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही अमनौर बाजार में अफरा-तफरी का माहौल फैल गया। स्थानीय दुकानदार, व्यवसायी और ग्रामीण अस्पताल में इकट्ठा हो गए। मृतक की हत्या की खबर सुनकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मढ़ौरा अनुमंडल के डीएसपी नरेश पासवान अमनौर के थानाध्यक्ष और पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे। हत्या की सूचना मिलते ही भ्रमणशील पुलिस टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई थी। पुलिस अधिकारियों ने घटना स्थल और अस्पताल परिसर का गहन निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। अस्पताल और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि अस्पताल लाने वाले तीन अज्ञात युवकों की पहचान की जा सके।

डीएसपी नरेश पासवान ने बताया कि हत्या में शामिल आरोपियों की पहचान के लिए विशेष टीम गठित की गई है। तकनीकी साक्ष्य, मोबाइल लोकेशन और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच तेज कर दी गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। व्यवसायी सोनू की निर्मम हत्या से पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया है। स्थानीय व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की है कि अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोर सजा दी जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच में जुटी हुई है। हत्या के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है, लेकिन व्यक्तिगत रंजिश या व्यवसायिक विवाद को लेकर संदेह जताया जा रहा है। हालांकि, पुलिस और स्थानीय लोग मृतक के दोस्त द्वारा हत्या करने की बात भी कह रहे हैं। लेकिन जब तक जांच पूरी नहीं होती और आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक सच्चाई सामने नहीं आएगी।

8 साल की बच्ची की बेरहमी से हत्या, बोरे में बंद मिला शव

पटना (एजेंसियां)।

पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल स्थित अथमलगोला थाना क्षेत्र के करजान गांव के पास एक 8 वर्षीय बच्ची की बेहरमी से अपराधियों ने हत्या कर दी। हत्या के बाद अपराधियो ने उसके शव को बोरे में बांधकर गांव के बाहर खेत में फेंक कर फरार हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शव को बंद बोरे से बाहर जब निकाला गया तो उसके दोनो हाथ व पैर प्लास्टिक के वायर से बंधी थी।

शव को पुलिस ने बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक का बच्ची के परिवार वालों के बीच कोहराम मच गया है। घटना की सूचना पर काफी संख्या में गांव के लोग मौके पर जुट गए। इधर लोगों ने बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद अपराधियो के द्वारा हत्या कर शव को बोरे में बंदकर कर फेके जाने की आशंका जताई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के मुताबिक, बुधवार की दोपहर बच्ची अपने गांव के पास खेत में बकरी चराने गई थी। लेकिन शाम तक वह घर नहीं लौटी। देर रात तक बच्ची के न लौटने पर परिवार वाले बहुत परेशान हो गए और उसकी तलाश शुरू कर दी। तलाश के दौरान मकान से कुछ दूरी पर खेत में एक बोरा मिला। जब उसे खोला गया, तो उसमें बच्ची का शव पाया गया। परिवार वालों ने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बोरे के अंदर से बच्ची का शव बाहर निकाला। जब शव को बाहर निकाला गया, तो देखा गया कि बच्ची के दोनों हाथ और पैर प्लास्टिक के कॉपर वायर से बंधे हुए थे। यह देखकर परिवार के लोग फूट-फूटकर रोने लगे।

निर्माणाधीन मकान से बच्ची की चप्पल मिलने के बाद लोगों ने आशंका जताई कि अपराधियों ने पहले बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और फिर हाथ-पैर बांधकर उसकी हत्या कर दी। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। साथ ही पुलिस अधिकारियों की टीम को मौके पर बुलाया गया है ताकि मामले के हर पहलू की जांच की जा सके। पुलिस का कहना है कि मृतका का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

विपक्षी गठबंधन में सीट बंटवारे के बिना ही प्रत्याशियों को मिल रही हरी झंडी, कांग्रेस भी आगे

पटना (एजेंसियां)।

इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान जारी है। नेता प्रतिपक्ष और इंडिया गठबंधन के समन्वय समिति के अध्यक्ष तेजस्वी यादव के पोलो रोड स्थित आवास पर बैठकों का दौर जारी है। सीट बंटवारा अभी तय नहीं हुआ है लेकिन गठबंधन की कुछ पार्टियों ने कई जगह अपने प्रत्याशी भी फाइनल कर दिया है। इसमें कांग्रेस सबसे आगे है। सूत्र बता रहे हैं कि सीट शेयरिंग का फार्मूला तय होने से पहले ही कांग्रेस ने अपने 25 उम्मीदवारों के नाम तय कर दिए हैं। यह फैसला दिल्ली में आयोजित केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद लिया गया है। आज दोपहर 3 बजे कांग्रेस ने पटना स्थित सदाकत आश्रम में एक बड़ी प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। इस मामले में कांग्रेस के विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने बताया कि कई संभावित सीटों पर विमर्श पूरा हो चुका है और आलाकमान ने इस पर अंतिम मुहर भी लगा दी है।

इधर, दिल्ली से लौटने के बाद बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश कुमार राम ने बताया कि कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने उम्मीदवारों की सूची को भी मंजूरी दे दी है और एक-दो दिन में औपचारिक घोषणा कर दी जाएगी।

राजेश कुमार ने कहा कि सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। हमने अपने गठबंधन सहयोगियों से चर्चा के बाद सीटों की पहचान कर ली थी। जिन उम्मीदवारों के नाम हमने सुझाए थे, उन्हें केंद्रीय चुनाव समिति ने मंजूरी दे दी है।उन्होंने ज्यादा विवरण साझा करने से इनकार किया और कहा कि गठबंधन में कुछ नए साथियों को शामिल करना है। यह प्रक्रिया अंतिम चरण में है। एक-दो दिन में सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा और हम औपचारिक घोषणा करेंगे।

कांग्रेस के एक अन्य नेता ने भी इस बात की पुष्टि की है कि केंद्रीय चुनाव समिति ने बिहार के 25 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम तय कर दिए। खास बात यह है कि कांग्रेस इस बार अपने पुराने विधायकों पर फिर से भरोसा कर रही है और इनमें से 17 विधायकों को दोबारा टिकट देने का फैसला लिया है। दरअसल कांग्रेस इस विधानसभा चुनाव में अलग तेवर में है।

बुधवार को केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में इस बार का प्रदर्शन बेहतर करने और स्ट्राइक रेट को सुधारने पर बात हुई। वहीं सीट बंटवारे से पहले 25 सीटों पर उम्मीदवार तय करने के सवाल पर कांग्रेस नेताओं ने यह तर्क दिया कि जिन सीटों पर इंडिया गठबंधन के किसी भी डाल से कोई विवाद नहीं है वहां ही उम्मीदवारों के नाम का चयन किया गया है। बता दें कि कांग्रेस ने 2020 के विधानसभा चुनाव 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। इनमें से 19 सीटों पर ही उसे जीत मिली थी। इस बार भी कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है लेकिन राजद उसे 50 से अधिक देने के लिए तैयार नहीं है।

इधर, राजद ने भी अपने कई उम्मीदवारों के रिपोर्ट कार्ड की समीक्षा कर ली है। करीब 50 से अधिक सीट ऐसे हैं, जहां उम्मीदवारों का फैसला राजद के शीर्ष नेतृत्व ने कर लिया है। तेजस्वी यादव इस बार खुद ही हर एक सीट पर उतारे गए उम्मीदवार की समीक्षा कर रहे हैं। टिकट उसी को दिया जा रहा है जो मजबूती से राजद का झंडा उस विधानसभा में बुलंद कर हर हाल में जीत दिला सके। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने कहा कि पिछले बीस साल से बिहार में काबिज खटारा सरकार से जनता उबर चुकी है। लोग बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और पलायन की मार झेल रहे हैं। बिहार की जनता अब बदलाव चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि इंडिया गठबंधन सरकार बनने पर जनता को इन समस्याओं से राहत दिलाने का काम किया जाएगा। बता दें कि राजद ने 2020 के विधानसभा चुनाव में 144 सीटों पर अपनी उम्मीदवार उतारे थे इनमें से 75 सीटों पर उसे जीत मिली थी

बिहार के लोग बदलाव चाहते हैं, 14 नवंबर को बनेगी महागठबंधन की सरकार : तेजस्वी

भागलपुर (एजेंसियां)।

बिहार में प्रतिपक्ष के नेता एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बुधवार को कहलगांव विधानसभा क्षेत्र से बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का चुनावी शंखनाद किया। इस दौरान वे झारखंड सरकार के मंत्री संजय यादव के पुत्र रजनीश यादव की कहलगांव विधानसभा क्षेत्र से चुनावी दावेदारी का समर्थन करने पहुंचे।

भागलपुर जिले के गोराडीह स्थित मध्य विद्यालय बिरनौध में आयोजित चुनावी जनसभा में तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा पर तीखे प्रहार किए। नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि अब बिहार को ऐसे युवा मुख्यमंत्री की जरूरत है, जिनके पास स्पष्ट विजन हो, न कि अचेत अवस्था वाले सीएम की।

तेजस्वी ने कहा कि पिछले बीस साल से बिहार में काबिज खटारा सरकार से जनता उबर चुकी है। लोग बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और पलायन की मार झेल रहे हैं। बिहार की जनता अब बदलाव चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि महागठबंधन सरकार बनने पर जनता को इन समस्याओं से राहत दिलाने का काम किया जाएगा।

उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार पर बिहार में विकास न करने और भ्रष्टाचार फैलाने का आरोप लगाया। तेजस्वी ने कहा कि अगर महागठबंधन सरकार बनी तो जनवरी से माई-बहिन योजना के तहत सभी महिलाओं के खाते में प्रति माह 2500 रुपये भेजे जाएंगे। उन्होंने पीएम मोदी के बीते दस साल के कार्यकाल के दौरान रसोई गैस की कीमत 500 रुपये से बढ़कर 1200 रुपये होने का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार 500 रुपये में रसोई गैस देगी।

तेजस्वी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ङ्गपलटू चाचा का हम सम्मान करते हैं, लेकिन जो उन्होंने किया, वह पूरा बिहार जानता है। अब वह अचेत अवस्था में हैं और भाजपा ने उन्हें हाईजैक कर रखा है। जनता खुद तय करे कि उन्हें अस्वस्थ मुख्यमंत्री चाहिए या विजन वाला नौजवान मुख्यमंत्री।

उन्होंने कहा कि आगामी महागठबंधन सरकार दवाई, पढ़ाई, सिंचाई, सुनवाई और कार्रवाई पर ध्यान देगी। तेजस्वी ने दावा किया कि 14 नवंबर को महागठबंधन की सरकार बनेगी और बिहार की हर जनता किंगमेकर होगी। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और राज्य की नीतीश सरकार पर निशाना साधते हुए तेजस्वी ने कहा कि मोदी 11 साल और नीतीश कुमार 20 साल से सत्ता में हैं, लेकिन बिहार में एक भी फैक्ट्री नहीं लगी। गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी रुकी नहीं और पलायन कम नहीं हुआ। इसके विपरीत बिहार में अपराध, भ्रष्टाचार और महंगाई बढ़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सिर्फ हिन्दू-मुस्लिमों के बीच नफरत की राजनीति करते हैं और विकास के बजाय वोट बैंक की राजनीति करते हैं।

तेजस्वी ने अपनी राजनीति विकास और रोजगार आधारित होने का दावा किया और कहा कि बिहार को अब पलटना नहीं, बल्कि आगे बढ़ना है। शराबबंदी कानून पर भी उन्होंने सरकार को घेरा और कहा कि बिहार में शराबबंदी पूरी तरह फेल है। होम डिलीवरी हो रही है, जबकि दलित, पिछड़े और गरीब लोग जेल में हैं, लेकिन अपराधियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

भागलपुर के चर्चित सृजन घोटाले का जिक्र करते हुए तेजस्वी ने कहा कि इसमें शामिल लोगों पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार, एनडीए सरकार के दौरान बिहार में 70 हजार करोड़ का घोटाला हुआ, लेकिन अभी तक किसी पर कार्रवाई नहीं हुई।

सीतामढ़ी में सरेआम हत्या, आचार संहिता में भी अपराधियों के हौसले बुलंद

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

सीतामढ़ी जिले में आचार संहिता लागू होने के बावजूद अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। बेलसंड थाना क्षेत्र में बुधवार शाम उस समय सनसनी फैल गई जब अपराधियों ने रवि सिंह को गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान भोरहा निवासी रवि सिंह के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, रवि सिंह किसी काम से बेलसंड बाजार आए थे। तभी घात लगाए अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बेलसंड थाने की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से गश्ती बढ़ाने और अपराधियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। आचार संहिता के दौरान हुई इस वारदात ने कानून व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com